जबलपुर शनिवार 02 मई 2026 > शक संवत 1948 वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्दशी प्रतिपदा संवत 2083

वर्ष 31 अंक 305 > मूल्य ₹3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

ब्लॉक्स ने रूड को चौंकाया एंड्रीवा मैड्रिड ओपन के फाइनल में

» 10

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 930135969 पर कॉल करें।

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 28.8°C

सूर्योदय - 5.36 | सूर्यास्त - 6.38

सारांश तिवारी ने रीजनल शतरंज प्रतियोगिता » 2

मन्ना डे ने शास्त्रीय संगीत को फिल्म जगत में विशिष्ट » 7

बम्हौरी कलां में कार्यरत दो शिक्षकों का सेवाभिनंदन » 9

मध्यप्रदेश में क्रूज संचालन पर रोक

- पीड़ितों से मिले मुख्यमंत्री
- हादसे की जांच के आदेश
- अब तक 9 शव निकाले
- 3 बच्चों समेत 4 लापता
- 28 लोगों को बचाया गया
- पायलट समेत 3 बर्खास्त

मौज के बदले मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में गुरुवार शाम करीब 5 बजे पर्यटन विभाग का एक क्रूज अचानक आई तेज आंधी के चलते डूब गया। अब तक 9 शव मिल चुके हैं। प्रशासन के मुताबिक, 28 लोगों को बचा लिया गया है। तीन बच्चों सहित 4 लोग लापता हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त क्रूज में लगभग 43 से 47 पर्यटक थे। टिकट सिर्फ 29 लोगों की कटी थी। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ, जिस समय क्रूज डूबा, उस वक्त हवा की रफ्तार 74 किलोमीटर प्रतिघंटा थी। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल मिश्रा के मुताबिक, एसडीआरएफ ने कई लोगों को बचाया, लेकिन अंधेरा और खराब मौसम से राहत कार्य प्रभावित हुआ। हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिवार जनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जबलपुर पहुंचे। यहां हादसे में जान गंवाने वाली नीतू सोनी के परिजन से मिलकर शोक संवेदनाएं जताईं। मुख्यमंत्री सैयद रियाज हुसैन के घर भी गए। रियाज की पत्नी रेशमा सैयद की भी हादसे में मौत हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बरगी डैम भी गए। यहां करीब 15 मिनट तक घटनास्थल का निरीक्षण किया। सीएम ने मौके पर मौजूद एनडीआरएफ के जवानों से भी बातचीत की, जो कल रात से ही घटनास्थल पर लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे हुए हैं।

हादसे की जांच होगी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- हादसे की उच्चस्तरीय टीम से जांच करवाई जा रही है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करेंगे। भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो, इसके लिए सभी उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बचाव कार्य में लगी टीम के प्रत्येक सदस्य को 51-51 हजार रुपए दिए जाएंगे। सीएम ने जल जीवन मिशन के अधिकारी और उन कर्मचारियों को भी धन्यवाद दिया, जो अपनी जान की परवाह न करते हुए फौरन मौके पर पहुंचे और क्रूज में सवार लोगों को बचाया।

पायलट समेत 3 बर्खास्त, 1 सस्पेंड

बरगी जलाशय में हुए दुखद क्रूज हादसे के बाद प्रशासन ने लापरवाही के मामले में कड़ा कदम उठाया है। क्रूज पायलट महेश पटेल, हेल्पर छोटेलाल गोंड और टिकट काउंटर प्रभारी बृजेंद्र की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं। वहीं, होटल मैकल रिसॉर्ट और बोट क्लब बरगी के मैनेजर सुनील मरावी को कार्य में लापरवाही के आरोप में निलंबित किया गया है। रीजनल मैनेजर संजय मल्होत्रा को मुख्यालय अटैच कर उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

पूरी सरकार असंवेदनशील: सिंघार

मप्र विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी शुक्रवार को जबलपुर पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष बोले- पूरी सरकार असंवेदनशील है। सरकार सिर्फ जांच की बात करती है। सीधे-सीधे संबंधित विभाग, व्यक्ति जिम्मेदार है। क्यों नहीं सरकार ने यहां मापक यंत्र लगवाया। यहां के प्रबंधक आपके सामने बोल रहे हैं कि यहां आंधी तूफान देखने का मापक यंत्र नहीं था। लाइफ जैकेट नहीं थी।

इन लोगों के शव मिले

1. नीतू सोनी, निवासी कोतवाली, जबलपुर
2. सौभाग्यम अलागन, निवासी अन्नानगर, तमिलनाडु
3. मधुर मैसी, निवासी खाजन बस्ती, नई दिल्ली
4. काकुलाझी, निवासी वेस्ट लैंड खमरिया, जबलपुर
5. रेशमा सैयद, निवासी सिविल लाइन, जबलपुर
6. शमीम नकवी, निवासी डेरखी, भोपाल
7. मरीना मैसी पति प्रदीप मैसी, निवासी दिल्ली
8. त्रिशान पिता प्रदीप मैसी, निवासी दिल्ली
9. ज्योति सेन, निवासी फूटाताल, जबलपुर

यह लोग अब भी लापता

1. श्रीतमिल पिता कामराज
2. कामराज पिता रामालिंगम
3. विराज पिता कृष्णा सोनी
4. मयूरम पिता परिमल

असम सीएम के बयान पर भड़का बांग्लादेश

ढाका। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भारत और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ा दिया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका में तैनात भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बढ़े को तलब किया। बांग्लादेश ने मुख्यमंत्री के बयान पर अपनी गहरी नाराजगी जताते हुए इसे दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों के खिलाफ बताया है।

बंगाल के 15 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान आज

कोलकाता। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर और मगरा हाट पश्चिम क्षेत्रों के 15 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया है। आयोग के निर्देशानुसार इन सभी केंद्रों पर 2 मई को दोबारा मतदान कराया जाएगा। मतदान सुबह सात बजे से शाम 6 बजे तक होगा। इन 15 मतदान केंद्रों में 143-डायमंड हार्बर एसी के चार और 142-मगराहाट पश्चिम एसी के 11 मतदान केंद्र शामिल हैं, जहां पर फिर से शनिवार को वोटिंग होगी।

ताज एक्सप्रेस पर लोहे की पाइप से हमला

नई दिल्ली। दिल्ली से ग्वालियर जा रही ताज एक्सप्रेस पर शुक्रवार सुबह एक सनसनीखेज हमला हुआ। होडल और कोसीकलां रेलवे स्टेशनों के बीच अज्ञात व्यक्ति ने चलती ट्रेन की इमरजेंसी खिड़की पर 2 इंच मोटा लोहे का पाइप फेंक दिया, जिससे खिड़की का शीशा टूट गया और पाइप कोच के अंदर आ गिरा। इस घटना में एक दंपती सहित कई यात्री घायल हो गए।

सभी वाहनों के लिए सख्त होंगे ईंधन नियम?

नई दिल्ली। नीति आयोग ने सिफारिश की है कि कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी नियमों को अब केवल कारों तक सीमित न रखकर वाहनों की सभी श्रेणियों पर लागू किया जाए। पश्चिम एशिया संकट और ईंधन की अस्थिर कीमतों को देखते हुए, यह कदम पेट्रोल-डीजल पर भारत की निर्भरता कम करने के लिए उठाया गया है। वर्तमान में, ईंधन दक्षता के नियम सभी वाहनों पर समान रूप से लागू नहीं हैं। नीति आयोग ने प्रस्ताव दिया है कि टू-व्हीलर, पैसेंजर वाहन, कमर्शियल वाहन और बसों को भी CAFE मानकों के दायरे में लाया जाए। इसका उद्देश्य समग्र रूप से ईंधन की खपत को कम करना और पर्यावरण को बेहतर बनाना है।

सुप्रिया सुले का बड़ा एलान

पवार परिवार में अब अपनों से जंग नहीं

मुंबई

एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि, वह अब कभी भी पवार परिवार के किसी भी सदस्य के खिलाफ चुनाव नहीं लड़ेंगी। सुप्रिया की भाभी और एनसीपी प्रमुख सुनेत्रा पवार ने उनके इस बयान का स्वागत किया और कहा कि किसी भी चुनावी मैदान में पवार बनाम पवार की एक और चुनावी टक्कर नहीं होनी चाहिए। मालूम हो कि साल 2023 में एनसीपी में फूट पड़ने के बाद से, पवार परिवार के सदस्यों ने बारामती में दो बार एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ा है। पहली बार 2024 में ऐसा हुआ, जब सुप्रिया और सुनेत्रा ने लोकसभा में बारामती का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुनाव लड़ा। सुप्रिया ने वह चुनाव जीत लिया। वहीं, लोकसभा चुनाव के कुछ महीनों बाद, तत्कालीन एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने विधानसभा चुनाव में अपने भतीजे, युगेंद्र को हरा दिया। मुंबई में मीडिया से बातचीत करते हुए सुप्रिया ने कहा कि, भविष्य में ऐसी कोई चुनावी टक्कर नहीं होगी। उन्होंने कहा, मैं यह साफ कर देना चाहती हूं कि, मैं पवार परिवार के किसी भी सदस्य के खिलाफ चुनाव नहीं लड़ूंगी। अगर परिवार का कोई सदस्य (बारामती लोकसभा सीट से) चुनाव लड़ने का फैसला करता है, तो मैं किसी दूसरी सीट से चुनाव लड़ूंगी। 2024 के लोकसभा चुनावों में सुनेत्रा के खिलाफ अपनी चुनावी लड़ाई के बारे में सुप्रिया ने कहा, उस चुनाव की कुछ पृष्ठभूमि थी, जिसके बारे में मैं अभी बात नहीं करना चाहती। उस समय भी मैं अपने परिवार के किसी सदस्य के खिलाफ चुनाव नहीं लड़ना चाहती थी। भविष्य में भी, मैं इसी रुख पर कायम रहूंगी।

सुनेत्रा ने इस रुख का किया स्वागत

सुनेत्रा ने सुप्रिया के इस रुख का स्वागत किया। नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए एनसीपी प्रमुख ने कहा, जब से मैंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा है, मैंने हमेशा राजनीति और पारिवारिक रिश्तों को अलग रखने की कोशिश की। मैं सुप्रिया ताई के इस रुख से खुश हूं। पूरा पवार परिवार उनके साथ है।

पवन खेड़ा को मिली सशर्त अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दे दी। मामला असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी के पास 3 विदेशी पासपोर्ट और अमेरिका में 50 हजार करोड़ की कंपनी होने के आरोप से जुड़ा है। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ये आरोप लगाए थे। इसके बाद रिनिकी भुइयां सरमा ने पवन के खिलाफ गुवाहाटी में एफआईआर दर्ज कराई थी इसके बाद 7 अप्रैल को असम पुलिस ने खेड़ा के दिल्ली स्थित घर पर रेड की थी। सुप्रीम कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा- आरोप-प्रत्यारोप राजनीति से प्रभावित लगते हैं। लेकिन पवन खेड़ा को असम पुलिस की जांच में सहयोग करना होगा और वे बिना अदालत की अनुमति के भारत नहीं छोड़ सकते। कोर्ट के फैसले के बाद जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने इस पर कहा- 60 पुलिसवालों को खेड़ा के घर पर भेज दिया। भारी संख्या में पुलिस भेजने का कारण सिर्फ डराना और उत्पीड़न करना था। कोर्ट की सुनवाई खत्म होने के बाद कांग्रेस नेता जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री को तीन पन्नों में कोट किया है। ऐसी कई बातें हैं जो न न्यायालय कोट कर सकता है और न हम यहां बोल सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में असम के मुख्यमंत्री को सोचना चाहिए कि क्या एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को ये शोभा देता है? हम चाहते हैं कि असम के मुख्यमंत्री इस बारे में गंभीरतापूर्वक विचार कर खेद व्यक्त करें।

कांग्रेस बोली- खेड़ा को डराने के लिए 60 पुलिसकर्मी भेजे गए

जबलपुर में 3290 रुपए का हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर

जबलपुर/भोपाल। दो महीने की किल्लत के बीच मध्यप्रदेश में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 993 रुपए महंगा हो गया है। भोपाल में 3074 रुपए, इंदौर में 3179 रुपए, जबलपुर में 3290 रुपए, ग्वालियर में 3296 रुपए और उज्जैन में 3241 रुपए में सिलेंडर मिलेगा। दो महीने में रेट 1248 रुपए बढ़ चुके हैं। इसका सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा। कमर्शियल सिलेंडर के रेट ऐसे समय बढ़े हैं, जब होटल, रेस्टोरेंट-ढाबों को जरूरत की 50 प्रतिशत गैस ही मिल रही है। जुलाई तक प्रदेश में 20 हजार से ज्यादा शादियां होनी हैं, ऐसे में आम लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मध्य प्रदेश टेंट कैटर्स एसोसिएशन के रामबाबू शर्मा ने बताया कि सिलेंडर के रेट बढ़ने से होटल और कैटर्स में 10 प्रतिशत तक कॉस्टिंग का फर्क पड़ेगा। 500 लोगों के 5 लाख रुपए के खाने का बजट अब 45 से 50 हजार रुपए तक बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सिलेंडर पर 5 से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी ठीक थी, लेकिन करीब 50 प्रतिशत बढ़ोतरी न्याय संगत नहीं है। सरकार को फैसला वापस लेना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची टीएमसी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। यह कदम कोलकाता उच्च न्यायालय के एक आदेश के खिलाफ उठाया गया है। उच्च न्यायालय ने 30 अप्रैल को तृणमूल कांग्रेस की याचिका को खारिज कर दिया था। यह याचिका पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से संबंधित थी। तृणमूल कांग्रेस ने मतगणना में पर्यवेक्षकों की तैनाती पर आपत्ति जताई थी। पार्टी ने केवल केंद्र सरकार के कर्मचारियों को पर्यवेक्षक बनाने के फैसले को चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट की विशेष पीठ 2 मई को इस मामले की सुनवाई करने वाली है।

नागरिकता अधिकार नहीं, विशेषाधिकार

केन्द्र ने नागरिकता नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को सिटिजनशिप (संशोधन) नियम, 2026 लागू कर दिए हैं। नए नियमों के तहत अब ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन करना होगा। साथ ही फिजिकल कार्ड के साथ ई-ओसीआई दस्तावेज की भी सुविधा दी गई है, जिससे प्रक्रिया ज्यादा सरल और डिजिटल हो जाएगी। नए नियमों में साफ किया गया है कि कोई नाबालिग एक साथ भारतीय और विदेशी पासपोर्ट नहीं रख सकता। यह प्रावधान दोहरी नागरिकता से जुड़े मामलों में स्पष्टता लाने के लिए जोड़ा गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि ओसीआई स्टेटस एक विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं। यदि कोई धारक भारतीय कानूनों का उल्लंघन करता है, तो उसका ओसीआई रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा सकता है। ओसीआई कार्ड धारकों को भारत में आजीवन मल्टीपल एंट्री वीजा, आर्थिक और शैक्षणिक सुविधाएं मिलती हैं। हालांकि सरकार ने दोहराया है कि ओसीआई धारकों को वोटिंग या संवैधानिक पदों जैसे राजनीतिक अधिकार नहीं मिलते। सरकार ने पहले ही नियम सख्त करते हुए कहा था कि यदि किसी ओसीआई धारक को 2 साल या उससे अधिक की सजा होती है या 7 साल या उससे ज्यादा सजा वाले अपराध में चार्जशीट होती है, तो उसका रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा सकता है।

पुरुष-महिला साक्षरता दर में 14% का फासला

युवाओं में साक्षरता दर घटकर 3.8 हुई

नई दिल्ली

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संकल्प अब जमीनी स्तर पर सफल होता दिखाई दे रहा है। दरअसल राष्ट्रीय सांख्यिकी मंत्रालय ने एक रिपोर्ट पेश की है, जिसके मुताबिक अब स्कूल से लेकर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तक छात्राओं का नामांकन दर और उत्तीर्ण प्रतिशत छात्रों से काफी ज्यादा है। यानी अब उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिलाएं बदलाव की एक नई तस्वीर पेश कर रही हैं। देश में पुरुष और महिलाओं की साक्षरता दर देखें तो अब भी यह फासला तकरीबन 14 प्रतिशत तक कम है। लेकिन नई युवा पीढ़ी शिक्षा के क्षेत्र में एक नया बदलाव लेकर आई है। भारत में 15 से 24 साल तक के युवाओं के बीच साक्षरता दर अब घटकर केवल 3.8 हो गई है। यह अनुपात युवा पीढ़ी में शिक्षा के प्रति रुझान और प्रगति को दर्शाता है। साल 1981 में भारत में महिला साक्षरता दर कुल 30.6 प्रतिशत थी। अब यह आंकड़ा बढ़कर 70 प्रतिशत हो गया है, जो समय के साथ महिलाओं में साक्षरता दर वृद्धि को बखूबी बयां करता है। अगर एमफिल कोर्स की बात की जाए तो अकेले इस पाठ्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी कुल 76.14 प्रतिशत है। इसके साथ ही आर्ट्स, कॉमर्स, साइंस जैसी स्ट्रीम में भी लड़कियां आगे है। लेकिन, इंजीनियरिंग, आईटी और मैनेजमेंट जैसे कोर्स में महिलाओं की संख्या अब भी पुरुषों से कम है।

उच्च शिक्षा में लड़कियां आगे

स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक महिलाओं के नामांकन दर में लगातार वृद्धि हो रही है। स्नातक और स्नातकोत्तर जैसे पाठ्यक्रमों में भी महिलाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं का बढ़कर 30.2 प्रतिशत हो गया है, जबकि पुरुष का 28.9 प्रतिशत है। यह आंकड़े साफ जाहिर करते हैं कि उच्च शिक्षा में दाखिला लेने वालों में महिलाओं की संख्या सबसे ज्यादा है।

महिला नामांकन दर में बढ़ोतरी

उच्च शिक्षा में महिलाओं का रुझान लगातार बढ़ रहा है। साल 2021-22 और 2022-23 के बीच महिलाओं का नामांकन दर 28.5 प्रतिशत से बढ़कर 30.2 प्रतिशत हो गया। यही नहीं स्कूल छोड़ने एवं ड्रॉपआउट में भी कमी देखी गई। इसके साथ ही प्राथमिक स्तर पर छात्राएं अपनी पढ़ाई जारी रखने एवं सफल होने के लिए सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

जबलपुर-भोपाल-अनूपपुर-शहडोल-उमरिया-कटनी-पन्ना-सतना-रीवा-सिंगरौली-सीधी-दमोह-सागर-नरसिंहपुर-सिवनी-छिन्दवाड़ा-बालाघाट-मण्डला-डिण्डौरी जिलों में प्रसारित

खनिज विभाग द्वारा अवैध खनन परिवहन किये जाने पर 05 वाहन किया जप्त

शहडोल (स्वतंत्र मत)

जिला खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य ने जानकारी दी है कि खनिज विभाग के द्वारा जिले में 02 अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यवाही कर 05 वाहन/मशीन पर कार्यवाही की गई ।

जैतपुर क्षेत्र में गिट्टी खनिज का परिवहन करते हुए एक ट्रेक्टर को जप्त किया गया जिसके चालाक शिवप्रसाद पिता ज्वालाराम बैगा के पास गिट्टी परिवहन करने की कोई रॉयल्टी नहीं पायी गयी है, जिस कारण उक्त वाहन को मय खनिज

के इसके चालक से जप्त किया गया और थाना जैतपुर की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया है, जिसमे अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया, जाँच दल द्वारा ग्राम जरवाही तहसील बुढार में कार्यवाही की गयी, जिसमे 02 अलग-अलग स्थानों पर मिट्टी एवं मुरम खनिज का अवैध खनन करते हुए 02 जे सी बी मशीन एवं 01 ट्रेक्टर पकड़ा गया ग्राम जरवाही की भूमि खसरा क्र. 842 के अंश भाग पर मिट्टी खनन में एक जे सी बी तथा ट्रेक्टर को जप्त किया गया इनके द्वारा मिट्टी का खनन कर अन्यत्र स्थान पर परिवहन किया जा रहा था स मौके पर उक्त दोनों वाहन/मशीन को इनके चालकों से जप्त किया गया स इसी प्रकार ग्राम जरवाही की अन्य निजी भूमि पर मुरम खनिज का अवैध खनन करते हए पाया गया। उक्त दोनों स्थानों पर मिट्टी एवं मुरम खनिज के खनन सम्बंधित कोई अनुमतियाँ नहीं पायी गयी है दोनों जे सी बी मशीन एवं ट्रेक्टर को इनके ऑपरेटर/चालकों से जप्त कर थाना बुढार में खड़ा करवाया गया है। जिनमे मिट्टी एवं मुरम खनिज का अवैध खनन का प्रकरण पंजीबद्ध किया जा रहा है। ग्राम पकरिया, तहसील बुढार के पास एक डग्गी/मिनी ट्रक को गिट्टी खनिज का अवैध परिवहन करते हुए इसके चालक सोनू केवट पिता नत्थूलाल केवट से जप्त किया गया, जिसे थाना बुढार की शासकीय अभिरक्षा में खड़ा किया गया है।

सारांश तिवारी ने रीजनल शतरंज प्रतियोगिता में जीता गोल्ड मेडल, राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

शहडोल (स्वतंत्र मत)

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, सागर में 28 से 30 अप्रैल 2026 तक आयोजित रीजनल खेल प्रतियोगिता शतरंज पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय, शहडोल के वाणिज्य संकाय के छात्र एवं प्रतिभाशाली युवा शतरंज खिलाड़ी सारांश तिवारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया। सारांश ने प्रतियोगिता के 4 राउंड के कठिन मुकाबलों में चारों राउंड जीतकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की तथा पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा चेन्नई में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता

चेस-2026 में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। उनकी 2200 की उत्कृष्ट प्रदर्शन रेटिंग उनके उच्च स्तर के खेल और शतरंज की दुनिया में उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करती है। इसके साथ ही उन्होंने आगामी राष्ट्रीय स्तर की खेलो इंडिया शतरंज प्रतियोगिता में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है। सारांश तिवारी, जिला न्यायालय शहडोल में पदस्थ सरोज कुमार तिवारी एवं निशा तिवारी के सुपुत्र हैं। इस उपलब्धि पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री के.एन. सिंह, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी अभिषेक दीवान, केन्द्रीय विद्यालय शहडोल की प्राचार्य प्रीति मिश्रा सहित विभिन्न खेल संगठनों एवं नागरिकों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

कमिश्नर ने आंगनबाड़ी केंद्रो का किया निरीक्षण, अभिभावकों से की चर्चा

शहडोल। कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत पीएमजनमन योजना अंतर्गत बनाई गई आंगनबाड़ी केंद्र महरानटोला नवलपुर का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने आंगनबाड़ी केंद्रो में पोषण आहार वितरण, बच्चों की दर्ज संख्या सहित आंगनवाड़ी केंद्रों में दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। कमिश्नर ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों को मेनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन दे। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र में आए बच्चों के अभिभावकों से पोषण आहार की भी जानकारी ली। कमिश्नर ने कुपोषित बच्चों की माताओं को पोषण किट का वितरण भी किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास आनन्द अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

121 जोड़े विवाह सूत्र के बंधन से बंधे

गोहपारू में आयोजित हुआ मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह

शहडोल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत जनपद मुख्यालय गोहपारू में जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियो की उपस्थिति में सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम बड़े उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। सामूहिक कन्या विवाह के अवसर पर 121 नव दंपत्तियो ने वैदिक मंत्रोच्चरण एवं भारतीय परंपरा के साथ सात फेरे लेकर परिणय सूत्र में बंधे। कमिश्नर सुरभि गुप्ता, विधायक मनीषा सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियों ने पुष्पवर्षा कर उनके सुख, समृद्धि और मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक मनीषा

सिंह ने कहा कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम के माध्यम से जहां एक ओर विवाह में होने वाले अनावश्यक खर्च को कम किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का भी सशक्त संदेश दिया जा रहा है। सामूहिक कन्या विवाह सामाजिक समरसता और सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने विवाह संस्कार को भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि सामूहिक विवाह से अनावश्यक खर्चों में कमी आती है और सभी को अपनी खुशियां साझा करने का अवसर मिलता है। इसी प्रकार कार्यक्रम को अन्य जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियो ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के दौरान नवदंपतियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 49 हजार रुपये की आर्थिक सहायता के प्रतीक स्वरूप चेक एवं गृहस्थ जीवन की आवश्यक सामग्री प्रदान की गई, जिससे वे अपने नए जीवन की शुरुआत सुगमता से कर सकें। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सुधीर दिनकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

नगरपालिका द्वारा आमजन के लिए जयस्तम्भ चौक एवं गंज में शुरू किया प्याऊ

शहडोल (स्वतंत्र मत)

भीषण गर्मी को देखते हुए नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा आमजन को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शहर के प्रमुख स्थानों जय स्तंभ चौक एवं गंज क्षेत्र में प्याऊ प्रारंभ किए गए हैं। इन प्याऊ केंद्रों पर राहगीरों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। नगरपालिका प्रशासन ने बताया कि गर्मी के मौसम में नागरिकों को राहत पहुंचाने के लिए यह पहल की गई है। शहर के व्यस्त क्षेत्रों में स्थापित इन प्याऊ केंद्रों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित होंगे। नगरपालिका अधिकारियों ने कहा कि आगामी दिनों में आवश्यकता अनुसार अन्य स्थानों पर भी पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि गर्मी के दौरान लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

2 साल से लापता नाबालिग बालिका मिली सकुशल ऑपरेशन मुस्कान में डिंडौरी पुलिस की बड़ी कामयाबी

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार चलाए

जा रहे ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत डिण्डौरी पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो वर्षों से लापता नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अमित वर्मा एवं एसडीओपी अजय तिवारी के निर्देशन में थाना शाहपुर पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे थे। थाना प्रभारी निरीक्षक केवल सिंह परते के नेतृत्व में गठित टीम ने तकनीकी एवं मैदानी स्तर पर लगातार मेहनत की। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप 29 अप्रैल 2026 को लापता नाबालिग बालिका को बंशीखेड़ा, थाना बाबरी, जिला शामली से सुरक्षित दस्तयाब किया गया। करीब दो वर्षों तक चले इस खोज अभियान के बाद मिली सफलता पुलिस की दृढ़ता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी केवल सिंह परते, सउनि लेखराम परते, सउनि संतोष वंशकार, प्रधान आरक्षक कोदूराम जोगी, आरक्षक मुकेश प्रधान, महिला आरक्षक उषा खडसे एवं आरक्षक जगदीश उफानिया का विशेष योगदान रहा। पुलिस की इस सफलता को ऑपरेशन मुस्कान अभियान की प्रभावशीलता का उदाहरण माना जा रहा है, जिसके तहत गुमशुदा बच्चों को उनके परिजनों से मिलाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है।

शेषनारायण आयकर विभाग में कार्यालय अधीक्षक की संभालेंगे कमान

बालाघाट। कर्मचारी चयन आयोग 2025 (एसएससी सीजीएल) की परीक्षा के परिणाम अभी कुछ दिनों पूर्व ही घोषित किए गए है। इस परीक्षा को बालाघाट जिला मुख्यालय के वार्ड नंबर 13 सुभाष नगर बूढ़ी निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक सालिकराम ढोमने के सुपुत्र शेषनारायण ढोमने ने उत्तीर्ण कर यह मुकाम हासिल किया है। अब शेषनारायण आयकर विभाग में कार्यालय अधीक्षक की कमान संभालेंगे। चर्चा के दौरान शेषनारायण ढोमने ने बताया कि वह दो वर्ष से दिल्ली में इस परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। परीक्षा के लिए रोजाना करीब छह घंटे पढ़ाई करते रहे है। जिसका परिणाम है कि यहां तक सफलता मिली। उन्होंने आगे कहा कि इस परिणाम के बाद मिली उपलब्धि से ही संतुष्ट नहीं रहेंगे, जो सपना संघ लोक सेवा आयोग के लिए पहले से संजोए हुए रखा है उसके लिए शासकीय सेवा में निर्धारित समय देने के बाद शेष समय पढ़ाई में ही लगाएंगे। इसके साथ ही अपने सपने को पूरा करने का पूरा प्रयास करेंगे। शेषनारायण के पिता सेवानिवृत्त शिक्षक सालिकराम ढोमने बताते है कि उनके पुत्र ने अपनी प्राथमिक शिक्षा बालाघाट के सेंटमेरी स्कूल से प्राप्त की है। इसके बाद हायर सेकंडरी केंद्रीय विद्यालय भरवेली और स्नातक की पढ़ाई साइंस कालेज जबलपुर से किया है। शेषनारायण ने इस सफलता का श्रेय अपने पिता सेवानिवृत्त शिक्षक सालिकराम ढोमने, मां अलकेश्वरी ढोमने के अनुशासन एवं मार्गदर्शन को दिया हैं। आयकर विभाग में कार्यालय अधीक्षक के लिए चयन होने पर शेषनारायण ढोमने को महाराष्ट्रीयन स्वर्णकार समाज बालाघाट के अध्यक्ष अशोक फाये, उपाध्यक्ष विजय श्रीरंग, सचिव एच कावड़े, बड़े भाई एवं स्वर्णकार समाज लालबर्रा के अध्यक्ष रविकरण सोनी, नितिन सोनी, शिक्षा विभाग के लिपिक चैतन्य सोनी के अलावा अन्य नाते रिश्तेदारों सहित ईष्ट मित्रों ने बधाइयां देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

सीईओ जिला पंचायत ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संचालित कार्यो का ग्राम पंचायत कुबरा एवं झारा में किया निरीक्षण

शहडोल (स्वतंत्र मत)

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में आमजन की सहभागिता एवं विभिन्न विकास विभागों द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किए जा रहे हैं। जल संर्वधन अभियान का उद्देश्य पानी की बूंद-बूंद का संरक्षण करना है। अभियान के तहत जहां पुरानी जल संरचनाओं को पुनर्जीवन देने का कार्य किया जा रहा है। वहीं नई जल संरचनाओं का निर्माण भी किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने जयसिंहनगर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत कुबरा एवं झारा में किए जा रहे कंटूर निर्माण कार्य, रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा सोख पिट निर्माण कार्यों का

निरीक्षण किया। उन्होने कहा कि सीटीआर निर्माण से वर्षा जल को रोकने, मिटटी कटाव कम करने तथा भू जल स्तर में बढ़ोत्तरी होगी। जल बहाव कम होने से सूखे क्षेत्र में नमी बनी रहेगी। जिससे हरियाली एवं वन संरक्षण में मदद मिलेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शिवानी जैन, एपीओ मनरेगा अनुराग निगम तथा संबंधित क्षेत्र के उपयंत्री ग्राम पंचायत संरपंच एवं सचिव उपस्थित रहे।

संविधान और बाबा साहब के विचार भारतीयों के लिए सर्वोपरि : दामोदर यादव मंडल

कटंगी (स्वतंत्र मत)

तहसील मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर ग्राम नांदी में परम पूज्य डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर 6 फीट ऊंची डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दामोदर यादव मंडल (राष्ट्रीय अध्यक्ष, दलित पिछड़ा आदिवासी संगठन), कार्यक्रम अध्यक्ष एडवोकेट डॉ. संजय खोबरागड़े (जिला अध्यक्ष, बौद्ध संघ बालाघाट) रहे। वहीं इंजीनियर सत्येंद्र विद्रोही एवं एडवोकेट सुरेंद्र बारमाटे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रतिमा की स्थापना उपासिका अंजीरा मेश्राम द्वारा अपनी माता स्व. मनीबाई फकीरा की स्मृति में कर समाज को समर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत बुद्ध वंदना से हुई, जिसके बाद अतिथियों का स्वागत किया गया। इस दौरान शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए छात्रा आकांक्षा घोड़ेशवार और स्वाति मेश्राम को 21-21 हजार रुपये, शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंचीय उद्बोधन में अतिथियों ने बाबा साहब के विचारों को

समाज के उत्थान के लिए जरूरी बताया। मुख्य अतिथि दामोदर यादव मंडल ने कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है और इसे बचाने के लिए हर वर्ग को आगे आना होगा। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. संजय खोबरागड़े ने कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और उनके बिना देश का विकास संभव नहीं है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। रात में प्रबोधनकार फैजान ताज द्वारा कव्वाली की प्रस्तुति दी गई। आयोजन समिति के अध्यक्ष संतोष वासनिक ने आभार व्यक्त किया, जबकि मंच संचालन शैलेश शैल ने किया।

अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई

बालाघाट। खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत किरनापुर क्षेत्र में संयुक्त कार्रवाई की गई। उप संचालक खनिज प्रशासन के मार्गदर्शन में खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल एवं थाना प्रभारी किरनापुर की टीम ने रात्रि में जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान किरनापुर में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन चालक रमेश पाँचे, पिता सुकचरण पाँचे, निवासी वार्ड नंबर 01, किरनापुर, तहसील किरनापुर, जिला बालाघाट पाया गया।अधिकारियों ने वाहन को रेत सहित जप्त कर थाना किरनापुर की अभिरक्षा में रख दिया है। संबंधित वाहन के विरुद्ध मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

घर में घुसकर महिला से मारपीट, शराबबंदी विवाद में बढ़ा तनाव

लामता। लामता तहसील अंतर्गत ग्राम डोंगरबोड़ी में शराबबंदी को लेकर चल रहे विवाद ने उग्र रूप ले लिया। गांव की एक महिला पर घर में घुसकर वृद्ध महिला के साथ लात-घूंसों से मारपीट करने का आरोप लगा है। घटना के बाद आक्रोशित महिला समूह की सदस्याएं पीड़िता को लेकर थाना लामता पहुंचीं और आरोपी महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार, गांव की पार्वती महिला समूह की महिलाओं ने दो माह पूर्व बैठक कर गांव में कच्ची शराब बनाने एवं बेचने पर रोक लगाने का निर्णय लिया था। इसके बावजूद कुछ परिवारों द्वारा अवैध रूप से शराब बनाने और बेचने का कार्य जारी रखा गया। महिला समूह ने कई बार समझाइश भी दी, लेकिन आरोप है कि फूलवंता सिरसाम द्वारा शराब बनाना बंद नहीं किया गया। महिलाओं का कहना है कि 14 अप्रैल को समूह की महिलाओं ने पुनः शराब बनाने का विरोध किया था। इसी बात से नाराज होकर आरोपी महिला ने पीड़िता के घर में घुसकर गाली-गलौज की और लात-घूंसों से मारपीट कर दी। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया है। महिला समूह ने प्रशासन से अवैध शराब कारोबार पर सख्त कार्रवाई करने और आरोपी महिला पर कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिले में संबल 2.0 योजना के तहत 315 हितग्राहियों को 6.66 करोड़ की अनुग्रह सहायता

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल 2.0) योजना के अंतर्गत गुरुवार 30 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास से सिंगल क्लिक के माध्यम से अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया। इस दौरान डिंडौरी जिले के कुल 315 हितग्राहियों को 6 करोड़ 66 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। योजना के तहत विभिन्न जनपद पंचायतों में हितग्राहियों को राशि

वितरित की गई। जनपद पंचायत बजाग के 55 हितग्राहियों को 1 करोड़ 22 लाख रुपए, डिंडौरी के 33 हितग्राहियों को 70 लाख रुपए, करंजिया के 79 हितग्राहियों को 1 करोड़ 62 लाख रुपए तथा समनापुर के 49 हितग्राहियों को 1 करोड़ 10 लाख रुपए की सहायता दी गई। इसी प्रकार अमरपुर के 51 हितग्राहियों को 1 करोड़ 6 लाख रुपए प्रदान किए

गए। वहीं मेहंदवानी के 23 हितग्राहियों को 46 लाख रुपए, शहपुरा के 15 हितग्राहियों को 30 लाख रुपए, नगर परिषद डिंडौरी के 3 हितग्राहियों को 6 लाख रुपए और नगर परिषद शहपुरा के 7 हितग्राहियों को 14 लाख रुपए की अनुग्रह सहायता राशि वितरित की गई। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल 2.0) योजना के माध्यम से असंगठित श्रमिकों और पात्र परिवारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। समय पर आर्थिक सहायता मिलने से जरूरतमंद परिवारों को बड़ी राहत मिल रही है और उनका जीवन स्तर बेहतर हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया, डिप्टी कलेक्टर प्रांयशी जैन, श्रम निरीक्षक निराज तेकाम, जनसंपर्क अधिकारी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

वसूली के फेर में अटका गरीबों का अनाज भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी राशन वितरण प्रणाली

माल पहुंचाने राशन दुकान संचालकों से अलग से रूपए मांग रहे सप्लायर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संस्कारधानी की सार्वजनिक वितरण प्रणाली इन दिनों भ्रष्टाचार और अव्यवस्था की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। प्रशासन ने शहर की अधिकांश राशन दुकानों से मई और जून माह का एकमुश्त राशन वितरण करने के आदेश तो जारी कर दिए हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अधिकांश दुकानों तक अभी अनाज पहुंचा ही नहीं है। इस देरी के पीछे सप्लायरों की कथित मनमानी रवैया सामने आया है, जिससे न केवल राशन दुकान संचालक परेशान हैं, बल्कि कार्ड धारकों के बीच अराजकता की स्थिति बनी हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, राशन दुकानों तक माल पहुंचाने की जिम्मेदारी जिन सप्लायरों के कंधों पर है, वे अब दुकान संचालकों से माल की डिलीवरी के बदले कुछ रुपयों की मांग कर रहे हैं। कुछ दुकानदारों ने मजबूरी में सप्लायरों की डिमांड पूरी कर दी। जिन संचालकों ने

'सुविधा शुल्क' चुकाया है, उनका माल तो पहुंच रहा है, लेकिन वह भी सीधे मंडी से आने के बजाय सिहोरा और पाटन जैसे दूरदराज के इलाकों से मंगाया जा रहा है। वहीं, जिन दुकानदारों ने रुपये देने से हीलाहवाली की है , उन्हें 'पुराना या घटिया' माल थमाने का डर दिखाया जा रहा है।

खाली हाथ लौट रहे गरीब

मई का महीना शुरू हो गया है और प्रशासनिक आदेश के बाद गरीब तबके के लोग राशन दुकानों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। मई के साथ जून का भी का कोटा एक साथ मिलना है, ऐसे में सरकारी उचित मूल्य की दुकानों में राशन नहीं पहुंचने से वार्डों में तनाव और अराजकता जैसी स्थिति बन गई है। जब माल पहुंचाने का टेंडर सप्लायर के पास है और सरकार उसे भुगतान करती है, तो फिर दुकानों तक अनाज क्यों नहीं पहुंच पा रहा है। दुकान संचालकों के बीच भय का माहौल है और राशन कार्ड धारकों का सब्र टूट रहा है। यदि जल्द ही प्रशासन ने हस्तक्षेप कर सप्लायरों से पारदर्शी तरीके से माल की सप्लाई सुनिश्चित नहीं की, तो शहर में राशन वितरण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है।

खेल भावना और अनुशासन की शपथ के साथ खेल प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खेल भावना, नियम, अनुशासन, समय की पाबंदी और प्रशिक्षकों के प्रति सम्मान के संकल्प के साथ आज एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का औपचारिक शुभारंभ हो गया। पाण्डुताल मैदान में आयोजित इस शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक एवं परिषद के महासचिव एफ.के. मेश्राम ने किया। उद्घाटन अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री मेश्राम ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल खेलों का प्रशिक्षण देना मात्र नहीं है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक नया मार्ग खोलना है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस शिविर के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व को एक नया आयाम मिलेगा। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि यह शिविर सामाजिक सरोकार का हिस्सा है, जिसमें विद्युत परिवार के बच्चों के साथ-साथ शहर के अन्य क्षेत्रों के बच्चे भी शामिल हो रहे हैं।

13 खेलों में निखरेंगी प्रतिभाएं- नगर के सबसे बड़े ग्रीष्मकालीन शिविरों में अपनी पहचान बना चुके इस कार्यक्रम में कुल 13 खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, वॉलीबॉल, कुश्ती, शारीरिक फिटनेस, ताइक्वांडो, शूटिंग, एरोबिक्स, स्केटिंग और योग शामिल हैं। परिषद के वरिष्ठ खिलाड़ी और अनुभवी प्रशिक्षक बच्चों को खेल की बारीकियां सिखाएंगे। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ क्रिकेट खिलाड़ी अनिल शर्मा ने सभी सहभागी बच्चों को खेल भावना और अनुशासन की शपथ दिलाई। इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारी महेश चंद बालोधी, आलोक श्रीवास्तव, देवेंद्र चढ़ोकर, दीपक निगम सहित विभिन्न खेलों के प्रभारी व प्रशिक्षक उपस्थित थे।

एपीएन ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स में समर कैंप का शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एपीएन ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु आयोजित ''समर कैंप'' का शुभारंभ उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्था के अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के पश्चात् गुब्बारे छोड़कर किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष ने कहा कि समर कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारना तथा उन्हें खेल, कला, संगीत, योग, क्रिकेट, फुटबॉल, स्केटिंग, कर्सिव राइटिग, टेबल टेनिस, स्पोकन इंग्लिश, आर्ट एण्ड क्राफ्ट एवं व्यक्तित्व विकास जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नई सीख प्रदान करना है। समर कैंप के प्रथम दिवस विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की तथा विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कायक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए समर कैंप के सफल संचालन की कामना की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संस्था सह प्रबंधक मयंक श्रीवास्तव महाविद्यालय रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. सोनल खरे, स्टेट बोर्ड प्राचार्य अजय वर्मा, सीबीएसई प्राचार्य करन खुराना सहित मनु श्रीवास्तव, डॉ. वरिमा नागपाल , पार्षद अमरचन्द बावरिया सहित शिक्षक/शिक्षकायें उपस्थित रहे। मंच का संचालन ऐश्वर्या सिधाना द्वारा किया गया।

बरगी डैम हादसे के मृतकों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

एडवोकेट्स सोशल एंड वेलफेयर एसोसिएशन ने आयोजित की श्रद्धांजलि सभा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरगी डैम में हुई हृदय विदारक घटना ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करने के लिए एडवोकेट्स सोशल एंड वेलफेयर एसोसिएशन जबलपुर के तत्वावधान में अधिवक्ताओं और आम नागरिकों ने शोक सभा का आयोजन किया।

अधिवक्ता एवं समाजसेवी आशीष ठाकुर ने बताया कि विगत दिनों बरगी में एक बड़ा और दुखद हादसा हुआ, जहाँ अचानक आए तेज आंधी-तूफान के कारण पर्यटकों से भरा क्रूज अनियंत्रित होकर पलट गया। पानी में उठी ऊंची लहरों के कारण क्रूज का संतुलन बिगड़ गया और वह खमरिया टापू के पास डूब गया। इस दर्दनाक हादसे में 10 से अधिक लोगों की असमय मृत्यु हो गई। हृदय विदारक घटना में दिवंगतों को श्रद्धांजलि देने के लिए सिविक सेंटर से वंदे मातरम चौक तक कैंडल मार्च निकाला गया। इस दौरान वंदे मातरम चौक पर सभी उपस्थित जनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

प्रशासनिक व्यवस्था पर उठाए सवाल- शोक व्यक्त करते

हुए एड. आशीष ठाकुर ने शासन द्वारा दी जाने वाली राहत राशि पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महज 4 लाख रुपये की सहायता से पीड़ित परिवारों की क्षति पूर्ति नहीं हो सकती। उन्होंने जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए कहा कि कुछ समय पूर्व मथुरा में भी ऐसी ही घटना हुई थी, इसके बावजूद प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए? यह घटना साफ तौर पर प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है।

इनकी रही उपस्थिति

इस दौरान एडवोकेट्स सोशल एंड वेलफेयर एसोसिएशन जबलपुर के अध्यक्ष एड. सतेन्द्र पाण्डेय, एड. आशीष ठाकुर, दिलीप तिवारी, एड. हर्ष सोनी, एड. संजय कुशवाहा, शिवा पटेल, एड. सचिन स्वामी, एड. शुभम कुशवाहा, एड. रजनीश झा, एड. प्रभात यादव, एड. अमर गुप्ता, एड. अतुल पटेल, अमन पटेल, शैलू पटेल, एड. नितिन तिवारी, अजय बेन, सुरेश पाठक, चंदन बेन सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

माहेश्वरी महिला मण्डल ने किया प्याऊ का शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। माहेश्वरी महिला मण्डल के तत्वावधान में निर्मलाजी जेठा से मिली प्रेरणा के फलस्वरूप कृष्णा हाइट्स, गौरीघाट रोड पर एक प्याऊ का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस पुनीत कार्य से मां नर्मदा के दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे वे अपनी प्यास बुझा सकेंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष अर्चना माहेश्वरी, सचिव अनीता जेठा, श्रीमती निर्मला जेठा, मधु सुरजन, दीप्ति जेठा, सविता माहेश्वरी, नेहा जेठा, तृप्ति चांडक, तारा जेठा, गीता जेठा, नीमा भूतड़ा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहीं। उक्त जानकारी प्रचार सचिव निधि भट्टर एवं पूजा माहेश्वरी द्वारा प्रदान की गई।

तोप गाड़ी निर्माणी के कर्मचारियों ने मनाया मजदूर दिवस, दी श्रद्धांजलि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मजदूर दिवस के अवसर पर तोप गाड़ी निर्माणी के कर्मचारियों द्वारा अमर बलिदानियों को याद कर उन्हें श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। इस संबंध में मीडिया प्रमुख उत्तम विश्वास ने बताया कि एक मई सुबह से ही कर्मचारियों का हुजूम जीसीएफ सतपुला स्थित यूनियन के मंच में जमा होने लगा कर्मचारियों का हौसला परचम में था । कार्यक्रम की अध्यक्षता मजदूर संघ हथौड़ा जीसीएफ के अध्यक्ष विनय गुप्ता एवं महामंत्री रोहित यादव ने की। कार्यक्रम की शुरुआत वाहन रैली के रूप में

सतपुला मंच से विद्यानगर एवं न्यू कॉलोनी से होते हुए यूनियन मंच में खत्म हुआ जहां कर्मचारियों को कार्य समिति सचिव अमित चंदेल ने अपने भाषण में कहा कि यह दिन मजदूर और श्रमिक वर्ग के योगदान अधिकारों और उनके संघर्षों को सम्मान देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। वरिष्ठ कार्य समिति सदस्य राजा पांडे ने कहा कि 19 वीं शदी में अमेरिका एवं यूरोप में मजदूरों से 12 से 16 घंटे तक मेहनत कराया जाता था इसके खिलाफ 8 घंटे कार्य बेहतर वेतन ज्यादा अधिकारों की मांग को लेकर 1 में 1886 को शिकागो में बड़ी हड़ताल एवं आंदोलन हुआ इस आंदोलन और उसके बाद के बलिदान को याद करते हुए 1889 से 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाने लगा भारत में पहली बार 1 मई 1923 को मद्रास चेन्नई में मनाया जाने लगा इसके पश्चात मंच से मजदूर संघ हथौड़ा के पदाधिकारी द्वारा नारे लगाए गए। कार्यक्रम में मजदूर संघ हथौड़ा यूनियन के सभी पदाधिकारी एवं कार्य समिति सदस्य के साथ दीप विश्वकर्मा, रविकांत, युवराज, संतु पाल, मोहित, रवि अन्ना, अमित शाह आदि उपस्थित रहे।

विकास में पसीना बहाने वाला मजदूर आज भी दो वक्त की रोटी के लिए संघर्षरत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मजदूर दिवस के अवसर पर मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन द्वारा समाज के सबसे कमजोर वर्ग के पल्लेदारों, हम्मालों, हाथठेला चलाने वालों और रिक्शा चालकों के सम्मान में एक विशेष अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान फेडरेशन ने विकास की नींव रखने वाले इन श्रमिकों के योगदान को सराहा। समारोह को संबोधित करते हुए फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी.पी. पाठक ने कहा कि देश की प्रगति में सबसे अहम भूमिका निभाने वाला मजदूर वर्ग आज भी शोषण का शिकार है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जो श्रमिक अपने खून-पसीने से देश को संवारता है, वह स्वयं आज भी बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। दो वक्त की रोटी के लिए मजदूर को आज भी कड़ा संघर्ष करना पड़ता है, जो समाज और नीति निर्धारकों के लिए मंथन का विषय है। कार्यक्रम का संचालन दिनेश दुबे ने किया और आभार प्रदर्शन मोहित पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजेश मिश्रा, राहुल अग्रहरि, मनोज पाठक, योगेश पटेल, बी.एम. तिवारी, देवेश श्रीवास्तव, रंजीत वर्मा, संजय सिंह, शिरीष अग्रवाल और प्रशांत सोनी सहित बड़ी संख्या में फेडरेशन के सदस्य और व्यापारी संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैसाख पूर्णिमा पर 502वीं नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से प्रत्येक माह की पूर्णिमा को पंचकोशी निकाली जाती है। ज्ञात हो सैकड़ो वर्षों से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा चैत्र पूर्णिमा पर सुबह 502 वी परिक्रमा संचालक भगवान श्री हनुमानजी महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति में धोड़ी शेर भालु नृत्य करते डोल की धुन में नर्मदा भक्त हाथों में भगवा ध्वज लेते हुए संकीर्तन मंडलियों के साथ कई चरणों में हनुमान जी महाराज का गुणगान करते हुए निकली। परिक्रमा का नेतृत्व संघ के वरिष्ठ प्रचारक गोरेलालजी भारतीय किसान संघ के संगठन मंत्री तुलाराम संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा साध्वी शीला मुनि उदासीन ने किया दान सिंग मास्टर ने जादू दिखाकर मनोरंजन किया। आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्रदास महाराज ने परिक्रमा वासियों को बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण किया गया। नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल ने बताया परिक्रमा बेनगंगा पुल से प्रारंभ होकर 64 योगिनी पंचवटी धुआंधार लमेटा घाट से नाव पार कर शनि मंदिर डुडुवाड़ा इमलिया न्यू भेड़ाघाट होते हुए सरस्वती घाट में नाव पार कर आश्रम में विशाल भंडारे के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल, संरक्षक सुषमाशंकर पटेल, सह संकीर्तनाचार्य श्याम मनोहर पटेल, मीना पटेल, संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

पमरे से गुजरने वाली कई ट्रेनों के मार्ग में हुआ परिवर्तन

जौनपुर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के चलते लिया गया फैसला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

यात्रियों की सुविधा, संरक्षा एवं बेहतर परिचालन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल अंतर्गत जौनपुर जंक्शन स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य किया जा रहा है। यह कार्य 04 मई 2026 से 27 मई 2026 तक कुल 24 दिनों तक चरणबद्ध रूप से सम्पन्न होगा। इस कार्य के कारण पश्चिम मध्य रेलवे से होकर संचालित की जाने वाली कुछ गाड़ियों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। गाड़ी संख्या 19051 वलसाड़-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, दिनांक 16, 23 मई को परिवर्तित मार्ग जियोनाथपुर-वाराणसी जंक्शन-वाराणसी सिटी-औंड़िहार जंक्शन। गाड़ी संख्या 19052 मुजफ्फरपुर-वलसाड़ एक्सप्रेस दिनांक 18, 25 मई को परिवर्तित मार्ग औंड़िहार जंक्शन-वाराणसी सिटी-वाराणसी जंक्शन-जियोनाथपुर। गाड़ी संख्या 11056 गोरखपुर-एलटीटी गोदान एक्सप्रेस, दिनांक 13, 15, 17, 19, 20, 22, 24, 26, 27 मई को परिवर्तित मार्ग शाहगंज जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन-सुलतानपुर जंक्शन-मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन-फाफा मऊ जंक्शन। गाड़ी संख्या 11060 छपरा-एलटीटी एक्सप्रेस, दिनांक 14, 16, 18, 21, 23, 25 मई को परिवर्तित मार्ग शाहगंज जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन-सुलतानपुर जंक्शन-मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन-फाफा मऊ जंक्शन। गाड़ी संख्या 11055 एलटीटी-गोरखपुर गोदान

एक्सप्रेस, दिनांक 13, 15, 17, 18, 20, 22, 24, 25 मई को परिवर्तित मार्ग फाफा मऊ जंक्शन-मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन-शाहगंज जंक्शन।

इन गाड़ियों का भी मार्ग रहेगा परिवर्तित

गाड़ी संख्या 11059 एलटीटी-छपरा एक्सप्रेस, दिनांक 12, 14, 16, 19, 21, 23, 26 मई को परिवर्तित मार्ग फाफा मऊ जंक्शन-मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन-शाहगंज जंक्शन। गाड़ी संख्या 19045 सूरत-थावे तासी गंगा एक्सप्रेस, दिनांक 03, 04, 06, 07, 08, 10, 11, 13, 14, 15, 17, 18, 20, 21, 22, 24, 25 मई को परिवर्तित मार्ग ओहन केबिन-कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज जंक्शन-सुलतानपुर जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन-शाहगंज जंक्शन। गाड़ी संख्या 19046 थावे-सूरत तासी गंगा एक्सप्रेस, दिनांक 13, 15, 16, 17, 19, 20, 22, 23, 24, 26, 27 मई को परिवर्तित मार्ग शाहगंज जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन-सुलतानपुर जंक्शन-प्रयागराज जंक्शन-कानपुर सेंट्रल-ओहन केबिन। गाड़ी संख्या 19321 इंदौर-पटना एक्सप्रेस, दिनांक 09, 16, 23 मई को परिवर्तित मार्ग लखनऊ-सुलतानपुर जंक्शन-जफराबाद जंक्शन। गाड़ी संख्या 22103 लोकमान्य तिलक-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस, दिनांक 18, 25 मई को परिवर्तित मार्ग फाफा मऊ जंक्शन-माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन-सुलतानपुर जंक्शन-अयोध्या कैन्ट जंक्शन। गाड़ी संख्या 15231 बरौनी-गोंदिया एक्सप्रेस, दिनांक 13 मई से 27 मई तक परिवर्तित मार्ग औंड़िहार जंक्शन-वाराणसी सिटी-वाराणसी जंक्शन-बनारस-प्रयागराज जंक्शन-मानिकपुर जंक्शन। गाड़ी संख्या 15232 गोंदिया-बरौनी एक्सप्रेस, दिनाँक 12 मई से 26 मई तक परिवर्तित मार्ग मानिकपुर जंक्शन-प्रयागराज जंक्शन-बनारस-वाराणसी जंक्शन-वाराणसी सिटी-औंड़िहार जंक्शन। गाड़ी संख्या 11081 एलटीटी-गोरखपुर एक्सप्रेस, दिनाक 13 एवं 20 मई को परिवर्तित मार्ग जियोनाथपुर-वाराणसी जंक्शन-वाराणसी सिटी-औंड़िहार जंक्शन। गाड़ी संख्या 11082 गोरखपुर-एलटीटी एक्सप्रेस, दिनाँक 15 एवं 22 मई को परिवर्तित मार्ग औंड़िहार जंक्शन-वाराणसी सिटी-वाराणसी जंक्शन-जियोनाथपुर।

अनोखा विरोधः अब गांधीगिरी पर उतरी महिलायें

शराबियों को फूल माला पहनाकर महिलाओं ने जताया रोष

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

शहर मुख्यालय के वार्ड नंबर 12 में शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर महिलाओं का आंदोलन अब एक बेहद दिलचस्प मोड़ पर पहुँच गया है। पिछले 20-22 दिनों से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठी इन महिलाओं ने अब विरोध का अपना पारंपरिक तरीका बदलकर चांधीगिरीज का रास्ता अपना लिया है।

दरअसल, महिलाओ का विरोध करने का यह ट्रेड अब दिलचस्प होता जा रहा है। लगातार उपेक्षा और प्रशासन की बेरुखी से नाराज महिलाओं ने शराब दुकान आने वाले च्सुरा प्रेमियोंज का ना तो रास्ता रोका, ना ही उनसे झूमा-झपटी की। बल्कि से उनका फूलों से स्वागत किया और उन्हें मालाएं पहनाईं। महिलाओं का उद्देश्य है कि इस अनूठे प्रदर्शन के जरिए शराबियों को उनकी सेहत के प्रति जागरूक करना और महिलाओं की पीड़ा का एहसास कराना है। आंदोलनकारी महिलाओं ने बताया कि कई लोग शराब खरीदने के लिए अजीबो-गरीब बहाने बनाते हैं। कोई चाय पीने की बात कहता है, कोई लस्सी का बहाना बनाता है,

बूढ़ी शराब दुकान हटाने संघर्षरत् महिलाओं को पूर्व सांसद मुंजारे ने दिया समर्थन

तो कोई किसी से मिलने के नाम पर दुकान के अंदर दाखिल होता है। महिलाओं ने कहा कि शायद फूल देकर उन्हें यह समझाने में मदद मिले कि शराब उनके परिवार और समाज के लिए कितनी घातक है?

आपको बतादे कि पिछले 20-22 दिनों में बूढी वार्ड से शराबियों और महिलाओं के बीच कई बार तीखी झड़पें और विवाद के वीडियो सामने आ चुके हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों ने अब तक इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया है, जिससे क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। अब महिलायें गांधीगिरी तरिके से अपना प्रदर्शन कर रही है और लोगो को फूलमाला व फुल देकर उनका स्वागत कर रही है और उन्हे समझाईश दे रही है।

इधर, प्रदर्शनरत् महिलाओं के संघर्ष को समर्थन देने पूर्व सांसद कंकर मुंजारे भी मौके पर पहुँचे। उन्होंने महिलाओं के इस शांतिपूर्ण व प्रभावशाली विरोध का पुरजोर समर्थन किया। मुंजारे ने प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता की जायज मांगों को नजर अंदाज करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की मांग जायज है, इन्हे बीजेपी का समर्थन मिल रहा हैं और सरकार भी है तो निराकरण कर देना चाहिए। अब इन महिलाओं को विरोध प्रदर्शन करने की आवश्यकता नहीं पढ़नी चाहिए। भाजपा की नगरपालिका अध्यक्ष और अन्य नेताओं का भी इन विरोध कर रही महिलाओं को समर्थन है, बीजेपी की सांसद भी है, उन्हें भी इस शराब दुकान का समाधान करना चाहिए, जैसा मोती नगर से शराब दुकान हटाई गई है वैसे ही बूढ़ी शराब दुकान भी हटा देना चाहिए। इनसे भेदभाव किया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि महिलाओं का यह च्फूलों वाला प्रहारज प्रशासन की नींद उड़ा पाता है या नहीं...!

कलेक्टर ने विभागों के खंडस्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ली बैठक

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर मृणाल मीना ने 01 मई को जनपद पंचायत कार्यालय सभाकक्ष लालबर्रा में सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

बैठक में सर्वप्रथम लालबर्रा ब्लाक में कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन एवं उनके उपचार की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने कम प्रगति वाले सेक्टर की पर्यवेक्षक एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता से वन-टू-वन चर्चा की और निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र के एसएएम श्रेणी के बच्चों को चिन्हित कर उनका उपचार करायें और उन्हें कुपोषण से मुक्त कराने के लिए काम करें। इसी प्रकार एमएएम श्रेणी के बच्चों को भी चिन्हित करने कहा गया। उन्होंने बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों को अपने क्षेत्र के आंगनवाड़ी केन्द्रों का सतत भ्रमण करने एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के काम पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिये।

उन्होंने कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन एवं उनके उपचार में लापरवाही बरतने वाली पर्यवेक्षक एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता पर कार्यवाही करने कहा। समीक्षा के दौरान पाया गया कि नैतरा सेक्टर की आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक भारती मेश्राम के सेक्टर में कुछ कार्यकर्तृता द्वारा पोषण ट्रेकर एप्प पर गलत आकड़े दर्ज किये गये हैं, जिसके कारण जिले की प्रगति प्रभावित हो रही है। कलेक्टर मीना ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की और पर्यवेक्षक भारती मेश्राम की एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिये। उन्होंने सख्त निर्देश दिये कि 03 से 06 वर्ष आयु का कोई भी बच्चा पोषण ट्रेकर एप्प पर पंजीयन से नहीं छूटना चाहिए। उन्होंने 03 से 06 वर्ष आयु के सभी बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा के लिए प्राथमिक शालाओं में पंजीयन कराने के निर्देश दिये।

स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान गर्भवती माताओं की एएनसी के लिए अनमोल पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिये गये। अनमोल पोर्टल पर गत वर्ष की तुलना में कम पंजीयन वाली सीएचओ एवं एएनएम के विरूद्ध कार्यवाही की चेतावनी दी गई। मानपुर, गर्रा, पाथरसाही एवं लेंडेझरी में गर्भवती माताओं का पंजीयन कम पाये जाने पर इन केन्द्रों की सीएचओ एवं एएनएम पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। गर्भवती माताओं का संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने एवं घर पर प्रसव नहीं होने देने के निर्देश दिये गये। समीक्षा के दौरान पाया गया कि सीएचओ एवं एएनएम द्वारा अपने कार्यस्थल पर न जाकर सार्थक एप्प पर घर बैठे ही हाजरी लगाई जा रही है। इस स्थिति पर कलेक्टर मीना ने नाराजगी जाहिर की और सख्त निर्देश दिये कि स्वास्थ्य केन्द्र पर न जाकर घर बैठे हाजरी लगाने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के सभी सीएचओ, एएनएम एवं अन्य कर्मचारियों को वेतन का भुगतान सार्थक एप्प की हाजरी के आधार पर ही किया जायेगा।

पंचायत में नौकरी का झांसा देकर महिला से 1.28 लाख की ठगी

न्यायालय ने आरोपी को सुनाई 5 साल की सजा

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

पंचायत में कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी दिलाने का झांसा देकर महिला से 1.28 लाख रुपये की ठगी करने वाले आरोपी अंतेश्वर पिता रामेश्वर मसकरे 33 वर्ष मरारी मोहल्ला भरवेली को सत्र अदालत ने 5 वर्ष के सश्रम कारावास और 1 लाख रुपये जुर्माने की 30 अप्रैल की शाम 6 बजे करीब सजा सुनाई है। जुमार्ना नहीं भरने पर अतिरिक्त सजा भुगतने के निर्देश भी दिए गए हैं। वहीं आरोपी को पुलिस ने देर शाम को जेल भेज दिया गया हैं।

अभियोजन के अनुसार वर्ष 2024 में पॉलिटेक्निक पास पीड़िता नौकरी की तलाश कर रही थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात अंतेश्वर मसकरे से हुई, जिसने खुद को जनपद पंचायत का कर्मचारी बताया। उसने पहले श्रमिक कार्ड बनवाने के नाम पर दस्तावेज और 2 हजार रुपये लिए, फिर पंचायत विभाग में कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी दिलाने का झांसा देकर अलग-अलग किश्तों में कुल 1.28 लाख रुपये वसूल लिए।

3 नवंबर 2024 को आरोपी ने महिला को भोपाल बुलाकर ट्रेनिंग का बहाना बनाया। महिला 40 हजार रुपये लेकर वहां पहुंची, जहां आरोपी उसे होटल ले गया। आरोप है कि उसने नौकरी के बदले शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया और चार दिन तक उसका शोषण किया तथा धमकाया भी। इसके बाद 8 नवंबर को वह महिला को वापस बालाघाट छोड़ गया। डर के कारण महिला ने पहले किसी को नहीं बताया, लेकिन 22 नवंबर 2024 को पति को जानकारी देकर महिला थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई। महिला पुलिस थाने में आरोपी अंतेश्वर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं 318(4), 127(3), 64(2)(एम), 69, 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर इस मामल में उसे गिरफ्तार किया था। मामला सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत में चला। सुनवाई के बाद अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

कलेक्टर मृणाल मीना ने लालबर्रा एवं वारासिवनी के गेहूं खरीदी केन्द्रों का किया निरीक्षण

किसानों से चर्चा कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा, सुधार के दिए निर्देश

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर मृणाल मीना ने आज लालबर्रा एवं वारासिवनी क्षेत्र में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए स्थापित केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेहूं विक्रय के लिए पहुंचे किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के निर्देश दिए। कलेक्टर ने लालबर्रा खरीदी केन्द्र में किसानों के लिए छाया एवं बैठने की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी को देखते हुए टेंट का विस्तार किया जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने केन्द्र पर तौल कांटों की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कहा कि गेहूं की तौल में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लालबर्रा वेयरहाउस स्थित खरीदी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों की समस्याएं भी सुनीं। कुछ किसानों ने बताया कि सेटेलाइट सर्वे में उनके गेहूं के रकबे को कम दशार्या गया है, जिससे उन्हें पूरी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने में कठिनाई हो सकती है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने स्पष्ट किया कि सेटेलाइट सर्वे से फसल की सटीक जानकारी प्राप्त होती है, लेकिन यदि किसी किसान का रकबा कम दर्ज हुआ है तो पटवारी द्वारा मौके पर जांच कराकर समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने गेहूं विक्रय के लिए अपना पंजीयन कराया है वे 23 मई तक स्लाट बुक करा लें। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदी केन्द्रों पर सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हों और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

हाई स्कूल एवं हायर सकेण्डरी कि व्दितीय परीक्षा हेतु कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त

उमरिया। माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल के पत्र परिपालन में उमरिया जिले में आयोजित हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 की गोपनीयता एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व केन्द्राध्यक्षों के साथ संबंधित थानों से प्रश्न-पत्र प्राप्त किये जाने से लेकर परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचाने तक के लिए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने अधिकारियों को कलेक्टर प्रतिनिधि नियुक्त किया है। उन्होने अधिकारियों/ कर्मचारियों से कहा है कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल के दिशा-निर्देशानुसार कार्य करना सुनिश्चित करें एवं परीक्षा केन्द्रो के केन्द्राध्यक्षों से समन्वय स्थापित कर निर्धारित समय सारणी अनुसार प्रातः 7.00 बजे संबंधित थानों में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

गाली गालौज करने पर मामला कायम

उमरिया। नौरोजाबाद थाना अंतर्गत आरोपी व्दारा फरियादी से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई। जानकारी अनुसार राजेश चौधरी पिता लल्ला राम चौधरी उम्र 45 साल कि शिकायत पर आरोपी जमुना यादव पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

दहेज की मांग को लेकर की गई मारपीट

उमरिया। नौरोजाबाद थाना अंतर्गत कस्बा नौरोजाबाद में दहेज की मांग को लेकर मारपीट की गई तथा घर मे रखे समान को तोड दिया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार रोजिया बानो पति मुस्तफा खान उम्र 35 साल कि शिकायत पर आरोपी मुस्तफा खान पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

ट्रक चालक पर मामला कायम

उमरिया । कोतवाली थाना अंतर्गत एन एच 43 शहडोल हाइवे रोड अमहा खेरमाता मंदिर के पास ट्रक चालक के व्दारा वाहन को लापरवाही पूर्वक चलाते हुए एक्सीडेंट कर दिया गया। घटना में समन बैगा पिता सुखराम बैगा उम्र 18 वर्ष , अभिशेक बैगा पिता बाबूलाल बैगा उम्र 19 वर्ष , शिवम बैगा पिता दादूराम बैगा उम्र 18 वर्ष सभी निवासी बरही थाना नौरोजाबाद कि मौत हो गई थी तथा छोटू बैगा पिता आशाराम बैगा उम्र 21 साल निवासी कंचनपुर घायल हुआ है। पुलिस ने ट्रक क्रमांक एमपी 20 जेडएच 7833 के चालक पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही हैं।

पुलिस अधीक्षक ने किया पांच हजार रूपये का ईनाम घोषित

उमरिया। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी ने थाना कोतवाली जिला उमरिया के अपराध क्रमांक 109/2026 धारा137 (2) बी एन एस अपहृता निवासी चंदिया कि गिरफ्तारी या दस्तयाबी पर उद्घोषणा कि है कि जो कोई व्यक्ति ऐसी सूचना देगा जिससे गिरफ्तारी या दस्ततयाबी संभव हो, उसे पांच हजार रूपये के ईनाम से पुरस्कृत किया जाएगा। इनाम वितरण के संबंध में पुलिस अधीक्षक उमरिया का अंतिम निर्णय होगा ।

बिना ताला टूटे स्कूल से कम्प्यूटर हुए चोरी

उमरिया। पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घुनघुटी से अज्ञात चोरों ने 4 कंप्यूटर पार कर दिए, लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जिस कमरे में कंप्यूटर रखे थे, उसका ताला टूटा हुआ नहीं मिला। इस पूरे मामले ने चोरी से ज्यादा अंदरूनी साजिश की आशंका को जन्म दे दिया है। मामला अपराध क्रमांक 190/26 के तहत धारा 305(ए) बीएनएस में दर्ज किया गया है। चोरी गए कंप्यूटरों की कुल कीमत लगभग 20 हजार रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार स्कूल में कुल 10 कंप्यूटर थे, जिनमें से 4 अचानक गायब मिले। विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि वह मूल्यांकन कार्य के लिए उमरिया गए हुए थे। चार दिन बाद जब स्कूल स्टाफ वापस लौटा और संबंधित कक्ष को खोला गया, तो वहां से 4 कंप्यूटर गायब थे। हैरानी की बात यह रही कि कमरे का ताला पूरी तरह सुरक्षित था, उसमें किसी प्रकार की तोड़फोड़ के निशान नहीं मिले।प्राचार्य के अनुसार, जैसे ही घटना की जानकारी मिली, वह तुरंत उमरिया से घुनघुटी पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई। इस घटना के बाद स्कूल स्टाफ और स्थानीय लोगों में भी चर्चा का माहौल है कि आखिर बिना ताला तोड़े चोरी कैसे हो गई। वहीं इस मामले में घुनघुटी चौकी प्रभारी विजय सेन ने बताया कि दीनदयाल सिंह जो स्कूल में कंप्यूटर ऑपरेटर हैं, उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब इस एंगल पर भी जांच कर रही है कि कहीं यह चोरी अंदर के किसी व्यक्ति की मिलीभगत से तो नहीं हुई। क्योंकि बिना ताला तोड़े इतनी आसानी से कंप्यूटर निकाल लेना कई सवाल खड़े करता है। आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ-साथ स्कूल स्टाफ से भी जानकारी जुटाई जा रही है। यह घटना एक बार फिर बताती है कि सरकारी संस्थानों में सुरक्षा के इंतजाम कितने कमजोर हैं। एमपी अजब है, सबसे गजब है की कहावत यहां एक बार फिर सटीक बैठती नजर आ रही है, जहां चोर ताला तोड़े बिना ही सामान ले उड़ते हैं और किसी को भनक तक नहीं लगती। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही इस रहस्यमयी चोरी का खुलासा हो सकेगा।

जनगणना 2027 के तहत मकान सूचीकरण का पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों द्वारा किया गया निरीक्षण

उमरिया। आगामी जनगणना के तहत जिले में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य निरंतर गति से जारी है। इस क्रम में नियुक्त पर्यवेक्षक एवं प्रगणक अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में भ्रमण कर मकानों का भौतिक सत्यापन और निरीक्षण कर रहे हैं।

जनगणना चार्ज नौरोजाबाद क्षेत्र में अनुविभागीय अधिकारी पाली मीनाक्षी इंगले, तहसीलदार नौरोजाबाद तथा चार्ज अधिकारी द्वारा मकान सूचीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पर्यवेक्षकों और प्रगणकों को जनगणना संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस तरह तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी ने ग्राम धनवाही मे मकानसूचीकरण के कार्य का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान टीम ने प्रत्येक मकान की स्थिति, उपयोग, परिवारों की संख्या सहित अन्य आवश्यक जानकारियों का संकलन किया। साथ ही यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी मकान सूचीकरण से छूटने न पाए। पर्यवेक्षकों ने प्रगणकों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित प्रारूप के अनुसार सही और अद्यतन जानकारी संकलित करें, ताकि जनगणना के आंकड़े सटीक और विश्वसनीय बन सकें।

कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि मकान सूचीकरण का कार्य 30 मई तक पूर्ण किया जाएगा। इस दौरान जिलेभर में हजारों अधिकारी और कर्मचारी घर-घर जाकर मकान गणना सहित 33 प्रकार की आवश्यक जानकारियां एकत्र करेंगे। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय सहयोग करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर ने गेहूं खरीदी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

खरीदी केंद्रों में बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने पर जोर, किसान हित सर्वोपरि

उमरिय (स्वतंत्र मत)।

जिले में चल रही गेहूं खरीदी व्यवस्था को और अधिक किसान-हितैषी एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने मानपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बडेरी स्थित अन्नपूर्णा वेयरहाउस, सेवा सहकारी समिति मर्यादित ददरौड़ी, आदिम जाति सेवा सहकारी केंद्र गढ़पुरी तथा सेवा सहकारी केंद्र सिगुड़ी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रों पर उपस्थित किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव एवं अनुभवों की जानकारी ली।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं, बैठक व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, मौसम को देखते हुए तिरपाल की उपलब्धता तथा तौल कांटों की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान अन्नपूर्णा वेयरहाउस, ददरौड़ी में 1953 क्विंटल गेहूं खरीदी दर्ज पाई गई। यहां 12,500 बारदानों की उपलब्धता में से 3,906 का उपयोग किया जा चुका है तथा 290 स्लॉट बुकिंग दर्ज की गई। इसी प्रकार, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति गढ़पुरी में 27 किसानों से 500 क्विंटल गेहूं खरीदा गया है, जबकि 200 स्लॉट बुकिंग पाई गई।सेवा सहकारी समिति सिगुड़ी में अब तक 2078 क्विंटल गेहूं खरीदी की जा चुकी है।

निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि अवकाश की सूचना स्पष्ट रूप से प्रदर्शित न होने के कारण कुछ किसान गेहूं विक्रय हेतु केंद्र पर पहुंच गए थे। इस पर कलेक्टर ने संवेदनशीलता दिखाते हुए निर्देश दिए कि किसानों की सहमति से उनके गेहूं को सुरक्षित रूप से केंद्र पर रखवाया जाए तथा अगले खरीदी दिवस पर प्राथमिकता से खरीदी सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने खरीदी स्टॉक का भी निरीक्षण किया तथा सर्वेयर को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप ही गेहूं खरीदी की प्रक्रिया संपादित की जाए, जिससे किसानों को उचित मूल्य एवं पारदर्शी व्यवस्था मिल सके।

यह संपूर्ण कार्रवाई मध्यप्रदेश सरकार की किसान-हितैषी नीतियों और मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राज्य सरकार द्वारा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य, समय पर भुगतान तथा सुविधाजनक खरीदी व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिसका लाभ जिले के किसानों को प्रत्यक्ष रूप से मिल रहा है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी एवं जिला आपूर्ति अधिकारी रोहित सिंह भी उपस्थित रहे।

पारदी गैंग के शिकार बने सराफा व्यापारी को मिली राहत पुलिस ने 5 आरोपी सहित आधा करोड़ का माल किया जब्त

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिले के चर्चित पिंडरई बाजार सराफा चोरी कांड का आखिरकार पुलिस ने खुलासा कर लिया है। मंडला पुलिस ने त्वरित और सुनियोजित कार्रवाई करते हुए अंतर जिला स्तर पर सक्रिय पारदी गैंग के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण नगदी और घटना में प्रयुक्त वाहन सहित कुल 52 लाख 89 हजार 600 कीमत का मशरूका बरामद किया गया है। इस बड़ी सफलता के बाद पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली की सराहना की जा रही है। इस पूरे मामले में पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी नैनपुर के मार्गदर्शन में चौकी पिंडरई पुलिस ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस ने न सिर्फ आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की बल्कि चोरी की गई संपत्ति की लगभग शत-प्रतिशत बरामदगी कर एक मिसाल भी पेश की है।

घटना पांच दिन पहले की

प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 अप्रैल 2026 को फरियादी पवन कुमार सोनी निवासी कन्हरगांव ने चौकी पिंडरई में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह पिंडरई बाजार में अपनी सराफा दुकान लगाने आए थे। दुकान लगाने के दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके बैग पर हाथ साफ कर दिया जिसमें सोने चांदी के आभूषण नगदी गिरवी रजिस्टर और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए थे। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल विशेष टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए। पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मुखबिरों को सक्रिय किया और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की।

नाबालिक से कराई थी चोरी

जांच के दौरान यह सामने आया कि चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी सीहोर जिले के ग्राम लमटी राला पारदीपुरा क्षेत्र के निवासी हैं। ये आरोपी कंगन, चूड़ी और रुद्राक्ष बेचने के बहाने मंडला सिवनी और बालाघाट जिलों के ग्रामीण इलाकों और बाजारों में घूमते रहते थे। पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि आरोपी समनापुर-सांगवा क्षेत्र के बीच रेलवे लाइन के पास नाले किनारे अस्थायी डेरा डालकर रह रहे थे। योजना के तहत 25 अप्रैल को आरोपी पिंडरई बाजार पहुंचे। यहां उन्होंने बाजार में घूमकर रेकी की और एक दुकान के सामने रखे बैग में कीमती जेवर होने की जानकारी जुटाई। इसके बाद एक विधि से संघर्षरत बालक को आगे कर मौके का फायदा उठाते हुए बैग चोरी कर लिया गया। चोरी के बाद आरोपी मोटरसाइकिल और अल्टो कार से फरार होकर अपने डेरे पहुंच गए जहां उन्होंने चोरी किए गए सामान का आपस में बंटवारा कर लिया।

आरोपी के पास से बरामद माल

पुलिस ने लगातार दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनकी निशानदेही पर चोरी गया माल बरामद किया। बरामद सामग्री में 278 ग्राम 340 मिलीग्राम सोने के आभूषण कीमत 38,41,000, 5 किलो 492 ग्राम चांदी के आभूषण कीमत 10,98,600, एक अल्टो कार और टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल कीमत 3,20,000 तथा 30,000 नगद शामिल हैं। इस तरह कुल 52,89,600 का मशरूका बरामद किया गया है जो कि चोरी गई संपत्ति के लगभग बराबर है। इतनी बड़ी बरामदगी को पुलिस की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

पांच आरोपी हुए गिरफ्तार

पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें अपनू लाल पारदी, निरकेस और अरिसमिन शामिल हैं जो सीहोर जिले के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी हैं। इसके अलावा दो विधि से संघर्षरत बालक भी इस अपराध में शामिल पाए गए हैं जिनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

कार्यवाही में इनकी रही भूमिका

इस पूरे मामले के खुलासे में एसडीओपी मनीष राज के मार्गदर्शन में निरीक्षक बलदेव सिंह मुजाल्दा, उप निरीक्षक राजकुमार हिरकने विवेचक, उप निरीक्षक पुनीत वाजपेयी, सुरजीत परमार, जैनेंद्र उपराड़े, के.के. विश्वकर्मा, सहायक उप निरीक्षक जगदीश सैयाम सहित आरक्षक रंजीत उडाली, अक्षय भलावी, सुरेश भटेरे, विनोद उइके, ओमप्रकाश बघेल, सुधीर कुशराम और अवधेश पासी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही सीहोर जिला पुलिस ने भी आरोपियों की गिरफ्तारी में अहम सहयोग प्रदान किया। पुलिस टीम की इस सफलता को देखते हुए उच्च अधिकारियों ने सराहना की है।

अपराध के खुलासा में मिला सम्मान

इस चोरी कांड की पतारसी के लिए पुलिस उपमहानिरीक्षक द्वारा 20 हजार का इनाम घोषित किया गया था। अब जब पुलिस ने कम समय में अपराध का खुलासा कर शत-प्रतिशत बरामदगी कर ली है तो पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक द्वारा टीम को पुरस्कृत करने घोषणा की गई है। पिंडरई बाजार चोरी कांड का खुलासा न सिर्फ मंडला पुलिस की सक्रियता और दक्षता को दर्शाता है बल्कि यह भी साबित करता है कि योजनाबद्ध अपराध करने वाले गिरोहों पर पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है।

इस कार्रवाई से जहां व्यापारियों में विश्वास बढ़ा है वहीं अपराधियों में खौफ भी देखा जा रहा है। पुलिस ने आम नागरिकों और व्यापारियों से अपील की है कि वे बाजारों में सतर्क रहें अपने कीमती सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

एसडीएम को किसानों ने सौंपा ज्ञापन

मण्डला (स्वतंत्रमत)। बिनैका तिराहा में भारत कृषक समाज की बैठक आयोजित की गई बैठक में गेहूं खरीदी स्लाट बुकिंग सर्वर डाउन उपार्जन केन्द्रों में अव्यवस्था एवं भ्रष्टाचार मटियारी डेम की नहरों की मरम्मत फ़ौती नामांतरण विक्रय नामांतरण एवं अन्य प्रासंगिक विषयों पर व्यापक एवं गंभीर विचार विमर्श हुआ एवं एसडीएम के माध्यम से सरकार को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। बैठक में दूरस्थ ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में किसान एकत्रित हुए बैठक समाप्ति पश्चात किसानो ने रैली निकाल कर एसडीएम सोनल सिडाम ने शासकीय अवकाश के पश्चात किसानो के आग्रह पर कार्यालय पहुंचकर कर किसानों का ज्ञापन लिया एवं प्रतिनिधि मंडल से चर्चा कर समस्याओं के निराकरण की बात कही भारत कृषक समाज की बैठक अनूप मिश्रा संरक्षक भारत कृषक समाज की अध्यक्षता एवं रविन्द्र प्रताप सिंह एवं गणेश जसवानी के मुख्य आतिथ्य तथा श्रीमती राधा भलावी एवं श्याम लाल सिंगौर के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुई इस दौरान भूनेश्वर सिंगरौरे, नर्मदा ठाकुर भुवन ठाकुर, विजय ठाकुर, ब्रजेश ठाकुर पवन चौरसिया लखन ठाकुर, विमल पटेल, देवकरण पटेल, ज्ञानेंद्र पटेल माखन जंघेला सतीश खरे आदि उपस्थित रहे।

छात्रों का हुआ सम्मान

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। प्रतिभावान छात्र-छात्राओं शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां पर विधायक चैनसिंह वरकड़े, जनपद शिक्षा समिति अध्यक्ष शिवकुमार मिश्रा जनपद पंचायत अध्यक्ष गतसिंह भवेदी मुख्य कार्यपालन अधिकारी कवन रंधावा, जनपद सदस्य श्रवण कुमार परते,जनपद सदस्य बोधराम मरकाम, ग्राम सरपंच श्रीमती गुड्डी बाई भारतीया, अशोक अग्रवाल, इमरान खान द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय मोहगांव की छात्रा कुमारी फारिहा अंजुम को विकासखंड में कक्षा 12वीं में द्वितीय स्थान आने पर सम्मानित किया गया। जिसमें नारायण भवेदी एवं अनिल दुबे के द्वारा सम्मान और पुरस्कार प्राप्त किया गया।

मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में पालक-शिक्षक संघ के अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम ऐतिहासिक रहा। कक्षा 10वीं में कुल 218 विद्यार्थियों में से 31 ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए जबकि 201 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की। वहीं कक्षा 12वीं में 253 विद्यार्थियों में से 10 ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए तथा 236 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। विशेष रूप से 130 विद्यार्थियों का चयन मुख्यमंत्री लैपटॉप योजना के लिए हुआ।

कांग्रेस जिला समन्वय समिति की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में संगठनात्मक गतिविधियों को सशक्त और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी कार्ययोजना संगठन विस्तार और भविष्य की रणनीतियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान कई अहम बिंदुओं पर विचार-विमर्श हुआ। इनमें ब्लॉक कमेटियों और मंडलम कमेटियों के गठन की प्रगति की समीक्षा की गई साथ ही बीएलए-2 के गठन की वर्तमान स्थिति पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा जिले में समन्वय समिति के अंतर्गत अनुशासन समिति के गठन की आवश्यकता पर जोर दिया गया। विभिन्न प्रकोष्ठों एवं विभागों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में नव नियुक्त जिला कांग्रेस

कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने का आव्हान किया गया।

इस दौरान जिला संगठन प्रभारी जगदीश सैनी, मंडला विधानसभा के प्रभारी सैयद अली ताहीर अली, निवास विधानसभा प्रभारी राकेश तिवारी, संगठन महामंत्री राजेंद्र राजपूत, पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री देवेंद्र टेकाम, पूर्व जिला अध्यक्ष सत्यनारायण खंडेलवाल, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता गुलाब उइके, अमित शुक्ला, सुकीर्ति भूषण, युवा कांग्रेस अध्यक्ष संजू अहीरवार, एनएसयूआई अध्यक्ष सौरभ साहू, राधा गुप्ता सहित समन्वय समिति के सदस्य, नव नियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्य, नगर एवं ब्लॉक अध्यक्ष तथा अन्य आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि वार्ड एवं पंचायत स्तर पर समितियों के सत्यापन वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाएगी।

मजदूर दिवस पर हुए कार्यक्रम

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)।

मनेरी औद्योगिक क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं निवास के पूर्व विधायक डॉ. अशोक मर्सकोले के निर्देशानुसार संपन्न हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता गोलू पटेल और शिव सिंह मरकाम ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मजदूर उपस्थित हुए और उन्होंने अपनी विभिन्न समस्याओं को खुलकर रखा। मजदूरों ने मुख्य रूप से रोजगार की स्थिरता उचित वेतन कार्यस्थल पर सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों को सामने रखा।

शांति रैली निकाल किया रक्तदान

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

विश्व को शांति का संदेश देने वाले महाकारूद्धणक तथागत गौतम बुद्ध की 2570 वी जयंती त्रिगुण पावन पूर्णिमा के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए बुद्धिस्ट सोसायटी के महासचिव शरद मेश्राम ने बताया कि बौद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर 30 अप्रैल को शाम 6 बजे शांति रैली आयोजित की गयी है जो नेहरू स्मारक से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्ग से होती हुए डॉ भीमराव अंबेडकर चौक पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण के उपरांत सामाप्त हुई रैली का नेतृत्व पूज्य भदंत धम्म दीप महानंद बोधी और विभिन्न जिलों से शिविर में पधारे श्रामनेर द्वारा किया गया नगर में शांति का संदेश देते हुए यह सभी अनुयायी देवदरा स्थित बुद्ध विहार पहुंचे। बुद्ध विहार में चल रहे 10 दिवस के श्रामणेर शिविर का समापन हुआ 1 मई को त्रिगुण पावन पूर्णिमा के अवसर पर बुद्ध विहार में पूजा वंदना धम्म देशना और विश्व के सभी प्राणियों हेतु मंगल मैत्री के उपरांत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिससे 10 रक्तदाताओं ने रक्त दान किया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के हाथों से रक्तदान करने वाले साथियों को समिति की ओर से निशुल्क हेल्मेट वितरित किया गया है साथ ही जिला चिकित्सालय के पैथोलॉजीस्ट डॉ योगेश सिरश्याम द्वारा रक्तदान करने वालों को प्रमाण पत्र प्रदान किया रक्तदाताओं में शरद मेश्राम, राहुल वासनिक, प्रयागराज वैद्य, रेखा मेश्राम, पूनम बौद्ध, भीमराव बांगरे सरोजकुमार आड़कने आलोक मेश्राम संदीप अहिरवार, राज कुमार रैदास रहे। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव दिलीप सोमकुंवर, जिलाध्यक्ष राज कुमार मंडाले, सुरेश चौहान परमानन्द मेश्राम, अमर सिंह झरिया चौधरी,सुरेन्द्र सुखदेवे,प्रजावति खोब्रागडे,नंदिता चौहान,सुजाता सोमकुंवर,मोना वैध,नेहा मंडाले,माया हिरकने,नीलिमा बांगरे ,संगीता मेश्राम, अभिलाषा मेश्राम, जयश्री गजभिये अपर्णा गजभीये, रेखा रावतकर, स्मिता सुखदेवे दिव्यानी मेश्राम, विहान मेश्राम, चित्ररक्ष यथार्थ चौहान आभास, अधीरा, रिमसा, आयुशी, एंजेल, अयान बांगरे, सुबोध आड़कने समेत अन्य उपासक उपासिका उपस्थित रहे।

नर्मदा संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था आदिवासी जनकल्याण विकास संस्थान द्वारा विकासखंड निवास अंतर्गत बसगढ़ी घाट में रेवा सेवा समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम पूर्णिमा के पावन अवसर पर एक दिवसीय जन जागरूकता अभियान के रूप में संपन्न हुआ कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मां नर्मदा एवं उनके घाटों के संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता उत्पन्न करना तथा सामाजिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से जनसामान्य को भावनात्मक रूप से जोड़ना रहा। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को नर्मदा नदी के महत्व, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामूहिक उत्तरदायित्व के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई कार्यक्रम के दौरान संस्था एवं प्रस्फुटन समिति के सदस्यों द्वारा बसगढ़ी घाट एवं तट क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत घाट परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर शिवराज पटेल, परामर्शदाता उत्तम परस्ते छात्र तारेंद्र सिंह तथा प्रस्फुटन समिति से हेमराज मरावी,नारायण पट्टा सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बालापीर साहब का मनाया प्रकटोत्सव

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

शुक्रवार को वैशाख पूर्णिमा के अवसर पर पंथ श्री प्रमोद गुरु बालापीर नाम साहब का प्रगटोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रगटोत्सव के अवसर पर महंतवाड़ा से शोभायात्रा निकाली गई जिसमें संत-महात्माओं कबीर पंथ के अनुयायियों और बड़ी संख्या में सामाजिकजनों ने भाग लिया। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां भजन-कीर्तन और ध्वज पताकाओं के साथ कबीर पंथियों का उत्साह दिखा। शोभायात्रा महंतवाड़ा से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों पड़ाव चिलमन चौक बस स्टैंड लालीपुर बैगा बैगी बड़ चौराहा और उदय चौक से होते हुए पुन: महंतवाड़ा पहुंची जहां स्वागत किया गया। बता दें जगह-जगह सामाजिक संगठनों व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया। श्रृद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर जलपान और प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई थी। गौरतलब है कि कबीर पंथ के चौथे वंशप्रतापाचार्य, सत्यनाम की श्वेत पताका धारण करने वाले पंथ श्री प्रमोद गुरु बालापीर साहब, समाज में समानता, भाईचारे और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार के लिए समर्पित माने जाते हैं। उनके प्रगटोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा बल्कि समाज को एकजुट करने का माध्यम भी बना। कार्यक्रम के समापन पर महंतवाड़ा में भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

आप कार्यकर्ता मिले मजदूरों से, दी बधाई

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर आम आदमी पार्टी द्वारा स्थानीय लेबर चौक चौपाटी के सामने कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने मजदूरों को नाश्ता कराते हुए मजदूर दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा देश और समाज के निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान के लिए आभार व्यक्त किया कार्यक्रम के दौरान आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष पंकज सोनी ने मजदूरों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मजदूर देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। यदि मजदूर कार्य करना बंद कर दें तो बड़े से बड़े निर्माण कार्य भी ठप पड़ जाएंगे उनके परिश्रम और समर्पण से ही देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है उन्होंने वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए ठेकेदारों एवं इंजीनियरों से विशेष अपील की कि वे कार्यस्थलों पर मजदूरों के लिए ठंडे पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यस्थलों पर छाया की व्यवस्था भी की जानी चाहिए ताकि मजदूर भाई इस प्रचंड गर्मी में सुरक्षित रहकर अपना कार्य कर सकें कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश तिवारी, जिला संगठन मंत्री शिशु सिंधु भलावी, व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा, महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष श्रीमती रमा देवी धुर्वे, एससी विंग के जिला संगठन मंत्री नितिन झरिया, समाजसेविका श्रीमती रश्मि मिश्रा, राकेश उसराठे, राजेश महोबिया, सतीश यादव, अर्पित नंदा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नपा अध्यक्ष ने स्व गणना कर दिया संदेश

स्व गणना की आज अंतिम तारीख

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। भारत की जनगणना के प्रथम चरण के कार्य की शुरुआत 1 मई से मकान सूचीकरण के साथ हो रही है। इसके पूर्व स्व जनगणना का कार्य भी किया जा रहा है। जिसे 16 अप्रैल से 30 अप्रैल के मध्य किया जाना है।

यह पहला अवसर है जब इस बार की जनगणना पूरी तरह से डिजिटल माध्यमो से की जाएगी। स्व जनगणना के तदाशय बताया गया है कि कोई भी व्यक्ति आम नागरिक एस ई आई डी से अपनी एवम अपने परिवार की जानकारी खुद भर सकता है। इसके बाद जब प्रगणक उनके घर आएगा तो वही

एस ई आई डी आप उसे दिखाकर उसका वेरिफिकेशन कर सकते है। इसी कड़ी में नगर की प्रथम नागरिक नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी ने स्व गणना कर नगर को एक संदेश दिया। आपने जनगणना फील्ड ट्रेनर शंकर दयाल बाजपेयी तकनीकी सहायक आशीष नामदेव के सहयोग से सब गणना में अपने परिवार की जानकारी खुद दर्ज की। इसके साथ ही उन्होंने जनगणना को देश के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास का प्रमुख आधार बताया । आपने नगर वासियो से स्व जनगणना करने की अपील भी की। जाहिर है की आज 30 अप्रैल को स्व जनगणना करने की अंतिम तारिख मुकर्रर की गई है। कल एक मई से प्रगणकों के माध्यम से जनगणना के प्रथम चरण शुरू किया जायेगा।

गर्ल्स कालेज में स्वाभिमान पर्व

मण्डला (स्वतंत्र मत)। शासन के निर्देश पर शासकीय जगन्नाथ मुन्नालाल चौधरी महिला महाविद्यालय में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन प्राचार्य प्रोफेसर शरद नारायण खरे के मार्गदर्शन व सुश्री पूजा टेमरे डॉ अंजली पंड्या तथा डा अंजु सिंह के संयोजन में किया गया। छात्राओं ने सोमनाथ के प्रसिद्ध गौरवशाली मंदिर के सम्मान में गीत प्रस्तुत किए। प्राध्यापकों ने भी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रस्तुत कीं।विषय पर केंद्रित विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।इस अवसर पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अधिकारियों के दौरे के बाद भी नहीं निकला कोई हल

किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

गेंहू उपार्जन किसानों की सबसे बड़ी समस्या

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

वर्तमान समय मे गेहूं उपार्जन किसानों के लिए सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है। क्षेत्र का किसान स्लॉट बुकिंग और गेहूं बिक्री को लेकर लगातार सरकार और प्रशासन के बीच संवाद कर रहा है। किसानों ने चमक विहीन गेहूं की सरकार के द्वारा खरीदी ना किए जाने को लेकर आंदोलन भी किया था किंतु किसानों को उससे कोई ठोस राहत मिलती नजर नही आ रही है। उच्च अधिकारियों से चर्चा के बाद कुछ किसानों का गेहूं बिका पर फिर वहीं चमक विहीन गेहूं की बात कर गेहूं खरीदी बंद कर दी गई। उसी कड़ी में आज डिप्टी कलेक्टर राजस्व मजिस्ट्रेट श्रीमती साधना कमलकांत परस्ते का नैनपुर खरीदी केंद्रों में दौरा हुआ। जहां उनके द्वारा स्पष्ट रूप से कहा गया की किसानों के गेंहू को सेम्पलिंग की जा रही है। विशेषज्ञ टीम इसका निर्धारण करेगी जो रिपोर्ट निकलकर आएगी उसके आधार पर फैसला लिया जायेगा। किसानों ने जल्द खरीदी करवाने के लिए निवेदन किया जिस पर आर एम द्वारा कहा गया की आज हम वस्तु स्थिती देखते हुए एफ सी आई वालों से गेहूं की चमक को लेकर ग्रेडिंग करेंगे और और उच्च अधिकारियों तक केंद्र तक अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। किसानों ने अपनी मनसा स्पष्ट की की अगर किसानों की फसल नहीं खरीदी जाती तो आने वाले समय में सामूहिक रूप से आत्म दाह करने में हमे मजबूर होना पड़ेगा। किसानों का कहना है कि हमारा माल खुले असमान के नीचे पड़ा है ऊपर से बादल पानी तूफान हमे परेशान कर रहा है । खरीदी अलग प्रभावित है। इन हालातों में किसानों के पास कोई चारा नही रह जाता है। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि उम्मीद है कि एक दो दिनों में सार्थक हल निकलकर सामने आएगा। आज भारी संख्या में किसान कृषि मंडी नैनपुर मे उपस्थित रहे।

संपादकीय

नागरिकता नियमों में बदलाव

गृह मंत्रालय ने नागरिकता (संशोधन) नियम 2026 को अधिसूचित कर दिया है, जिसमें 2009 के नियमों को अपडेट किया गया है। जिसके तहत प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्डधारकों और नागरिकता आवेदनों से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं में डिजिटल माध्यम का उपयोग शुरू किया गया है। इस बदलाव का उद्देश्य प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और तेज बनाना है। नई व्यवस्था के तहत अब ओसीआई कार्ड के लिए आवेदन और छोड़ने की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल के जरिए होगी। पहले जहां कागजी आवेदन की जरूरत होती थी, अब उसे खत्म कर डिजिटल आवेदन प्रणाली लागू की गई है। इसके साथ ही सरकार ने ई-ओसीआई की सुविधा भी शुरू की है, जिसमें आवेदकों को फिजिकल कार्ड के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक रजिस्ट्रेशन भी दिया जा सकेगा। राजपत्र अधिसूचना में एक अहम बदलाव नाबालिग बच्चों से जुड़ा है। नई अधिसूचना के मुताबिक, कोई भी नाबालिग बच्चा एक साथ भारतीय पासपोर्ट और किसी अन्य देश का पासपोर्ट नहीं रख सकता। पहले यह शर्त केवल घोषणा के रूप में दी जाती थी, लेकिन अब इसे स्पष्ट रूप से नियम में शामिल कर दिया गया है। ओसीआई छोड़ने की घोषणा करने पर व्यक्ति को अपना मूल कार्ड निकटतम भारतीय मिशन, पोस्ट या विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी के पास जमा करना होगा। सरकार द्वारा ओसीआई दर्जा रद्द किए जाने की स्थिति में भी कार्ड लौटाना अनिवार्य होगा।

सरकार अब ई-ओसीआई धारकों के मामलों में सीधे अपने डिजिटल रिकॉर्ड के जरिए पंजीकरण रद्द कर सकेगी, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तेज हो जाएगी। नए नियमों के तहत अब दस्तावेजों की 'डुप्लिकेट' कॉपी जमा करने की बाध्यता समाप्त कर दी गई है और ई-ओसीआई सिस्टम लागू किया गया है। इसके जरिए आवेदकों को या तो फिजिकल ओसीआई कार्ड मिलेगा या फिर डिजिटल पंजीकरण के रूप में सुविधा दी जाएगी। सरकार ने आवेदन खारिज होने की स्थिति में अपील की प्रक्रिया को भी मजबूत किया है। अब किसी आवेदन को खारिज करने वाले अधिकारी से एक स्तर ऊपर का अधिकारी उसकी समीक्षा करेगा। साथ ही आवेदक को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर भी दिया जाएगा, जिससे प्रक्रिया अधिक न्यायसंगत बनेगी।

यह योजना भारतीय मूल के व्यक्तियों को भारत के प्रवासी नागरिक के रूप में पंजीकृत करने का प्रावधान करती है, बस शर्त ये है कि वे 26 जनवरी 1950 को या उसके बाद भारत के नागरिक रहे हों, या उस तिथि को नागरिकता प्राप्त करने के पात्र रहे हों। हालांकि, वे लोग जो पाकिस्तान या बांग्लादेश के नागरिक हैं या रहे हैं, या जिनके माता-पिता, दादा-दादी या परदादा-परदादी पाकिस्तान या बांग्लादेश के नागरिक थे, वे इस योजना के लिए पात्र नहीं हैं। सरकार ने दस्तावेजों की डुप्लीकेट कॉपी जमा करने की पुरानी शर्त भी खत्म कर दी है। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि अब ओसीआई आवेदकों को फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन प्रोग्राम के लिए सहमति देनी होगी। इसके तहत उनके बायोमेट्रिक डेटा को एकत्र किया जाएगा, ताकि भविष्य में तेजी से इमिग्रेशन प्रक्रिया पूरी की जा सके।

लोक के प्रति कब जवाबदेह बनेगी नौकरशाही

उमेश चतुर्वेदी

सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा को 'स्टील फ्रेम' बताया था। संविधान सभा में प्रशासनिक सेवा पर बहस के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए मजबूत और तटस्थ नौकरशाही पर जोर दिया था। हालांकि अंग्रेजों के नौकरशाह रह चुके एचवी कामथ को चिंता थी कि वैधानिक सुरक्षा नौकरशाही को गैरजवाबदेह और असल 'शासक' बना सकती है। एक अप्रैल को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के मालदा की घटना में नौकरशाही ने जैसा रूख अख्तियार किया है, उसे देख लगता है कि पटेल के भरोसे की तुलना में एचवी कामथ की चिंता समय की शिला पर सटीक साबित हुई है। मालदा में पूरे नौ घंटे तक सात न्यायिक अधिकारियों को सियासी कार्यकर्ता के मुखौटे वाले अपराधियों ने बंधक बनाए रखा। उस दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी मुख्य सचिव से संपर्क करने में नाकाम रहे। दिलचस्प यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव से जवाब-तलब किया तो उन्होंने माफी मांग कर काम चला लिया। उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में शीर्ष अधिकारियों को सबक सिखाने से पीछे नहीं रहेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह माफी से ही संतुष्ट हो गया।

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरूआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली। अंग्रेज सरकार भारतीयों को गुलाम मानती थी, लिहाजा उसके अफसर भी भारतीयों से उसी अंदाज में पेश आते थे। आजादी के बाद नौकरशाही के इस चरित्र को बदलने की कोशिश के तहत तटस्थ ब्यूरोक्रेसी के रूप में आईएएस कैडर बनाया गया। गांधी मानते थे कि आधुनिक राज व्यवस्था और नौकरशाही में हिंसा का वर्चस्व है। गांधी जी %ट्रस्टीशिप% के सिद्धांत के अनुसार प्रशासनिक या आर्थिक रूप से ताकतवर लोगों से उम्मीद करते थे कि वे संसाधनों के स्वामी नहीं, बल्कि रक्षक की तरह व्यवहार करें। इसी अंदाज में नौकरशाही को सेवक बनाने की कोशिश हुई। लेकिन क्या नौकराशाह सेवक बन पाए? वे सिर्फ उन राजनीतिक आकाओं के ही सेवक बन पाए हैं, जो ताकतवर हैं और जिनसे उन्हें भविष्य में मलाईदार पदों और ताकत की उम्मीद है। यही वजह है कि आजादी के 79 साल बाद भी नौकरशाही का ज्यादातर हिस्सा सामंती मानसिकता से ही प्रभावित नजर आता है। जनता को वह अपनी रियाया मानता है। लोक से सामंतों जैसा व्यवहार करने में ही उसे हेठी नजर आती है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नरियाला का कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का फोन नहीं उठाना इसी सोच का प्रतीक है। यह उस आशंका का भी जीवंत उदाहरण है, जो एचवी कामथ को परेशान कर रही थी। दिलचस्प यह है कि दुष्यंत नरियाला को 16 मार्च को ही चुनाव आयोग ने नंदिनी चक्रवर्ती की जगह नया मुख्य सचिव बनाया था, ताकि वे निष्पक्ष चुनाव करा सकें। नरियाला

के व्यवहार से साफ है कि न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में उनका रवैया तटस्थ नौकरशाह की बजाय राज्य की मौजूदा सत्ता के इशारे पर ही काम करने वाले जैसा रहा।

लोकतंत्र, लोक यानी आम लोगों का तंत्र है। लेकिन हकीकत में यह राजनीतिक दलों का तंत्र है और इस तंत्र में लोक की भूमिका महज वोट देने तक ही सीमित है। इस तंत्र में नौकरशाही की जवाबदेही राजनीति के हर अच्छे-बुरे कामों में साथ देने और कई बार उसका कहार बनने तक सीमित रह गई है। सरदार पटेल जब इस तंत्र को स्टील फ्रेम कह रहे थे, तो उनका आशय यह था कि भावी नौकरशाही आम लोगों की भलाई और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। पटेल को उम्मीद रही होगी कि नौकरशाह लोक के प्रति जब जवाबदेह होंगे, तब ऐश्वर्य पर उनकी निगाह कम होगी। लेकिन इसके ठीक उलट हो रहा है। नौकरशाही के बड़े हिस्से को अपनी मूल भूमिका की चिंता नहीं सताती। उसकी पूरी कोशिश खुद और खुद के कैडर को मजूबत करने और ज्यादा सुविधाएं जुटाने पर केंद्रित रहती है। ज्यादातर नौकरशाहों के लिए आमजन ठीक वैसी ही प्रजा हैं, जिस तरह अंग्रेजों के थे। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव का व्यवहार इसी सोच का उदाहरण है।

जब कोई आईएएस किसी फरियादी की बात सुनने के लिए जमीन पर बैठ जाता है, या ऐसा ही सामान्य कदम उठाता है तो वह घटना खबर बन जाती है। इसकी वजह यही है कि अफसरों से ऐसे व्यवहार की उम्मीद ही नहीं होती। जनमानस की सोच ऐसी है तो यह मान लेना चाहिए कि पटेल की सोच के मुताबिक नौकरशाही विकसित नहीं हुई, बल्कि एचवी कामथ जैसे लोगों की आशंका ही सही साबित हुई है।

नौकरशाही में जब भी किसी का चयन होता है, उसके पड़ोसी और रिश्तेदार तक मान लेते हैं कि कुछ ही दिनों में उसकी कई पुश्तों का इंतजाम हो जाएगा। ज्यादातर ऐसा होता भी है। मध्य प्रदेश जैसे कुछ राज्यों ने लोकपाल की व्यवस्था कर रखी है। वहां आए दिन जिस तरह अधिकारियों के घरों से नोटों की गड्डियां निकलती हैं, उनकी संपत्ति के ब्यौरे सामने आते हैं, उससे पता चलता है कि अफसर बनना जमींदारी हासिल करने से भी ज्यादा फायदेमंद है। ऐसे अफसरों पर कड़ी कार्रवाइयां नजीर बननी चाहिए, लेकिन ऐसा होता नहीं दिखता। अफसरशाही का बड़ा हिस्सा अब भी तंत्र के दोहन की प्रक्रिया में शिद्दत से शामिल है। हाल ही में बिहार के एक सब डिविजनल पुलिस अफसर के बारे में समाचार आया कि उनकी नौकरानी भी थार से चलती है। ऐसा नहीं कि नौकरशाही में ईमानदार लोग नहीं हैं। अशोक खेमका और संजीव चतुर्वेदी इसके उदाहरण हैं। लेकिन उन्हें ना तो नौकरशाही चैन से बैठने देती है और ना ही राजनीतिक आका।

नौकरशाही को तटस्थ और ईमानदार बनाए रखने के लिए पचासों कमेटियां बन चुकी हैं, दो प्रशासनिक सुधार आयोग बन चुके हैं। पहले आयोग के अध्यक्ष तत्कालीन वित्त मंत्री मोरारजी देसाई थे तो दूसरे के कांग्रेसी नेता वीरप्पा मोइली। जान लेना चाहिए कि स्वाधीनता संग्राम में कूदने से पहले मोरार जी भी सिविल सेवा के अधिकारी थे। दोनों आयोगों ने कई सुझाव दिए, कुछ लागू भी हुए। लेकिन असल में नौकरशाही का चरित्र नहीं बदल पाया। वह लोकतांत्रिक नहीं हो पाई।

आपातकाल के दिनों में जयप्रकाश नारायण ने नौकरशाही और पुलिस अफसरों से अपील की थी कि सरकार के असंवैधानिक आदेशों को वे न मानें। तब जेपी को अराजकतावादी कहा गया। हालांकि राजनीतिक व्यवस्था ऐसी है कि नौकरशाही के लिए राजनीति की बात टालना संभव नहीं हैं। एच वी अयंगार जैसे कुछ ही नौकरशाह होते हैं, जो सही बात कह सकते हैं और अपने राजनीतिक आका से अलग राय रख सकते हैं। राज्यों के गठन के पीछे भाषा को आधार बनाने के तत्कालीन गृह सचिव अयंगार विरोधी थे और उन्होंने अपने मंत्री सरदार पटेल के सामने उसे खुलकर रखा भी था। वैसे आज की राजनीति में पटेल जैसा हृदय रखने वाले लोग भी कम हैं। अव्वल तो आज की नौकरशाही नाफरमानी की हिम्मत ही नहीं करती और अगर ऐसी कोशिश करती भी है तो उसे ही किनारे लगा दिया जाता है। इसी वजह से माना जा रहा है कि दुष्यंत नरियाला फिलहाल भले ही अभी चुनाव आयोग को रिपोर्ट कर रहे हों, वे अपने राजनीतिक आका के ही प्रभाव में हैं।

नौकरशाही अगर लोकतांत्रिक और तटस्थ नहीं बन पाई है तो इसके पीछे उसके प्रशिक्षण और चयन में भी खामी मानी जाती है। वैसे समाज भी रोजाना अफसरों की बेरूखी से दो-चार होता रहता है, इसके बावजूद जब भी यूपीएससी या पीसीएस के नतीजे आते हैं, चयनित अफसरों पर वह लहालोट हो जाता है। समाज का लहालोट होना भी कई बार नौकरशाही को राजा की तरह व्यवहार करने को प्रेरित करता है। इसी लिए कोई दुष्यंत नरियाला कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के फोन को भी नजरंदाज कर देता है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर इस रवायत को बदलेगा कौन? जिस राजनीति पर इसकी जवाबदेही है, उसे अपने कार्यकर्ताओं की बनिस्बत नौकरशाही पर भरोसा ज्यादा है। लोक तो उससे प्रताड़ित होने के बावजूद उसी पर लहालोट है। इसलिए जरूरी है कि नौकरशाही को भगवान न मानने वाली सोच विकसित करने की कोशिशें हों, अन्यथा नौकरशाह राजा की तरह व्यवहार करते रहेंगे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

यूएई का कूटनीतिक दांव

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने करीब 60 वर्ष बाद तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक छोड़ने का फैसला कर बड़ा कूटनीतिक दांव खेला है। यह फैसला आर्थिक और राजनीतिक दोनों वजहों से लिया गया है। यूएई के दांव से एक बात पूरी तरह से स्पष्ट हो गई है कि जहां एक तरफ अमेरिका, इजराइल और ईरान में भयंकर युद्ध की स्थितियां अभी तक बनी हुई हैं, वहीं खाड़ी के देशों में भी आपसी लड़ाई चल रही है। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में काफी समय से तनाव चल रहा था। यूएई अपनी तेल उत्पादन सीमा में बंधकर नहीं रहना चाहता था। जबकि 22 सदस्यीय देशों के संगठन ओपेक ने उसे केवल लगभग 34 लाख बैरल प्रतिदिन तेल उत्पादन की अनुमति दी थी।

ओपेक के मुखिया सऊदी अरब कम उत्पादन चाहता था। अमेरिका, इजराइल और ईरान युद्ध के दौरान यूएई को भी हमलों का सामना करना पड़ा और उसे भी पिछले दो महीनों में काफी नुक्सान हुआ। ऐसे में वह अधिक तेल उत्पादन कर अपने नुक्सान की भरपाई करना चाहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान को नई धमकी से कच्चे तेल के दाम 125.5 डॉलर प्रति बैरल पहुंच चुके हैं। यूएई ओपेक का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक सदस्य देश था, जो 1967 में इस समूह में शामिल हुआ था लेकिन समूह की उत्पादन क्षमता पर काफी लंबे समय से सऊदी अरब का नियंत्रण था जिससे यूएई अपनी उत्पादन क्षमता नहीं बढ़ा पा रहा था।

यूएई के इस फैसले से सऊदी अरब की प्रतिष्ठा को तगड़ा झटका लगा है क्योंकि इससे उसकी तेल कीमतों को नियंत्रित करने की क्षमता कमजोर होगी। साथ ही यूएई को अमेरिका के करीब आने का मौका भी मिलेगा क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लंबे समय से ओपेक के आलोचक रहे हैं। यूएई की सरकारी कंपनी एडनोक के मुताबिक, यूएई के ओपेक से बाहर आ जाने से ईरान युद्ध शुरू होने से पहले कच्चे तेल का उत्पादन 3.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन था, जो 2027 तक बढ़कर 5 मिलियन बैरल हो जाएगा।

यूएई के ओपेक से बाहर आने का बहुत बड़ा कारण पाकिस्तान भी है। पाकिस्तान के सऊदी अरब के साथ बढ़ते रिश्ते और अमेरिका व ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाना उसे पसंद नहीं था। ईरान के मुद्दे पर पाकिस्तान की तटस्थता को लेकर यूएई की नाराजगी का संकेत उस समय मिल गया था जब उसने पाकिस्तान से 3.5 अरब डॉलर वापिस देने का दबाव डाला था। सऊदी अरब अपने खाड़ी पड़ोसी की तुलना में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र के अधिक निकट जा रहा था। इससे भी दोनों देशों में दरार चौड़ी हो रही थी। होर्मुज स्ट्रेट में नाकेबंदी के चलते अर्थव्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है।

इससे भी यूएई परेशान है। ओपेक छोड़ कर यूएई न सिर्फ अमेरिका के साथ अपने रिश्ते मजबूत करना चाहता है, बल्कि पाकिस्तान और सऊदी अरब के गठबंधन को भी कमजोर करना चाहता है। अब सवाल यह है कि यूएई का ओपेक से बाहर निकलने के फैसले का भारत पर क्या प्रभाव होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे भारत को फायदा पहुंचने की सम्भावना है। यूएई द्वारा तेल उत्पादन बढ़ाए जाने से वैश्विक बाजार में तेल की सप्लाई बढ़ेगी जिससे कीमतों में कमी आ सकती है। इसका सीधा फायदा भारत जैसे तेल आयात करने वाले देशों को मिलेगा। सम्भव है कि कुछ अन्य ओपेक सदस्य भी निवेश और उत्पादन से संबंधित निर्णय लेने में अधिक स्वतंत्रता पाने के लिए बाहर निकलना चाहें। इससे भी कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

अतीत में भी ऐसे उदाहरण रहे हैं कि जहां ओपेक सदस्य अपने दिए गए कोटे का पालन नहीं कर पाए जिससे कीमतों को नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित हुई है। हालांकि यूएई के बाहर निकलने का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब होर्मुज स्ट्रेट में दोहरी नाकेबंदी को हटाया जाएगा। वर्तमान स्थिति में इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध कितने समय तक जारी रहेगा, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि ईरान द्वारा दिए गए प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को स्वीकार्य नहीं हैं।

स्ट्रेट पर अमेरिकी नाकेबंदी के साथ, ट्रंप ईरान पर आर्थिक दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं, जो फिलहाल कारगर नहीं दिख रहा है। इस क्षेत्र से जब तेल आपूर्ति का दोबारा शुरू होना अल्पावधि में अनिश्चित बना हुआ है। ओपेक की कमजोरी मध्यम अवधि में स्थायी रूप से तेल की कीमतें कम करने में मदद कर सकती है। अमेरिका-ईरान गतिरोध लम्बे अरसे तक चलता रहा तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को बहुत नुक्सान होगा। सप्लाई लाइन बाधित होने से महंगाई बहुत बढ़ेगी और देशों को तेल और ऊर्जा की कीमतें बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ सकता है। यूएई के कूटनीतिक दांव से न केवल सऊदी अरब की प्रतिष्ठा को तगड़ा झटका लगा है, बल्कि पाकिस्तान की मध्यस्था को लेकर भी खाड़ी देशों में मतभेद तीव्र होते जा रहे हैं।

खाड़ी देशों की आपसी फूट भी भविष्य के लिए अच्छी नहीं है। बेहतरी इसी में है कि पश्चिम एशिया का संकट शीघ्र हल हो और होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी शीघ्र खुले। यदि अमेरिका ईरान को भी कुछ शर्तों के साथ तेल बेचने की अनुमति देता है तो ही विश्व उथल-पुथल से बचा रह सकता है।

सामान, सम्मान और वक्त

संतोष उत्सुक

इंसान कभी डर कर नहीं रहा हांलाकि बुरा वक़्त बिना बताए आकर समझाता ज़रूर है। साहिर लुधियानवी ने कई दशक पहले समझाया था, 'आदमी को चाहिए वक़्त से डर कर रहे, कौन जाने किस घडी वक़्त का बदले मिजाज़%। भुलक्कड़ आदमी ऐसी महत्त्वपूर्ण बातों को कहां याद रख पाता है। कभी कभार बातचीत के दौरान मान ज़रूर लेता है कि वक़्त बहुत कीमती है और हर इंसान के समय का महत्त्व है। एक बार मिली ज़िंदगी में सामान और सामान इकट्ठा करना ही नहीं, आपसी सहयोग, सदभाव, सम्मान करना ज्यादा ज़रूरी है। राजनीति का सम्मान करने के अभ्यस्त लोगों ने वोट के साथ साथ मेहनत, कर्मठता, समर्पण को भी सामान समझना शुरू कर दिया है।

व्यंग्य

वास्तव में अगर किसी तरह का स्वार्थ न हो किसी को कुछ भी कैसे दिया जा सकता है तभी वर्तमान में सम्मान का दर्ज किया जाना ज़रूरी हो गया है। वांछित व्यक्ति को खाने का सामान या नकद नहीं देना चाहते या नहीं दे सकते तो प्रशंसा को कागज़ पर लिखकर दे सकते हैं या फिर माला पहना सकते हैं। अब यह लेने वाले की मर्ज़ी है कि अखबार में सम्मान से सम्बंधित छपी फोटो को भी देखता रहे, कभी मनपसंद भूख लगे तो इसे चाट भी ले। ताली बजाना भी सम्मान देने का स्वास्थ्यवर्धक तरीका है, जितनी देर बजाते हैं व्यायाम भी होता रहता है।

सम्मानित हो रहे व्यक्ति के सामने ताली बजा दी जाए तो उसका उत्साह भी बढ़ जाता है। संभावना है इससे भूख भी कम लगती होगी। भविष्य में विशाल भव्य मूर्तियों को ऐसा बनाया जा सकता है कि इनके पड़ोस में काफी देर खड़े होकर भजन कीर्तन करने से कई दिन भूख न लगने का प्रभाव पैदा हो जाए। ऐसा प्रावधान भी हो कि ख़ास मूर्ति को चाटने से, एक सप्ताह तक कुछ भी खाने की ज़रूरत न पड़े।

सम्मान या सामान सब को नहीं दिया जा सकता। कई बार सुपात्र को अनदेखा पड़ता है और आपसी संबंधों की कद्र करने वालों को सम्मान और सामान, समान रूप से देने पड़ते हैं। रिश्तों को सामान समझने वाले सम्मान पाने वालों की होड़ में भी आगे बढ़ते देखे जाते हैं। आजकल सामान से ज्यादा सम्मान देने की परम्परा है। राष्ट्रीय स्तर की बात करना तो बड़ी बात होगी नगर स्तरीय सम्मान भी सामने वाले का बढ़िया वक़्त देखने के बाद दिया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आग्रह कर तालियां बजवानी पड़ती हैं लेकिन अब मेहनत, कर्मठता, समर्पण के नाम पर कहीं भी तालियां बजाने का समय है। जिनके सम्मान में तालियां बजाई जाती हैं उन्हें अच्छा लगता है लेकिन वक़्त निकल या बदल जाने के बाद भी सम्मान जारी रहेगा यह पता नहीं होता।

वक़्त की किताब में दर्ज है, सामान की वास्तविकता में डूबे हुए सब नंगे हैं लेकिन एक दूसरे से कह रहे हैं, देखो, हमने एकता, समानता, सदभाव के कितने रंग बिरंगे स्वच्छ, सुगन्धित भव्य वस्त्र पहन रखे हैं। भरोसा, यकीन, विशवास, वायदे, मुस्कुराहटों के सहारे वंचित वर्ग को जिलाए रखना ही उनका सम्मान हो गया है लेकिन साहिर ने कुछ और भी कहा है, 'वक़्त है फूलों की सेज, वक़्त है कांटों का ताज। हर लम्हा बदलते वक़्त का पता नहीं चलता किसके लिए कैसा वक़्त लेकर आए।

विजय पथ तक पहुँचने के लिए पश्चिम बंगाल में धर्म पथ पर खूब चले मोदी और शाह

नीरज कुमार दुबे

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के लिए जी-तोड़ मेहनत करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर चुनाव प्रचार तो किया ही साथ ही पूजा पाठ में भी कोई कमी नहीं छोड़ी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान वाले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ का पूजन कर रहे थे। जबकि मतदान से एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में भगवान श्री सोमनाथ का पूजन किया। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा में जाकर मिलने वाली हुगली नदी में नौका यात्रा और पूजन किया तो वहीं अमित शाह ने हुगली नदी और बंगाल की खाड़ी के पवित्र संगम पर स्थित गंगासागर का दर्शन और पूजन किया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मतुआ समुदाय के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी और राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ठनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना की तो अमित शाह ने कपिल मुनि आश्रम में महर्षि कपिल का पूजन कर देशवासियों के कल्याण की कामना की।

बंगाल में मतदान वाले दिन प्रधानमंत्री का श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करने का अधिक महत्व इसलिए है क्योंकि काशी (वाराणसी) को बंगालियों का दूसरा घर या सांस्कृतिक रूप से बंगाल के बहुत करीब माना जाता है। सदियों से बंगाली तीर्थयात्री, विद्वान और साधु-संत काशी आते रहे हैं, साथ ही कई बंगाली जमींदारों और राजाओं ने काशी में घाटों और मंदिरों का निर्माण करवाया। यही नहीं, वाराणसी में दशाश्वमेध घाट के पास स्थित बंगाली टोला क्षेत्र में बंगाली समुदाय की घनी आबादी है, जहाँ बंगाली संस्कृति, भाषा और खान-पान का गहरा असर देखने को मिलता है। वहीं गुजरात के श्री सोमनाथ में त्रिवेणी संगम (कपिला, हिरन और सरस्वती) के पास चंद्रभागा शक्तिपीठ स्थित है, जो बंगाली भक्तों के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी की ओर से हुगली नदी पर किये गये नौका विहार का भी खास महत्व है। हुगली को आदि गंगा के रूप में पूजा जाता है। बंगाल के लोगों के लिए हुगली का महत्व वैसा ही है जैसा उत्तर भारत में गंगा का है। नरेंद्र मोदी ने 2014 में जब लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए वाराणसी को चुना था तो उन्होंने सबसे पहले

यही कहा था कि मुझे तो माँ गंगा ने बुलाया है। इसी तरह खुद को गंगापुत्र कहने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल चुनावों के बीच हुगली को मां गंगा कहकर संबोधित किया और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इससे उन्होंने अपनी छवि को बंगाल की धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं के साथ जोड़ा। प्रधानमंत्री ने हुगली के किनारे समय बिताकर और बेलूर मठ जैसे आध्यात्मिक केंद्रों की यात्रा कर यह दिखाने की कोशिश भी की कि उनकी पार्टी बंगाल की जड़ों और विरासत का सम्मान करती है।

वहीं अमित शाह की गंगा सागर यात्रा भी काफी प्रभावशाली रही। सदियों से यह कहा जाता रहा है कि सब तीर्थ बार बार, गंगा सागर एक बार। अमित शाह ने इस यात्रा के जरिए भाजपा को बंगाल की जड़ों से जोड़ा। ऐतिहासिक कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना कर उन्होंने बंगाली धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया। उन्होंने गंगा को गंगोत्री से लेकर गंगा सागर तक भारत को जोड़ने वाली एक आध्यात्मिक कड़ी बताया, जिससे भाजपा ने यह संदेश दिया कि बंगाल की संस्कृति पूरे भारत के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। साथ ही अमित शाह ने गंगा सागर में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देकर धर्म और राष्ट्रवाद को एक साथ जोड़ा, जो भाजपा की चुनावी रणनीति का मुख्य आधार रहा है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य की राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ठनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर भी बड़ा संदेश दिया। उत्तरी कोलकाता की प्रमुख उत्तर-दक्षिण सड़क बिधान सरानी पर स्थित, ठनठनिया काली मंदिर की स्थापना 1703 में उदय नारायण ब्रह्मचारी ने उस भूमि पर की थी, जहां उस समय श्मशान घाट हुआ करता था। इस मंदिर में मां सिद्धेश्वरी की पूजा की जाती है। यहाँ की एक विशिष्ट परंपरा मांसाहारी प्रसाद चढ़ाने की है। इस मंदिर में पूजा कर प्रधानमंत्री ने यह संदेश दिया कि भाजपा बंगाल की विविध खान-पान और धार्मिक परंपराओं को स्वीकार करती है और उनका सम्मान करती है, जिससे विरोधियों के शाकाहारी थोपने के आरोपों का जवाब दिया गया। साथ ही यह मंदिर रामकृष्ण परमहंस से भी जुड़ा है, जो यहाँ अक्सर भजन गाने आते थे। इस यात्रा के जरिए भाजपा ने खुद को बंगाल के पुनर्जागरण और आध्यात्मिक महापुरुषों की विरासत से भी जोड़ा।

वहीं उत्तर 24 परगना जिले के ठाकुरनगर में मतुआ महासंघ के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी में दर्शन कर प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल के दलित (नामशुद्र) समाज के प्रति सम्मान व्यक्त किया। पीएम मोदी ने 2021 में बांग्लादेश स्थित मतुआ समुदाय के जन्मस्थान ओराकांडी की भी यात्रा की थी। ठाकुरबाड़ी की वर्तमान यात्रा उस निरंतरता को दर्शाती है। मतुआ मतदाता कम से कम 34 विधानसभा सीटों और बांग्लादेश सीमा के करीब स्थित दो दर्जन अन्य सीटों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। उल्लेखनीय है कि हरिचंद ठाकुर द्वारा 19वीं शताब्दी में स्थापित मतुआ महासंघ एक सामाजिक-धार्मिक आंदोलन है, जिसने ऐतिहासिक रूप से शिक्षा और सामाजिक सुधार के माध्यम से नामशुद्र समुदाय के उत्थान के लिए काम किया है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की ये धार्मिक यात्राएं केवल व्यक्तिगत आस्था तक सीमित नहीं थीं, बल्कि वे एक व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा थीं। इन यात्राओं के माध्यम से भाजपा ने बंगाल की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक जड़ों से जुड़ने का प्रयास किया, ताकि खुद को बाहरी पार्टी की बजाय एक संवेदनशील और जुड़ी हुई शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। आस्था, संस्कृति और राजनीति के इस संगम ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक भारतीय चुनावों में प्रतीकवाद और भावनात्मक जुड़ाव उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने विकास और नीतिगत मुद्दे।

ईरान में खलबली: अराघची को हटाने की तैयारी में पेजेशकियान, रिपोर्ट में बड़ा दावा

नई दिल्ली

ईरानी नेतृत्व के भीतर तनाव एक गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबफ कथित तौर पर विदेश मंत्री अब्बास अराघची को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। ईरानी मामलों पर केंद्रित ब्रिटेन स्थित मीडिया आउटलेट %ईरान इंटरनेशनल% के अनुसार, इन दोनों नेताओं ने अरागची पर यह आरोप लगाया है कि उन्होंने राष्ट्रपति पद की अनदेखी करते हुए %रिवोल्यूशनरी गार्ड% के निर्देशों का पालन किया है।

यह मतभेद उन आरोपों के कारण पैदा हुआ है कि अराघची ने कैबिनेट मंत्री के तौर पर कम, बल्कि रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर अहमद वाहिदी के एक सहायक के तौर पर ज्यादा काम किया है। मामले से परिचित सूत्रों ने बताया कि विदेश मंत्री वाहिदी के साथ पूर्ण समन्वय में काम कर रहे हैं और कथित तौर पर राष्ट्रपति पेजेशकियान को सूचित किए बिना उनके निर्देशों पर आधारित नीतियों को लागू कर रहे हैं।

इस अंदरूनी दरार के कारण पेजेश्कियन में गहरी असंतोष की भावना पैदा हो गई है। बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने करीबी लोगों से कहा है कि यदि मौजूदा स्थिति बनी रहती है तो वह अराघची को पद से हटा देंगे।

जैसा कि ईरान इंटरनेशनल ने बताया है कि राष्ट्रपति को लगता है कि संवेदनशील कूटनीतिक दांव-पेचों के दौरान विदेश मंत्री के सैन्य कमान की ओर झुकने से उनकी स्थिति कमजोर हुई है।

पेजेशयान और वाहिदी के बीच मतभेद पहले 28 मार्च को सामने आए थे, जब सूत्रों ने ईरान इंटरनेशनल को बताया था कि इस विवाद की जड़ युद्ध के प्रबंधन और लोगों की आजीविका तथा देश की अर्थव्यवस्था पर इसके विनाशकारी परिणामों में निहित है। खबरों के मुताबिक, सत्ता की इस खींचतान ने राष्ट्रपति को पूरी तरह से राजनीतिक गतिरोध में फंसा दिया है। ऐसी भी खबरें हैं कि उनसे संघर्ष के दौरान मारे गए सरकारी अधिकारियों की जगह नए अधिकारियों को नियुक्त करने का अधिकार छीन लिया गया है। कथित तौर पर वाहिदी ने यह दावा किया है कि युद्धकालीन आपातकाल के चलते, सभी संवेदनशील प्रबंधकीय पदों पर सीधे तौर पर रिवोल्यूशनरी गार्ड्स द्वारा ही चयन और संचालन किया जाना चाहिए।

वह धरती पर खुदा का प्रमाण हैं, स्वास्थ्य चिंताओं के बीच मोजतबा खामेनेई के सहयोगी का बयान

नई दिल्ली

असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के सदस्य और ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उप-प्रमुख अयातुल्ला मोहसिन कोमी ने ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के बारे में अमेरिका के दावों को खारिज करते हुए कहा कि नेता पूरी तरह स्वस्थ हैं। यह जानकारी फार्स न्यूज एजेंसी ने दी। कोमी ने कहा कि पश्चिमी देश ऐसी चालें इसलिए चलते हैं ताकि वे हमारी प्रतिक्रिया जान सकें और अफवाहें फैला सकें। फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, उन्होंने कहा, कुछ लोग हमारे सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के स्वास्थ्य के बारे में पूछते हैं। यह दुश्मन की एक चाल है। वे यह कहना चाहते हैं कि वे उपस्थित क्यों नहीं हैं? वे कोई ऑडियो या वीडियो संदेश क्यों

नहीं भेजते? जिन लोगों ने उनसे मुलाकात की है, वे सामने आकर बात क्यों नहीं करते? वे इन सवालों का इस्तेमाल करके हमें प्रतिक्रिया देने पर मजबूर करना चाहते हैं, ताकि वे अपने मकसद पूरे कर सकें।

कोमी ने कहा कि चोटें लगने के बावजूद, ईरानी अधिकारी अब सर्वोच्च नेता की जान बचाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अभी हमारे लिए सबसे अहम मसला हिज एमिनेंस (माननीय) नेता की जान बचाने में मदद करना है, जो इस समय धरती पर खुदा का प्रमाण हैं। और मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि वहां लगी चोटों के बावजूद, सर्वशक्तिमान ईश्वर ने उन्हें शिया समुदाय के लिए एक अनमोल धरोहर के रूप में सुरक्षित रखा है। कोमी ने इस बात की भी पुष्टि की कि मुजतबा खामेनेई उस इमारत में मौजूद थे जिस पर बमबारी हुई थी, लेकिन आखिरकार वे बच गए। उन्होंने कहा, वे ठीक उसी इमारत में थे जिस पर बमबारी हुई थी, जहां दूसरे लोग शहीद हो गए थे। धमाके से बस कुछ ही मिनट पहले वे आंगन में चले गए थे। खुदा चाहते थे कि वे सुरक्षित रहें।

कोमी ने कहा, फिलहाल, उनकी सेहत एकदम ठीक है और वे सक्रिय रूप से कामकाज संभाल रहे हैं। वे अपनी सीधी देखरेख में बातचीत और फील्ड ऑपरेशन से जुड़े मामलों को देखते हैं। हाल ही में, उन्होंने बातचीत करने वाली टीम को यह भी खास निर्देश दिए कि अलग-अलग स्थितियों में उन्हें क्या कदम उठाने हैं। स्थिति पर उनका पूरा नियंत्रण है।

पाकिस्तान का खेल और तेल दोनों खत्म!

इस्लामाबाद। कल तक ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता कराने को आतुर पाकिस्तान दुनिया को अपनी कूटनीति की क्षमता दिखाने निकला था, लेकिन उसे पहले अपने घर की हालत सुधारनी चाहिए थी। न तो ईरान और अमेरिका के बीच तनाव थमा और न ही पाकिस्तान अपनी साख बचा पाया। उल्टा हाल यह हो गया है कि उसकी अर्थव्यवस्था ढहने के कगार पर पहुंच गई है। पाकिस्तान में तेल की भारी कमी है और जो उपलब्ध है वह इतना महंगा हो चुका है कि आम जनता त्राहि त्राहि कर रही है।

देखा जाये तो इस्लामाबाद की चमकदार कूटनीति का मुखौटा उस वक्त पूरी तरह उतर गया जब ईरान ने आखिरी समय पर ऐसा कदम उठाया जिसने पाकिस्तान की सारी रणनीति ध्वस्त कर दी। जिस मंच को उसने खुद को वैश्विक मध्यस्थ के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार किया था, वही मंच उसकी दोहरी नीति और कमजोर रणनीतिक समझ को उजागर कर गया। पाकिस्तान ने खुद को अमेरिका और चीन के बीच संतुलन साधने वाला देश दिखाने की कोशिश की, लेकिन यह संतुलन अब बिखरता नजर आ रहा है।

ईरान-अमेरिका संघर्ष को शांत करने के उद्देश्य से आयोजित इस्लामाबाद वार्ता को ऐतिहासिक पहल बताया गया था, लेकिन शुरुआती दौर में ही यह नाकाम हो गई। लगभग

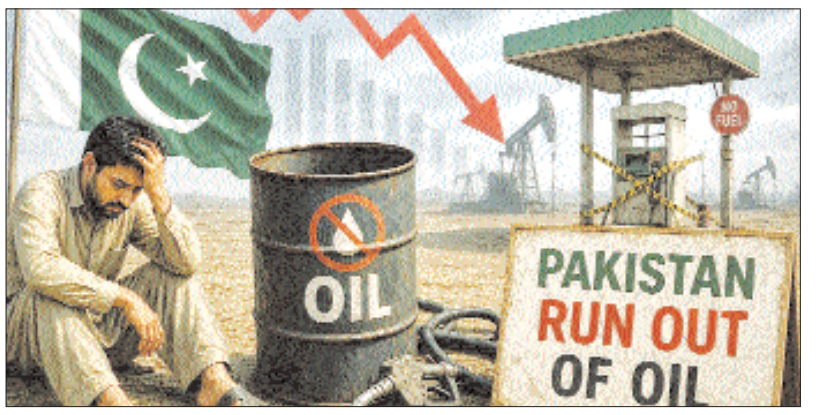

21 घंटे चली बातचीत के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच मतभेद कम नहीं हुए। इसके बाद भी पाकिस्तान ने दूसरे दौर की वार्ता के जरिए अपनी प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश की, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी प्रतिनिधियों से मिलने से साफ इंकार कर दिया। यह केवल एक कूटनीतिक मतभेद नहीं था, बल्कि पाकिस्तान की उस महत्वाकांक्षा पर सीधा प्रहार था जिसमें वह खुद को अनिवार्य मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत कर रहा था। ईरान का यह रुख अचानक नहीं था। पहले से संकेत मिल रहे थे कि तेहरान प्रत्यक्ष बातचीत से बचना चाहता है और केवल अप्रत्यक्ष संपर्क को ही स्वीकार करेगा। इसके बावजूद पाकिस्तान ने इन संकेतों को नजरअंदाज किया और अपने कूटनीतिक प्रयासों को जरूरत से ज्यादा बढ़ा चढ़ाकर पेश किया। परिणामस्वरूप, जैसे ही ईरान पीछे हटा, पूरी प्रक्रिया ध्वस्त हो गई और पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे। यह घटनाक्रम पाकिस्तान की विदेश नीति के उस जोखिम भरे खेल को भी सामने लाता है जिसमें वह एक साथ कई दिशाओं में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। एक ओर वह अमेरिका के साथ संबंध बनाए रखना चाहता है, तो दूसरी ओर चीन के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना चाहता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस पूरे मामले में चीन की भूमिका भले ही प्रत्यक्ष रूप से सामने न आई हो, लेकिन उसका प्रभाव स्पष्ट रूप

काम का पूरा दाम देना होगा, नहीं तो कार्रवाई तय : योगी

लखनऊ, (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिकों के हितों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए फैक्ट्री मालिकों और ठेकेदारों को स्पष्ट चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अब श्रमिकों से काम लेकर भुगतान में टालमटोल या कटौती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि श्रमिक ने काम किया है, तो उसे उसका पूरा दाम मिलना ही चाहिए, अन्यथा सरकार सख्त कार्रवाई करेगी।

लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'श्रमवीर गौरव कार्यक्रम' को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले श्रमिकों का शोषण होता था, लेकिन अब सरकार उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने हाल ही में नोएडा में हुए श्रमिक प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में औद्योगिक अशांति किसी भी कीमत पर नहीं होने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्रदेश में श्रमिकों के ठहरने के लिए डोरमेट्री और सस्ती कैंटीन की व्यवस्था की जाएगी।

मजदूरों को नहीं मिल पा रही है न्यूनतम मजदूरी : गहलोत

जयपुर (वार्ता)

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि देश में मजदूरों की हालत गंभीर हैं और उन्हें न्यूनतम मजदूरी भी नहीं मिल पा रही है, जिसमें राजस्थान की तो स्थिति और खराब है और वह देश में मजदूरी में सबसे नीचे है जो बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

श्री गहलोत ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर मीडिया से बातचीत के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज मजदूरों का दिवस है और इसीलिए कहा गया था, उस जमाने के अंदर कि दुनिया के मजदूरों एक हो जाओ। आज उसके बावजूद भी जो हालात हैं, बहुत गंभीर हैं। जो मजदूरी है, जो न्यूनतम मजदूरी होती है वो भी मजदूरों को नहीं मिल पा रही है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है।

उन्होंने कहा कि नोएडा में तमाशा कितना बड़ा हो गया। किस प्रकार से लोग सड़कों पर आ गये तो सरकार को एक चेतावनी है कि वह अपने आप के अंदर कि किस प्रकार से मजदूरों का ख्याल रखें। जो मालिक हैं, उनकी ड्यूटी है कि किस प्रकार से वह अपने मजदूरों का ख्याल रखें। खुद की जिम्मेवारी बनती है नैतिक रूप से भी और उसके अभाव के अंदर यह स्थिति बनती है। बहुत चिंताजनक स्थिति है पूरे मुल्क में। उन्होंने कहा कि राजस्थान की तो स्थिति और खराब है। यहां तो जो राज्य देश में सबसे नीचे है मजदूरी में उसमें राजस्थान आता है। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री गहलोत ने कहा कि उन्होंने कल ही मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है कि प्रदेश में मजदूरी को बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने गिग वर्कर्स के लिए कानून पास किया था, जो पूरे देश के अंदर सिर्फ राजस्थान ने पास किया वो कानून। कांग्रेस सरकार की पहल को देश और दुनिया में पहचान मिली थी। दुर्भाग्य से सरकार बदल गयी और इन्होंने उस कानून को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया है। न नियम बनाये, न उनकी रक्षा कर रहे, रोज अखबार में आता है, उनकी स्थिति क्या आज भी आया होगा। स्थिति बहुत गंभीर है राजस्थान के अंदर उस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिलिकोसिस बीमारी की स्थिति बहुत ही नाजुक है। वहां पर जो माइनिंग के मालिक हैं, उनकी जिम्मेदारी है कि वे पाबंद करें मजदूरों को भी कि किस प्रकार से उनके प्रोटेक्शन के लिए जो मास्क लगाना है, या अन्य तरह के जो कई उपकरण भी आ गये आजकल, कई तरह की गाइडलाइन आ गयी है, उनको फॉलो करें, उसी मजदूर को रखें वहां पर।

भारत में चीन दूतावास ने मानसरोवर यात्रा को शुरू करने का स्वागत किया

नयी दिल्ली, (वार्ता)। भारत में चीनी दूतावास ने वर्ष 2026 के लिए कैलाश मानसरोवर यात्रा को भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए फिर से शुरू करने का स्वागत किया है।

दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि इस वर्ष 1,000 भारतीय तीर्थयात्रियों को यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी।

सुश्री जिंग ने अपनी पोस्ट में लिखा, हमें इस वर्ष 1,000 भारतीय तीर्थयात्रियों को सुविधा प्रदान करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि यह यात्रा इन दो महान सभ्यताओं के बीच विश्वास, मित्रता और जन-जन के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने के लिए एक सेतु का काम करेगी।

एपस्टीन की मौत पर नया खुलासा सेलमेट को मिला था सुसाइड नोट

नई दिल्ली

अमेरिकी फाइनेंसर और बच्चों का यौन शोषण करने मामले में मुख्य दोषी जेफरी एपस्टीन की मौत को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2019 में अपनी जेल कोठरी में मरने से पहले उसने एक नोट लिखा था। जिसे पिछले सात सालों से सीलबंद और गोपनीय तरीके से रखा गया था।

खबरों के अनुसार, यह नोट सबसे पहले एपस्टीन के साथ कोठरी में रहने वाले निकोलस टार्टाग्लियोन को मिला था। टार्टाग्लियोन एक पूर्व पुलिस अधिकारी है, जिसे कई हत्याओं और ड्रग्स का धंधा चलाने का दोषी ठहराया गया है। यह जुलाई 2019 की बात है, एपस्टीन के आत्महत्या की पहली कोशिश के कुछ ही दिनों बाद; उस समय वह अपनी गर्दन के चारों ओर कपड़ा लपेटे हुए बेहोश मिला था।

टार्टाग्लियोन ने बताया कि उसे यह नोट उनकी साझा कोठरी में रखी एक ग्राफिक नॉवेल के अंदर मिला था। यह एक लीगल पैड से फाड़े गए पीले रंग के कागज के टुकड़े पर लिखा था, और उस पर अलविदा कहने का समय आ गया है वाक्य लिखा था। टार्टाग्लियोन ने इस नोट को जेल के अधिकारियों को देने की जगह अपने वकीलों को दे दिया। जिन्होंने दावा किया कि, उन्होंने इसकी प्रामाणिकता की पुष्टि की है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने ऐसा कैसे किया।

बाद में उसने बताया कि, उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उसे डर था कि एपस्टीन उस पर यह आरोप लगा सकता है कि, उसने उस पर हमला करने की साजिश रची है और उसे आत्महत्या जैसा दिखाने की कोशिश की है। टार्टाग्लियोन के मामले की सुनवाई कर रहे संघीय न्यायाधीश ने तब उस नोट को सीलबंद कर दिया था। बता दें कि, इस नोट को अब तक न तो न्याय विभाग और न ही एपस्टीन की मौत की जांच कर रहे अधिकारियों ने देखा है। वास्तव में, इसे अभी तक सार्वजनिक भी नहीं किया गया है। जबकि, टार्टाग्लियोन मामले के न्यायाधीश से इस नोट को सार्वजनिक करने का अनुरोध किया है। उनका तर्क है कि, इस नोट का पूर्व पुलिस अधिकारी के मामले से कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि यह नोट एपस्टीन के जीवन और मृत्यु की जांच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और यह उसके अंतिम दिनों में उसकी मानसिक स्थिति पर प्रकाश डाल सकता है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

ग्लोरी के लिए योद्धा की तरह ट्रेनिंग करते नजर आए कुणाल ठाकुर

अभिनेता कुणाल ठाकुर ने अपनी आने वाली वेबसीरीज ग्लोरी के लिए योद्धा की तरह ट्रेनिंग की है। कुणाल ठाकुर अपने आने वाले शो ग्लोरी के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, और सोशल मीडिया पर वाइरल हो चुका हालिया बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो इस बात का सबूत है कि उन्होंने अपनी

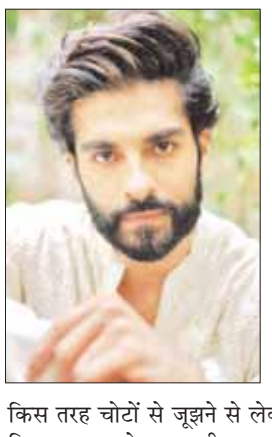

तैयारी कितनी मेहनत और जुनून से की है। इस इंटेंस फुटेज में कुणाल को हाई-इम्पैक्ट बॉक्सिंग सेशंस, स्ट्रेंथ वर्कआउट्स और एंड्योरेंस ड्रिल्स के साथ कड़ी फिजिकल ट्रेनिंग करते देखा जा सकता है, जिससे वे स्क्रीन पर एक दमदार फाइटर के रूप में नजर आ सकें। वीडियो शेयर करते हुए कुणाल ने अपने इस सफर की चुनौतियों के बारे में भी खुलकर बात की है। उन्होंने इसे सिर्फ एक फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन नहीं, बल्कि एक युद्ध बताया है, जिसने उन्हें हर स्तर पर परखा। उन्होंने बताया कि किस तरह चोटों से जूझने से लेकर आत्म-संदेह के पलों तक, बार-बार गिरकर खड़ा होना, उनकी पहचान बन चुकी है। यही वजह है कि ग्लोरी में उनका किरदार राका सिंह बेनीवाल आराम में नहीं, बल्कि अनुशासन, दर्द और अपने अटूट विश्वास में ढला है। कुणाल ने अपने कैप्शन में लिखा है, यह सफर सिर्फ बॉडी बनाने का नहीं, बल्कि खुद को साबित करने का था। मैं नेटफ्लिक्स और एटॉमिक फिल्म्स के साथ अपने बॉक्सिंग कोच और टीम का भी आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे अपनी सीमाओं से आगे बढ़ाया। गौरतलब है कि एक मई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करने जा रहे वेब सीरीज़ ग्लोरी में पुलकित सम्राट के साथ नजर आने वाले कुणाल का किरदार हाई-ऑक्टेन एक्शन से भरपूर है। इस शो में कुणाल न सिर्फ फिजिकली बल्कि इमोशनली भी रिंग में उतरते दिखेंगे। ऐसे में उनकी ट्रेनिंग इस बात को दर्शाती है कि एक मजबूत फाइटर को निभाने के लिए कितनी मेहनत लगती है।

मन्ना डे ने शास्त्रीय संगीत को फिल्म जगत में विशिष्ट पहचान दिलाई

भारतीय सिनेमा जगत में मन्ना डे को एक ऐसे पार्श्वगायक के तौर पर याद किया जाता है जिन्होंने अपने लाजवाब पार्श्वगायन के जरिये शास्त्रीय संगीत को विशिष्ट पहचान दिलायी। प्रबोध चन्द्र डे उर्फ मन्ना डे का जन्म एक मई 1919 को कोलकाता में हुआ था।मन्ना डे के पिता उन्हें वकील बनाना चाहते थे लेकिन उनका रूझान संगीत की ओर था और वह इसी क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते थे।जब मन्ना डे स्कूल में थे तो स्टेज शो किया करते थे। फिर धीरे-धीरे उनकी दिलचस्पी स्पोर्ट्स में भी बढ़ी और बॉक्सिंग और पहलवानी करने लगे। हालांकि आगे चलकर उन्होंने संगीत को ही चुना। मन्ना डे ने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा अपने चाचा के.सी.डे से हासिल की।मन्ना डे के बचपन के दिनों का एक दिलचस्प वाक्या है।उस्ताद बादल खान और मन्ना डे के चाचा एक बार साथ-साथ रियाज कर रहे थे।तभी बादल खान ने मन्ना डे की आवाज सुनी और उनके चाचा से पूछा यह कौन गा रहा है।जब मन्ना डे को बुलाया गया तो उन्होंने अपने उस्ताद से कहा बस ऐसे ही गा लेता हूं लेकिन बादल खान ने मन्ना डे की छिपी प्रतिभा को पहचान लिया। वर्ष 1950 में संगीतकार एस. डी. बर्मन की फिल्म मशाल में मन्ना डे को 'ऊपर गगन' विशाल गीत गाने का मौका मिला।फिल्म और गीत की सफलता के बाद बतौर पार्श्वगायक वह अपनी पहचान बनाने में सफल हो गये । मन्ना डे को अपने करियर के शुरआती दौर में अधिक शोहरत नहीं मिली। इसकी मुख्य वजह यह रही कि उनकी सधी हुई आवाज किसी गायक पर फिट नहीं बैठती थी।यही कारण है कि एक जमाने में वह हास्य अभिनेता महमूद और चरित्र अभिनेता प्राण के लिए गीत गाने को मजबूर थे। फल्म काबुली वाला में मन्ना डे की आवाज में प्रेम धवन रचित यह गीत 'ए मेरे प्यारे वतन ऐ मेरे बिछड़े चमन' आज भी श्रोताओं की आंखो को नम कर देता है । प्राण के लिए उन्होंने फिल्म उपकार में 'कस्मे वादे प्यार वफा' और जंजीर में 'यारी है ईमान मेरा यार मेरी जिंदगी' जैसे गीत गाए। उसी दौर में उन्होंने फिल्म पड़ोसन में हास्य अभिनेता महमूद के लिए 'एक चतुर नार' गीत गाया तो उन्हें महमूद की

आवाज समझा जाने लगा। आमतौर पर पहले माना जाता था कि मन्ना डे केवल शास्त्रीय गीत ही गा सकते हैं लेकिन बाद में उन्होंने 'ऐ मेरे प्यारे वतन', 'ओ मेरी जोहरा जबीं', 'ये रात भीगी-भीगी', 'ना तो कारवां की तलाश है' और 'ए भाई जरा देख के चलो' जैसे गीत गाकर अपने आलोचकों का मुंह सदा के लिए बंद कर दिया। जब वह उंचा सुर लगाते है तो ऐसा लगता है कि सारा आसमान उनके साथ गा रहा है जब वह नीचा सुर लगाते है तो लगता है उसमें पाताल जितनी गहराई है और यदि वह मध्यम सुर लगाते है तो लगता है उनके साथ सारी धरती झूम रही है। मन्ना डे के पार्श्वगायन के बारे में प्रसिद्ध संगीतकार अनिल विश्वास ने एक बार कहा था कि मन्ना डे हर वह गीत गा सकते हैं।जो मोहम्मद रफी, किशोर कुमार या मुकेश ने गाए हो लेकिन इनमें कोई भी मन्ना डे के हर गीत को नही गा सकता है। इसी तरह आवाज की दुनिया के बेताज बादशाह मोहम्मद रफी ने एक बार कहा था आप लोग मेरे गीत को सुनते हैं लेकिन यदि मुझसे पूछा जाए तो मैं कहूंगा कि मैं मन्ना डे के गीतों को ही सुनता हूं। मन्ना डे केवल शब्दों को ही नहीं गाते थे, अपने गायन से वह शब्द के पीछे छिपे भाव को भी खूबसूरती से सामने लाते थे। शायद यही कारण है कि प्रसिद्ध हिन्दी कवि हरिवंश राय बच्चन ने अपनी अमर कृति 'मधुशाला' को स्वर देने के लिए मन्ना डे का चयन किया। मन्ना डे को फिल्मों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 1971 में पद्मश्री पुरस्कार और 2005 में पद्मभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा वह 1969 में फिल्म मेरे हुजूर के लिए सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक बने। 1971 में बंगला फिल्म 'निशि पदमा' के लिए सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक और 1970 में प्रदर्शित फिल्म 'मेरा नाम जोकर' के लिए फिल्म फेयर के सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक पुरस्कार से सम्मानित किए गए। मन्ना डे के संगीत के सुरीले सफर में एक नया अध्याय जुड़ गया जब फिल्मों में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें वर्ष 2007 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मन्ना डे ने अपने पांच दशक के करियर में लगभग 3500 गीत गाए। अपने लाजवाब पार्श्वगायन से श्रोताओं के दिलमें खास पहचान बनाने वाले मन्ना डे 24 अक्टूबर 2013 को इस दुनिया को अलविदा कह गए।

आयुष्मान खुराना ने आम आदमी के किरदारों को जीवंत किया :मुदस्सर अज़ीज़

निर्देशक मुदस्सर अज़ीज़ ने कहा है कि पिछले एक दशक में आयुष्मान खुराना ने आम आदमी के किरदारों को जिस तरह जीवंत किया है, वह उन्हें दर्शकों का चहेता बनाता है। निर्देशक मुदस्सर अज़ीज़ एक बार फिर एक भरपूर मनोरंजन करने वाली फिल्म %पति पत्नी और वो दो% के साथ लौट रहे हैं। अपनी लेखनी और निर्देशन से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले मुदस्सर इस बार आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी, सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह जैसे कलाकारों से सजी एक बहु-कलाकार फिल्म लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म हास्य, उलझन और रोज़मर्रा की परिस्थितियों से जुड़ी एक पारिवारिक मनोरंजक कहानी होने का वादा करती है। आयुष्मान के साथ काम करने पर बात करते हुए मुदस्सर ने कहा, पिछले एक दशक में इस प्रकार की फिल्मों में उनका काम उत्कृष्ट रहा है। मुझे गर्व है कि इस बार मैं उनके दर्शकों

के सामने एक ऐसा आयुष्मान प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो अपनी ही परिस्थिति का समाधान भी है। प्रजापति पांडे ने स्वयं को निभाने के लिए आयुष्मान खुराना को चुना है। फिल्म श्रृंखला के बारे में बात करते हुए मुदस्सर ने पति पत्नी और वो दो के विकास पर जोर दिया और संकेत दिया कि यह फिल्म अपने मूल हास्य तत्वों को बनाए रखते हुए एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करेगी। मुदस्सर ने सेट पर कलाकारों के बीच तालमेल को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, परिस्थिति-आधारित हास्य में कई किरदारों की कहानी को साथ लेकर चलना एक प्रभावशाली पटकथा की माँग करता है। केवल हास्य प्रसंगों पर निर्भर न रहकर, किरदारों को परिस्थितियों में रखना जरूरी होता है, जिससे उनके चरित्र की यात्रा बनी रहे। जहाँ तक हास्य की लय का सवाल है, मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे इस फिल्म में 6-7 उत्कृष्ट कलाकारों के साथ काम करने का अवसर मिला और इसका श्रेय उन्हें भी उतना ही जाता है, जितना मुझे।

मंत्री प्रहलाद पटेल और सांसद चौधरी दर्शन सिंह जल गंगा संवर्धन अभियान में शामिल हुए

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल और सांसद श्री चौधरी दर्शन सिंह गुरूवार को नरसिंहपुर जिले के सींगरी नदी के पट्टा (पटपटा घाट) में पहुंचे और स्वच्छता अभियान में शामिल हुए। उन्होंने नदी तट पर पैदल चलकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और स्वच्छता के कार्यों का जायजा लिया। मंत्री श्री पटेल ने अभियान के दौरान स्वच्छता के महत्व पर बल देते हुए कहा कि जल स्त्रोतों का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जनसहभागिता को इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए सभी से निरंतर सहयोग करने का आह्वान किया। स्वच्छता अभियान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, स्वयंसेवी संगठनों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सींगरी नदी व तटों की साफ-सफाई में योगदान दिया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे, श्री रामसनेही पाठक, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शानू चौधरी, अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत श्री उदय सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, स्वयंसेवी संगठन एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

मंत्री उदय प्रताप सिंह भगवान नरसिंह जी के प्रकटोत्सव के अवसर पर आरती में हुए शामिल

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

प्रांगण में चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन किया

प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह गुरूवार को भगवान नरसिंह जी के प्रकटोत्सव के अवसर पर नरसिह मंदिर प्रांगण नरसिंहपुर पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान के साथ भगवान नरसिंह जी का पूजा- अर्चना की और आरती में शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने नरसिंह मंदिर प्रांगण में चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री नीरज दुबे, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप भूरिया, अन्य अधिकारी, अधिकारी, मंदिर समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे : मंत्री उदय प्रताप सिंह

मंत्री श्री सिंह ने चावरा विद्यापीठ नरसिंहपुर में मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार के प्रयासों से शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त हो, जिससे वे अपने भविष्य को बेहतर बना सकें, हमारी सरकार इस दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई, योग्य शिक्षकों की उपलब्धता तथा आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके और उन्हें उनकी रूचि अनुसार उच्च शिक्षा प्राप्त हो सके। मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह चावरा विद्यापीठ में नरसिंहपुर जिले के स्कूल शिक्षा विभाग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह के आगमन पर उनका फूल मालाओं से स्वागत किया गया। मां सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मंत्री श्री सिंह ने इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों और विद्यार्थियों का सम्मान किया।

मंत्री श्री सिंह ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षा के हर क्षेत्र के लिए बजट में वृद्धि की है, जिससे विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण मिले, इसके लिए सुविधाओं का भी विस्तार किया गया है, जिससे विद्यार्थी आगे बढ़कर अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि विद्यार्थियों को प्रारंभिक स्तर से ही गुणवत्तापूर्वक शिक्षा देना आवश्यक है, जिससे विद्यार्थी अपनी रूचि अनुसार विषयों का चयन कर आगे बढ़ सकें। आयोजित कार्यक्रम को जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश और जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने भी संबोधित किया।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 3 मई को

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। पूर्व न्यायाधीश, माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं वर्तमान अध्यक्ष, सर्वोच्च न्यायालय सड़क सुरक्षा समिति न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में रविवार 3 मई को प्रात: 10 बजे से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कार्यालय कलेक्टर नरसिंहपुर के द्वितीय तल स्थित सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दंडाधिकारी श्री गजेन्द्र नागेश ने सभी संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी के साथ समय पर बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का आग्रह किया है।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित करने का आदेश जारी किया

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह ने मप्र पेयजल परीक्षण अधिनियम 1986 एवं संशोधन अधिनियम 2002 के प्रावधानों के तहत जनहित में जिले के समस्त विकासखंडों के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों को तत्काल प्रभाव से जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित करने का आदेश जारी किया है। जल अभावग्रस्त क्षेत्र संबंधी आदेश 30 जून 2026 तक लागू रहेगा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती रजनी सिंह के द्वारा जारी आदेश के मुताबिक कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के जल अभावग्रस्त क्षेत्र में किसी भी शासकीय भूमि पर स्थित जल स्त्रोतों में पेयजल तथा घरेलू प्रयोजनों को छोड़कर अन्य किसी भी प्रयोजनों के लिए नहरों में प्रवाहित जल के अलावा अन्य स्त्रोतों का जल दोहन किन्ही भी साधनों द्वारा जल का उपयोग नहीं करेगा। जिले के समस्त विकासखंडों एवं नगरीय क्षेत्रों के समस्त नदी, नालों, स्टापडैम, सार्वजनिक कुंओं तथा अन्य जल स्त्रोतों का उपयोग एवं घरेलू प्रयोजन के लिए तत्काल प्रभाव से सुरक्षित किया जाता है। जिले के जल अभावग्रस्त क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति स्वयं अथवा प्राइवेट ठेकेदार अनुविभागीय राजस्व अधिकारी के पूर्व अनुज्ञा प्राप्त किए बिना किसी भी प्रयोजन के लिए नवीन नलकूप का निर्माण नहीं करेगा। यह आदेश शासकीय नलकूप खनन पर लागू नहीं होगा।

जिन व्यक्तियों को अपनी निजी भूमि पर नलकूप खनन कार्य करना है, उन्हें ऐसा करने के लिए निर्धारित प्रारूप में निर्धारित शुल्क के साथ संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को आवेदन करना होगा। जिले के जल अभावग्रस्त क्षेत्र के समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को उनके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सक्षम अधिकारी प्राधिकृत किया जाता है। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी अनुमति देने के पूर्व आवश्यक जांच एवं परीक्षण की कार्यवाही पूर्ण करेंगे तथा अनुमति दिए जाने के संबंध में संबंधित क्षेत्र के सहायक यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से अभिमत/अनुशंसा प्राप्त करेंगे। खनित नलकूप असफल होने पर नलकूपों में से केसिंग नहीं निकाली जाएगी। नलकूप में केप लगाकर चारों ओर 0.50 गुणा 0.50 गुणा 0.60 मीटर के साईज का सीमेंट कांक्रीट ब्लॉक बनाना अनिवार्य होगा। सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत सूख जाने के कारण वैकल्पिक रूप से दूसरा कोई सार्वजनिक पेयजल स्त्रोत उपलब्ध नहीं होने पर जनहित में संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी उस क्षेत्र के निजी पेयजल स्त्रोत को पेयजल परीक्षण संशोधन अधिनियम 2002 के प्रावधानों के अधीन अधिग्रहण निश्चित अवधि के लिए कर सकेंगे। आदेश के उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध मप्र पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 9 (मध्यप्रदेश पेयजल परिक्षण (संशोधन) अधिनियम 2022 के द्वारा संशोधित) एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत दंडात्मक कार्यवाही की जा सकेगी। इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती सिंह ने आदेश का प्रभावी क्रियान्वयन समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी, तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी, अनुविभागीय पुलिस अधिकारी, सभी थाना प्रभारी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के समस्त फील्ड स्तर के अधिकारी/कर्मचारी, सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों, सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा सभी ग्राम पंचायतों के सचिवों को सुनिश्चित करने को कहा। उल्लेखनीय है कि कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा अवगत कराया गया है कि ग्रीष्म ऋतु में नरसिंहपुर जिले के औसत भू-जल स्तर में गिरावट हुई है। सिंचाई इत्यादि कार्यों में भू-गर्भीय जल का अत्यधिक दोहन होने के कारण पेयजल स्त्रोतों के जल स्तर में कमी आई है। इस कारण जिले के समस्त विकासखंड एवं नगरीय/ शहरी क्षेत्रों के नलकूपों एवं अन्य जल स्त्रोतों के जल स्तर में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे जिले में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित होने की संभावना है।

पेयजल संकट की स्थिति को देखते हुए उनके द्वारा अनुशंसा की गई है कि निजी नलकूप खनन में पूर्णत: प्रतिबंध लगाया जावे, जिससे सार्वजनिक पेयजल स्त्रोतों की क्षमता प्रभावित न हो। जनहित में पेयजल एवं अन्य निस्तार समस्याओं को देखते हुए जनता को पेयजल प्रदाय बनाए रखने एवं बढ़ाने के लिए पेयजल का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए तथा जनता की आवश्यकता की पूर्ति के लिए सम्पूर्ण जिले को जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित करने का आदेश जारी किया गया है।

बम्हौरी कलां में कार्यरत दो शिक्षकों का सेवाभिनंदन समारोह किया आयोजित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। बम्हौरी कलॉ में कार्यरत उच्च श्रेणी शिक्षक पुरुषोत्तम मेहरा एवं सहायक शिक्षक मदन कुमार पटैल का सेवाभिनंदन समारोह का आयोजन किया। मंचासीन पूर्व प्राचार्य श्रीमती मुमताज खान, पुरुषोत्तम मेहरा, मदन कुमार पटैल, सुश्री डॉ दीपिका पटैल, श्रीमती ऊषा सिंह, नगेन्द्र त्रिपाठी के द्वारा मां वीणावादिनी के पूजन उपरांत अतिथियों का स्वागत विश्वनाथ शर्मा, मुन्नालाल राजपूत, अमित कुमार वर्मा, प्रियंका भोंसले,मोहन कोरी, हेमलता कोरी द्वारा पुष्प माला एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। उपस्थित मानसिंह मेहरा पूर्व सहायक प्राध्यापक के द्वारा मेहरा जी के जीवनशैली को संक्षिप्त में बताया। तदुपरांत नगेन्द्र त्रिपाठी ने अपने उद्बोदन में दोनों शिक्षकों के सरल एवं सौम्य व्यक्तित्व को बताते हुए उनकी कार्यशैली के अनुभव साझा किए। पूर्व प्राचार्य श्रीमती मुमताज खान, अरविंद कुमार गुबरेले, विश्वनाथ शर्मा,मुन्नालाल राजपूत, श्रीमती शबनम निशा के द्वारा उद्बोदन में अपने अनुभव साझा कर शुभकामनाएं प्रेषित की। वाचन दुर्गेश सिंह एवं अमित कुमार वर्मा के द्वारा किया गया। सहायक प्राध्यापक के पद चयन होने पर डॉ. दीपिका पटैल को बम्हौरी कलॉ के स्टाफ द्वारा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। नन्दकिशोर प्रजापति के द्वारा एक प्यार का नगमा है मौजों की..... एवं संचालन कर रहे शिक्षक राघवेन्द्र चौधरी के गीत - कभी किसी को मुकम्मल जहाँ नहीं मिलता है..... दोनों ने शानदार नगमें प्रस्तुति कर कार्यक्रम में समा बांध दिया। शिक्षकों को संकुल के उपस्थित शिक्षकों के द्वारा सम्मानित किया। संचालन राघवेंद्र चौधरी एवं आभार प्रदर्शन प्राचार्य श्रीमती ऊषा सिंह द्वारा किया गया। शिक्षक दुर्गेश सिंह, प्रियंका भोंसले, मंजू नागवंशी, मोहन कोरी, हेमलता कोरी, शबनम निशा, आरती चौरसिया, आरती यादव, प्रतीक्षा मालवीय, देवेन्द्र ठाकुर, निशांत श्रीवास्तव, नारायण तिवारी, निशांत शर्मा, अक्षिता अवस्थी, शिखा दुबे, संजना नागा, कुंती मेहरा, लक्ष्मीकांत कौरव, राजेन्द्र राजपूत, डालचंद पटैल, मंजीत पटैल, विकल्प जैन, संदीप कुमार खरे, लक्ष्मीकांत मिश्रा, अनिमेष राजपूत, बालकिशन मेहरा, चन्द्रभान गूजर, जगदीश गूजर, जितेंद्र पांडे उपस्थित थे।

दिव्यम सेवा समिति ने खोला सार्वजनिक प्याऊ

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

गर्मी के मौसम प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी दिव्यम सेवा समिति द्वारा आम जनों के लिए ठंडे जल की व्यवस्था हेतु प्याऊ लगाई गई । गाडरवारा नगर में धार्मिक, सामाजिक, सास्कृतिक व सेवा कार्यों मे निरंतर अग्रणी रहकर दिव्यम सेवा समिति निस्वार्थ भाव से कार्य किए जाते हैं । वैशाख, जेठ और अषाढ मास् की भीषण गर्मी मे आमजनों की प्यास बुझाने शीतल पेयजल की व्यवस्था छीपा तिराहे पर प्याउ खोलकर जनसेवा का कार्य किया है, इस अवसर पर समिति की प्रमुख श्रीमती सुषमा साहू, काजल, महेन्द्र कौरव मुन्ना लाल, राकेश, राहुल आदि सदस्यो की उपस्तिथि रही ।

नरसिंहपुर के अस्सू नेमा अब संभालेंगे नगरीय निकाय प्रकोष्ठ, प्रदेश सचिव नियुक्त

अस्सू नेमा प्रदेश सचिव नियुक्त

नरसिंहपुर।स्वतंत्रमत। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल करते हुए नगरीय निकाय प्रकोष्ठ का विस्तार किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कमले की सहमति से नगरीय निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष निशंक जैन ने नरसिंहपुर जिले के वरिष्ठ पूर्व पार्षद अस्सू नेमा को प्रदेश सचिव नियुक्त किया है।पूर्व पार्षद अस्सू नेमा लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय हैं और नगरीय क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को लेकर मुखर रहे हैं। जमीनी पकड़ और साफ-सुथरी छवि के चलते पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति की खबर मिलते ही नरसिंहपुर, गोटेगांव एवं आसपास के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। इस अवसर पर अस्सू नेमा ने कहा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी , डॉ. संजय कमले एवं निशंक जैन ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा।

12 टीबी मरीजों को फूड बास्केट किए प्रदान

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय नरसिंहपुर में 12 टीबी मरीजों को पोषण सहयोग के लिए फूड बास्केट प्रदान किए। टीबी मरीजों को फूड बास्केट वितरण करना जिला क्षय नियंत्रण केन्द्र द्वारा एक अभिनव पहल है। इसका उद्देश्य टीबी मरीजों के उपचार के साथ- साथ उनके पोषण स्तर में सुधार करना है, जिससे वे शीघ्र स्वस्थ हो सके। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने स्वयं मरीजों को फूड बास्केट वितरित कर टीबी उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे प्रयासों की सराहना की। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि टीबी के इलाज में पोषण का विशेष महत्व है। इसी उद्देश्य से निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत मरीजों को सहायता प्रदान की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर श्रमिक,वृद्ध महिलाओं को उपहार स्वरूप साड़ी भेंट कर किया गया सम्मान

उमरिया- अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा मजदूर वर्ग के लोगों को इकट्ठा कर पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा की उपस्थिति में मजदूरों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रमिक वृद्ध महिलाओं को साड़ी, पुष्पगुच्छ,फल, बिस्कुट, आम रस व पानी बोतल उपहार स्वरूप भेंट कर सम्मानित किया गया। उमरिया पुलिस के पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा ने मजदूरों को सम्मानित करते हुए कहा कि मजदूर देश के विकास के महत्वपूर्ण कड़ी है, बिना इनके सहयोग के विकास संभव नहीं है इसलिए हमें मजदूरों के साथ प्रेम और मानवता पूर्ण व्यवहार करना चाहिए । किसी भी राष्ट्र को आर्थिक रूप से सशक्त और सुदृढ़ बनाने में मजदूरों की भूमिका सर्वोपरि होती है। मजदूर ही परिवार, समाज और राष्ट्र का स्तंभ होता है रात दिन अपने आजीविका के लिए वह मेहनत तो करता ही है लेकिन साथ ही साथ समाज और राष्ट्र को भी समृद्ध बनाता है। खेती से लेकर विज्ञान शास्त्र निर्माण तक मजदूरों की भूमिका सराहनीय रही है। हम सभी समाज के लोगों को मजदूरों को सम्मान देने के साथ-साथ उनकी रक्षा और सुरक्षा करने में आगे बढ़कर महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहिए।

करेली में घर-घर जनगणना शुरू, सभी वार्डों में टीम सक्रिय

करेली।

नगर में वर्ष 2026 की जनगणना का कार्य अब तेज़ी से शुरू हो गया है। गणेश वार्ड सहित नगर के सभी 15 वार्डों में घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करने का काम सतत रूप से किया जा रहा है। जनगणना टीम निर्धारित प्रक्रिया के तहत नागरिकों से आवश्यक जानकारी ले रही है। गणेश वार्ड में प्रगणक नीलू उपाध्याय, नगर पालिका सुपरवाइजर आसिफ खान एवं वार्ड प्रभारी गौतम रजक, राधावल्लभ वार्ड में सुपरवाइजर आशीष दुबे, शिक्षक सविता दुबे जनगणना कार्य में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं एवं टीम द्वारा प्रत्येक घर तक पहुंचकर परिवार के सदस्यों, शिक्षा, रोजगार और अन्य जरूरी विवरणों का संकलन किया जा रहा है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में सहयोग करें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि भविष्य की योजनाओं और विकास कार्यों के लिए सटीक आंकड़े तैयार किए जा सकें।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 06 अ-20(1) सन् 2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्रवाई इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 15/05/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नजूल शीट क्रमांक	नगरीय क्षे. का नाम	प्लाट नं.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में अंकित/धारक/धारकों का नाम/ पिता/माता/ पिता का नाम तथा पूर्ण पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/माता/ पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1	2	3	4	5	6
14	कंदेली	23/12	345 वर्गफुट	ओंकारसिंह पटैल आ. टावलसिंह पटैल निवासी बेलापुरकरवार्ड कंदेली	ओंकारसिंह पटैल आ. टावलसिंह पटैल निवासी बेलापुरकरवार्ड कंदेली

आज दिनांक 08/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

बिलासपुर में पकड़े गए कटनी के सटोरिए

भाजपा पार्षद का भतीजा भी आरोपियों में शामिल

कटनी (स्वतंत्रमत)

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सट्टा किंग से जुड़े एक बड़े ऑनलाइन सट्टा गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। यह अंतरराज्यीय नेटवर्क आईपीएल मैचों और ऑनलाइन लूडो गेम के जरिए करोड़ों रुपये का सट्टा संचालित कर रहा था। पुलिस ने छापामार कार्यवाही करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से तीन आरोपी कटनी के निवासी हैं। बताया जाता है कि बिलासपुर में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा कारोबार संचालित करते पकड़ा गया माधवनगर कटनी निवासी एक युवक कटनी के भाजपा पार्षद का भतीजा है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सकरी थाना क्षेत्र की ओम स्पेस कॉलोनी में छापेमारी की। मौके से 7 लोगों को हिरासत में लिया गया, जो संगठित तरीके से ऑनलाइन सट्टे का संचालन कर रहे थे। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 21 मोबाइल फोन, 3 लैपटॉप, एटीएम कार्ड, पासबुक और एक क्रेटा कार क्रमांक एमपी 18 जेडबी 8565 बरामद की है। जब्त किए गए उपकरणों से सट्टे के संचालन और लेनदेन से जुड़े

अहम सुराग मिले हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों के मोबाइल और लैपटॉप में 2 करोड़ रुपये से अधिक के सट्टा लेनदेन का रिकॉर्ड मौजूद है। इससे गिरोह के बड़े स्तर पर सक्रिय होने की पुष्टि की गई है। इस गिरोह का मुख्य आरोपी राहुल छाबड़ा बताया जा रहा है, जो पहले भी इस तरह के मामलों में शामिल रह चुका है। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है और अन्य जुड़े लोगों की तलाश जारी है। इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी- पुलिस ने इस मामले में कार्यवाही करते हुए नेटवर्क के सरगना सरकंडा बिलासपुर निवासी 30 वर्षीय राहुल छाबड़ा पिता मोहन लाल छाबड़ा, सागर मप्र हाल मुकाम सकरी निवासी 21 वर्षीय ओमप्रकाश नागवानी पिता विजय कुमार नागवानी, बालाघाट निवासी 37 वर्षीय आशीष सोमानी पिता मनोहर लाल सोमानी, कटनी निवासी 26 वर्षीय कैलाश चावला पिता चंद्र लाल चावला, कटनी निवासी 42 वर्षीय विजय नागवानी पिता केशव नागवानी, कटनी निवासी 19 वर्षीय दिनेश लालवानी पिता माधव दास लालवानी सहित एक विधि से संघर्षरत बालक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अपराध क्रमांक 365/2026 के तहत छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 7(2) और बीएनएस की धारा 112 के तहत केस दर्ज किया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

89500 रुपये से अधिक समन शुल्क वसूला

यातायात नियमों का पालन न करने वाले को दी समझाइश

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार सडक दुर्घटना मे कमी लाने के उद्देश्य से हेलमेट न धारण करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध दिनाक 26 अप्रैल से 10 मई तक विशेष हेलमेट चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत 1 मई को कटनी जिले में पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया एवं एसडीएम कटनी प्रमोद चतुर्वेदी, डीएसपी अजाक शिवा पाठक की उपस्थिति में थाना प्रभारी माधव नगर निरीक्षक संजय दुबे व यातायात स्टाफ के द्वारा बिलहरी मोड़ पर यातायात नियमो का उलंघ्घन कर रहे वाहन चालको पर चालानी कार्यवाही की गई। चेकिंग के दौरान विशेषकर नशे में वाहन चलाने, बिना नम्बर प्लेट, ट्रिपल रायडिंग, दो पहिया वाहन पर हेलमेट न धारण किए हुए, यातायात नियमो के उलंघ्घन करते हुए पकडे जाने पर भांति भांति के बहाने वाहन चालको ने जुर्माने से बचने हेतु बनाए, पर कटनी पुलिस के द्वारा सख्ती से पेश आकर चालानी कार्यवाही की गई एवं वाहन चैकिंग के दौरान नाबालिग बालकों व्दारा दो पहिया वाहन चलाते पाए जाने पर पुलिस द्वारा संवेदनशीलता दिखाते हुए उन्हें रोककर तत्काल उनके परिजनों को सूचित किया। मौके पर पहुंचे परिजनों को द्वारा सख्त लहजे में पुलिस द्वारा समझाइश दी गई कि नाबालिग बच्चों को वाहन देना कानूनन अपराध होने के साथ-साथ उनके जीवन के लिए भी अत्यंत जोखिम भरा है। पुलिस ने स्पष्ट

किया कि अभिभावकों की यह लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है, अत: भविष्य में बच्चों को वाहन न देने की हिदायत देकर उन्हें छोड़ा गया। अधिकांशत: होने वाली सडक दुर्घटनाओ मे ज्यादातर वाहन चालक बिना हेलमेट के रहते है। अत: दुर्घटना नियंत्रण हेतु विशेष अभियान अंतरगत वाहन चैकिंग एंव जागरूकता अभियान 26 अप्रैल से 10 मई तक लगातार चालू रहेगा। कटनी पुलिस द्वारा सभी वाहन चालको से अपील की गई की सभी यातायात नियमो का पालन करे हेलमेट आवश्यकरूप से पहने, सीट बेल्ट पहने, अपने नाबालिग बालक व बालिकाओ का वाहन का उपयोग करने न देवे एंव शराब का सेवन करके वाहन न चलाये जो कि दुर्घटनाओ का मुख्य कारण होता है। यातायात नियमो का उलंघन करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यावाही के साथ-साथ लाईसेंस निलंबन की कार्यवाही भी की जावेगी।

कांग्रेस कार्यालय में संगठनात्मक बैठकों का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिला कांग्रेस कार्यालय आस्था प्लाजा में जिला प्रभारी मनु मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया गया। बैठक में जिला समन्वय समिति, पार्षद दल तथा जिला शहर कांग्रेस कमेटी, ब्लॉक अध्यक्षों एवं मंडलम अध्यक्षों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर मनु मिश्रा ने संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने, कांग्रेस की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी राजनीतिक रणनीति को मजबूती से लागू करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन विस्तार में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान उन्होंने संगठनात्मक ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करने हेतु जिला एवं ब्लॉक स्तर पर नवीन गठन, मंडलम कमेटियों के

सशक्तिकरण तथा बीएलए-2 की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। साथ ही वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने के निर्देश दिए, जिससे जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ और प्रभावशाली हो सके। बैठक के उपरांत उन्होंने पत्रकार बंधुओं से सौजन्य भेंट कर संगठन की गतिविधियों एवं भावी योजनाओं पर चर्चा की। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर आमजन की समस्याओं को उठाने एवं पार्टी की रीति-नीति को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदैव जनहित के मुद्दों पर संघर्ष करती रही है और आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ जनता के बीच खड़ी रहेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला प्रभारी मनु मिश्रा, शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला, ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह, विधानसभा प्रभारी राजेश चौबे, प्रियदर्शन गौर, विजय पटेल, राकेश जैन कक्का, बी.एम. तिवारी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा, मुकेश परोहा, मंगल सिंह, रामनरेश त्रिपाठी, हरिशंकर शुक्ल, पंकज गौतम, गोल्डन पांडे, अजय कोल, जालेम यादव, प्रशान्त जायसवाल, ओमकार सिंह, सुधीर जैन, राजेश जाटव, अजय जैसवानी, जितेंद्र गुप्ता, दिग्विजय सिंह, संजय गुप्ता, अहमद कुरैशी, सुशील जायसवाल, सौम्या राधेलिया, मीनाक्षी वाल्वी, माया चौधरी, हाजी गुलाम जाफर, रमेश मिश्रा, अजय वर्मा, राजेंद्र सोनी, रमेश अहिरवार, विनोद अहिरवार, राहुल पटेरिया, राहुल होतवानी, श्याम पाहुजा, श्याम यादव, शशि शेखर, इस्तियाक अहमद एवं इकलाक अहमद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

कटनी शहर में शिक्षा की नयी उडान 35 से 40 बच्चों को मिली एजुकेशन किट

कटनी (स्वतंत्रमत)

शिव शक्ति महिला मिलन ग्रुप और विद्या लोक फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में, उड़ान, एजुकेशन किट का वितरण कार्यक्रम शासकीय यशोदा बाई माध्यमिक शाला हीरागंज कटनी में सत्र के आखिरी दिन किया गया जिसमें जरूरतमंद बच्चों को एजुकेशन किट प्रदान की गयी जिसमें कापी, किताब ड्राइंग कलर एवं अन्य शिक्षण सामग्री थी हम सभी के द्वारा सफलतापूर्वक वितरण किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में स्वाति पाठक को आमंत्रित किया साथ में विद्या लोक के ओनर अर्जित खरे और स्कूल से विशेष सहयोगी के

रूप में मंजू सोनी रही आपका कार्यक्रम संपन्न कराने में विशेष योगदान रहा। लगभग 35 से 40 बच्चों को हमारे द्वारा यह एजुकेशन किट प्रदान की गयी एजुकेशन किट को पाकर सभी बच्चे बहुत खुश हुए, सभी बच्चों की खुशी देखते ही बन रही थी और सत्र के आखिरी दिन बच्चों में गर्मियों की छुट्टियों का उत्साह था उन्हें समझाया कि गर्मियों की छुट्टियों में घूमने-फिरने, मस्ती करने में ही ना बिताएं बल्कि अगली क्लास की तैयारी भी थोड़ी-थोड़ी करते चले। कार्यक्रम का संचालन ग्रुप संयोजिका शालिनी सोनी द्वारा किया गया, हमारे कार्यक्रम प्रभारी सुनीता तपा और लता सोनी रही जिन्होंने पुरा कार्यभार संभाला। और हमारे ग्रुप से मीना सुहाने, नीता बिजुरिया, शीला गुप्ता की सराहनीय उपस्थिति रही विद्या लोक फाउंडेशन से, विपांशु पटेल, मयंक त्रिसोलिया, ध्रुव बिचपुरिया, अंशू हरबोल, आयुष जैन रहे, यशोदा बाई स्कूल से प्रभारी प्रधानाध्यापक मंगलदीन पटेल, कीर्ति जायसवाल, राजेश्वरी सिंह ठाकुर, किरण अग्रवाल, रीना जायसवाल, बबिता, रामसखी रही सभी का सराहनीय सहयोग रहा सभी का हार्दिक आभार।

जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना की समाज सेविकाओं ने किया मजदूरों का सम्मान

कटनी (स्वतंत्रमत)

1 मई मजदूर दिवस के अवसर पर जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना की समाज सेविकाओं ने कामगारों का सम्मान किया। मजदूर दिवस के अवसर पर कंस्ट्रक्शन साइट में जाकर आहना की समाज सेविकाओं ने मजदूर और कामगारों का सम्मान किया। आहना की समाज सेविकाओं में कामगारों को धूप में सर ढकने के लिए गमछे, पानी की बोतल और स्नेक्स प्रदान किया। इस नेक कार्य में आहना की अध्यक्ष, वाणी गट्टाणी (डीए) निशा गुप्ता, (डीएफ) कविता लालवानी, उपाध्यक्ष स्वाति नायक और वंदना गट्टानी उपसचिव उपासना बजाज, शालिनी बजाज, उपकोष अध्यक्ष रश्मि गट्टाणी, सिमरन महेश्वरी, भव्या जसूजा, स्मिता सोमानी, रेनुका गोयनका, प्रीति बिलिया, रश्मि राय और सोनिया चौरसिया शामिल रही।

वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा का अवसर

हरिद्वार-ऋषिकेश के लिए आवेदन शुरू

कटनी (स्वतंत्रमत)

धार्मिक यात्रा की इच्छा रखने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक सुनहरा अवसर सामने आया है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत हरिद्वार-ऋषिकेश तीर्थ यात्रा के लिए जिले से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक नागरिक 3 मई तक आवेदन जमा कर सकते हैं। यह यात्रा 11 मई से 14 मई तक प्रस्तावित है। विशेष ट्रेन दमोह से प्रारंभ होकर कटनी, सतना होते हुए हरिद्वार पहुंचेगी और इसी मार्ग से वापसी करेगी। जिले को कुल 262 सीटें आवंटित की

गई हैं, जिससे बड़ी संख्या में बुजुर्ग तीर्थयात्री लाभान्वित होंगे। जिला प्रशासन द्वारा शहरी और ग्रामीण स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, ताकि आवेदन प्रक्रिया और यात्रा व्यवस्थाएं सुचारु रूप से पूरी की जा सकें। नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद और जनपद पंचायत स्तर पर जिम्मेदार अधिकारी तैनात किए गए हैं। योजना के तहत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के नागरिक पात्र होंगे, जबकि महिलाओं को 2 वर्ष की छूट दी गई है। 65 वर्ष से अधिक आयु के यात्री अपने साथ एक सहायक ले जा सकते हैं। पति-पत्नी के मामले में यदि एक भी पात्र है तो दोनों को यात्रा का लाभ मिलेगा। आवेदन के साथ समग्र आईडी, आधार कार्ड या वोटर आईडी अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा। इस योजना को वरिष्ठ नागरिकों के लिए न केवल धार्मिक यात्रा का अवसर माना जा रहा है, बल्कि यह उन्हें समान और सुविधा के साथ तीर्थ स्थलों के दर्शन का अनुभव भी प्रदान करती है।

चंद घंटों में नाबालिग बालक को किया बरामद

कटनी (स्वतंत्रमत)। एनकेजे पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक अपहृत नाबालिग बालक को कुछ ही घंटों में सुरक्षित बरामद कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने बालक को कटनी स्टेशन से दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया, जिससे परिवार में राहत की लहर दौड़ गई। एनकेजे थाना प्रभारी रूपेन्द्र राजपूत ने बताया कि एनकेजे थाने में दर्ज अपराध के तहत नाबालिग बालक के अपहरण का मामला सामने आया था। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत अपहृत बच्चों की शीघ्र बरामदगी के निर्देश दिए गए हैं। इसी के तहत एनकेजे थाना प्रभारी रूपेंद्र राजपूत के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बालक का पता लगाते हुए कटनी रेलवे स्टेशन से उसे सुरक्षित बरामद कर लिया। बालक के सकुशल मिलने पर परिजनों ने एनकेजे पुलिस की त्वरित कार्यवाही और संवेदनशीलता की सराहना की है।

घर में घुसकर चोरी के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत निवार पुलिस चौकी ने तत्परता दिखाते हुए रात्रि में घर में घुसकर चोरी का प्रयास करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। निवार पुलिस चौकी प्रभारी अंजनी मिश्रा ने बताया कि विगत 30 अप्रैल को निवार पुलिस चौकी क्षेत्र में एक आरोपी द्वारा रात के समय घर में घुसकर चोरी का प्रयास किया गया था। मामले की सूचना मिलते ही निवार पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए कार्रवाई शुरू की। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देश पर चोरी के मामलों में कार्रवाई के तहत यह कदम उठाया गया। निवार चौकी प्रभारी अंजनी मिश्रा ने टीम के साथ कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी दुर्गा प्रसाद पटेल 34 वर्ष निवासी बड़खेरा को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 331(4) 305(1) 62 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी अंजनी मिश्रा, प्रधान आरक्षक मनीष एवं आरक्षक अरविंद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मजदूर दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

कटनी (स्वतंत्रमत)

मजदूरों के अंतर्राष्ट्रीय पर्व मई दिवस के अवसर पर 01 मई, शुक्रवार को सुबह 9 बजे आयुध निर्माणी पूर्वी क्षेत्र स्थित यूनियन मंच पर मजदूर संघ, आ फै कर्मचारी यूनियन और वरिष्ठ नागरिक परिषद ने ध्वजारोहण किया और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता एमएल राजपूत एवं शेख मुस्ताक् ने मई दिवस के इतिहास पर प्रकाश डाला एवं सरकार की पूंजीवादी नीतियों को जमकर कोसा। आ फै कर्मचारी यूनियन के रजनीश शर्मा ने कहा किए वर्तमान सरकार 4 नये श्रम कानूनों, निगमीकरण एवं निजीकरण के रास्ते मजदूरों पर कुठाराघात कर रही है। ए आई डीई एफ के शिव पाण्डेय ने कर्मचारियों को मजदूर दिवस की शुभकामना देते हुए अपने उद्बोधन में कहा किए मई दिवस 2026 वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे दौर मैं आयोजित हो रहा है जब विश्व पूंजीवादी संकट चरम पर है। उसके भीतर की छटपटाहट एक तरह से ढांचाघट संकट पैदा

कर रहा है। ऐसे में भारत के मई दिवस के अवसर पर श्रमिक समस्याओं को ध्यान में रखते हुए यह विचारणीय है किए भारत सरकार द्वारा 29 श्रम कानून को समाहित करके नए चार श्रम कोड जो 21 नवंबर 2025 सै प्रभावी कर दिए गए हैं, जो कर्मचारी के हित में नहीं है। वेतन संहिता 2019- यह न्यूनतम मजदूरी और मजदूरों के समय पर भुगतान से संबंधित है। औद्योगिक संबंध संहिता 2020- यह ट्रेड यूनियन औद्योगिक विवाद और काम की स्थितियों से संबंधित है। सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020- यह पीएफए ई एस आई, पेंशन और जिग/ प्लेटफार्म वर्क्स की सुरक्षा से संबंधित है। व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्य संहिता 2020- यह कार्य स्थल पर सुरक्षा स्वास्थ्य और काम करने के घंटौ से संबंधित है। श्रमिक संगठन द्वारा इसका निरंतर विरोध किया जा रहा है किए यह पूंजीपतियों को मन-मानी करने, काम के समय की सीमा 8 घंटे से 12 घंटे किए जाने, श्रम संगठनो के अधिकारों हड़ताल प्रदर्शन आदि पर रोक लगाने की एक बड़ी सोची समझी योजना है। जिसका श्रम संगठनों द्वारा निरंतर विरोध किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजदूर दिवस 1 मई को मनाया जाता है। मई दिवस की नींव अमेरिका में 1886 में शिकागो में हुई राष्ट्रव्यापी हड़ताल जिसमें कार्य दिवस मैं 8 घंटे की मांग को लेकर की गई थी। परंतु पूंजीपतियों द्वारा शांति पूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं मजदूरों पर हे-मार्केट स्क्वायर हिंसक घटना गोलीबारी मैं जिसमें आठ मजदूर साथियों को अपनी जान की आहुति देनी पड़ी। जिस सुलह कै सफेद झंडे को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जा रहा था, वह कर्मचारियों के खून से रंग कर लाल हो गया और तभी से मजदूरों का झंडा लाल बन गया। हालांकि 1886 के आंदोलन के बाद कई कारखाने में दबाव के कारण 8 या 9 घंटे के काम को अपनाया गया। परंतु कानूनी रूप से अमेरिका में राष्ट्रीय स्तर पर 1937-1938 संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में राष्ट्रीय स्तर पर 8 घंटे कार्य दिवस कानून 1938 में फेयर लेबर स्टैंडर्ड एक्ट के तहत बनाया गया। भारतवर्ष में सबसे पहले लाल झंडा मद्रास अब चेन्नई तमिलनाडु में 01 मई 1923 को मद्रास की लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान के ऐतिहासिक आयोजन का नेतृत्व क्रांतिकारी नेता सिंगरावेलू चेट्टियार ने किया। यह पहला अवसर था जब भारत में लाल झंडे का उपयोग किया गया। भारत में 8 घंटे के कार्य दिवस की शुरुआत सर्वप्रथम टाटा स्टील द्वारा की गई। 1942 में डॉ बी आर अंबेडकर ने श्रम मंत्री के रूप में कानूनी मान्यता दिलाई, यह नियम अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मानकों के आधार पर 8 घंटे काम 8 घंटे आराम और 8 घंटे मनोरंजन के सिद्धांत तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के मानकों के आधार पर बनाया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल से आमजनों एवं निर्माणी के समस्त कर्मचारियों को वेज बिरयानी एवं कोल्ड ड्रिंक वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मजदूर संघ महामंत्री नरेंद्र पटेल ने किया। आभार देवेंद्र पाढ़ी ने और समापन की घोषणा राजेश दुबे ने की।

आखिरी उम्मीद बनाये रखने के लिए उतरेंगे मुंबई इंडियंस

चेन्नई (वार्ता)।

आईपीएल 2026 के 44वें मैच में एक बार फिर दो पुराने राइवल आमने-सामने होंगे। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) अपने घर में मुंबई इंडियंस (एमआई) का सामना करेगी और सीजन में दूसरी बार उन्हें हराने की कोशिश भी करेगी। इस सीजन आठ में से छह मैच गंवा चुकी मुंबई भी कोशिश करेगी कि अपने घर में मिली करारी हार का बदला चेपक में ले पाए। हालांकि, उनके लिए यह आसान नहीं होने वाला है। मुंबई के लिए यह मैच आखिरी उम्मीद बनाये रखने वाला मैच है जबकि एक जीत चेन्नई को प्लेऑफ की होड़ में बनाये रखेगी। चेन्नई के आठ मैचों में तीन जीत और छह अंक है और वह तालिका में छठे स्थान पर है।

बुमराह और बोल्ट लेंगे सीएसके की सलामी जोड़ी की परीक्षा

जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट पावरप्ले में सीएसके की सलामी जोड़ी ऋतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन को जल्दी आउट करने की कोशिश करेंगे। बोल्ट पहले ही दोनों को तीन-तीन बार आउट कर चुके हैं, जो उन्हें एक बड़ा ख़तरा बनाता है। गायकवाड़ ने बोल्ट के खिलाफ़ छह पारियों में सिर्फ़ 34 रन बनाए हैं और तीन बार आउट हुए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 110 है। जबकि बुमराह के खिलाफ़ गायकवाड़ ने चार पारियों में 29 रन बनाए हैं और एक बार भी आउट नहीं हुए और उनका स्ट्राइक रेट 153 रहा है। वहीं सैमसन का रिकॉर्ड बुमराह के खिलाफ़ 14 पारियों में 84 रन और दो बार आउट हुए हैं जबकि उन्होंने 114 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। बोल्ट के खिलाफ़ आठ पारियों में उन्होंने 32 रन बनाए हैं और तीन बार आउट हुए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 119 का रहा है।

मुंबई के मिडिल ऑर्डर के सामने स्पिनर्स की चुनौती

मुंबई के मिडिल ऑर्डर सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या को नूर अहमद और अकील हुसैन जैसे स्पिनर्स के ख़िलाफ चुनौती का सामना करना होगा। सूर्यकुमार ने नूर के खिलाफ़ छह पारियों में 133 की स्ट्राइक रेट से 65 रन बनाए हैं और 2 बार आउट हुए हैं, जबकि अकील के ख़िलाफ़ आठ पारियों में 114 की स्ट्राइक रेट से 64 रन बनाने के साथ ही वह दो बार आउट हुए हैं। तिलक ने अकील के खिलाफ़ पांच पारियों में केवल 87 की स्ट्राइक रेट से 20 रन बनाए हैं और 2 बार आउट हुए हैं। हार्दिक ने सात पारियों में 25 रन बनाए हैं और आउट नहीं हुए, लेकिन उनका स्ट्राइक रेट 81 ही रहा है।

गजनफर का मध्य ओवरों में असर

अल्लाह ग़ज़नफ़र इस सीजन में मुंबई के सबसे असरदार गेंदबाज़ रहे हैं और सीएसके के मिडिल ऑर्डर शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस और सरफराज ख़ान के खिलाफ अहम साबित हो सकते हैं।

आईपीएल 2026 में स्पिन के खिलाफ़ दुबे दो बार आउट हुए हैं, औसत 18.5 और स्ट्राइक रेट 142 है। सरफ़राज चार बार आउट हुए हैं, औसत सिर्फ़ 9.8 और स्ट्राइक रेट 122 है, जबकि ब्रेविस दो बार आउट हुए हैं, औसत 22 और स्ट्राइक रेट 138 है। ग़जनफ़र ने इस सीज़न में अपने 71 प्रतिशत ओवर (ओवर 7 से 16 के बीच) डाले हैं, जिसमें उन्होंने छह विकेट लिए हैं, 9.3 की इकॉनमी और 15 की स्ट्राइक रेट के साथ।

हार्दिक का अलग-अलग रूप

हार्दिक का इस सीज़न में प्रदर्शन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहा है, जो उनके भारत के लिए खेले गए मैचों से अलग है। 2026 में आईपीएल से पहले टी20 में हार्दिक ने 165 की स्ट्राइक रेट से 286 रन बनाए थे, जिसमें 20 छक्के शामिल थे। लेकिन इस आईपीएल में उनके बल्ले से 152 की स्ट्राइक रेट से केवल 128 रन ही आए हैं और वह केवल चार छक्के ही लगा पाए हैं। गेंदबाज़ी में भी अंतर साफ़ दिखता है। आईपीएल से पहले 13 पारियों में 13 विकेट और 8.7 इकॉनमी थी, जबकि इस आईपीएल में सात पारियों में सिर्फ़ चार विकेट और 12.3 की महंगी इकॉनमी रही है।

भारत थॉमस कप के सेमीफाइनल में, पदक पक्का

होरसेंस (डेनमार्क)(वार्ता)। पूर्व चैंपियन भारत ने शुक्रवार को होरसेंस, डेनमार्क में थॉमस और उबेर कप 2026 के सेमीफ़ाइनल में पहुँचने और अपने लिए एक मेडल पक्का करने के लिए, अपने से ऊँची रैंक वाली टीम चीनी ताइपे को 3-0 से मात दी। 2022 के चैंपियन ने पुरुषों के क्वार्टरफ़ाइनल में ताइपे की मज़बूत टीम को 3-0 से हराया और अब फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए जापान और फ़्रांस के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। दुनिया के नंबर 6 खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने भारत को जीत की शुरुआत दिलाई, जब उन्होंने दूसरे गेम में दो मैच पॉइंट बचाते हुए, एक घंटे 28 मिनट में चोउ टिएन चेन को 18-21, 22-20, 21-17 से हराया। सेन और चोउ के बीच शुरुआती मैच, जिनका इस मुकाबले से पहले 4-4 का हेड-टू-हेड रिकॉर्ड था, काफ़ी उतार-चढ़ाव भरा रहा, क्योंकि दोनों खिलाड़ियों ने पहले दो गेम में काफ़ी पीछे रहने के बाद भी वापसी करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक पहुँचाया। जहाँ चोउ ने पहले गेम में 10-15 से पिछड़ने के बाद वापसी की, वहीं सेन दूसरे गेम में 14-17 से पीछे चल रहे थे, जिसके बाद उन्होंने दो मैच पॉइंट बचाए। दो बार के ऑल इंग्लैंड फ़ाइनलिस्ट सेन ने तीसरे गेम में अपने ज़ोरदार आक्रामक खेल की बदौलत बढ़त बनाए रखी और भारत को पहला पॉइंट दिलाया। पूर्व एशियाई चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने निर्णायक गेम में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए स्कोर 2-0 कर दिया। भारतीय जोड़ी ने चियू शियांग चिएह और वांग ची-लिन के ख़िलाफ़ शुरुआती गेम जीतने के लिए दो गेम पॉइंट बचाए थे। हालाँकि वे दूसरा गेम काफ़ी करीबी अंतर से हार गए, लेकिन सात्विक और चिराग ने निर्णायक गेम में अपने खेल का स्तर ऊँचा उठाया और ताइपे की जोड़ी के ख़िलाफ़ अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इसका मतलब यह था कि एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष शेट्टी के पास भारत के लिए क्वार्टरफ़ाइनल का मैच ख़त्म करने का मौका था, और 20 वर्षीय इस खिलाड़ी ने निर्णायक वार किया। शेट्टी, जो पूरे ग्रुप स्टेज में अजेय रहे थे, ने मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी को 48 मिनट में 21-16, 21-17 से हराकर भारतीय खेमे में जश्न की शुरुआत कर दी। शेट्टी ने पहले गेम में 10-12 के पिछड़ने के बाद लगातार सात पॉइंट हासिल करके वापसी की और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। दूसरे गेम में भी वह पूरी तरह से नियंत्रण में दिखे, जिससे पिछले कुछ महीनों में एक बेहतरीन शटलर के तौर पर उनके विकास की झलक मिली।

पुरुष: भारत ने चीनी ताइपे को 3-0 से हराया (लक्ष्य सेन ने चोउ टिएन चेन को 18-21, 22-20, 21-17 से हराया; सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी/चिराग शेट्टी ने चिउ शियांग चिएह/वांग ची-लिन को 23-21, 19-21, 21-12 से हराया; आयुष शेट्टी ने लिन चुन-यी को 21-16, 21-17 से हराया)

ब्लॉक्स ने रूड को चौंकाया

एंड्रीवा मैड्रिड ओपन के फाइनल में

मैड्रिड, (वार्ता)। अलेक्जेंडर ब्लॉक्स ने गुरुवार को मैड्रिड ओपन के क्वार्टर फाइनल में मौजूदा चैंपियन कैस्पर रूड को 6-4, 6-4 से हराकर एक बड़ा उलटफेर कर दिया। ब्लॉक्स करीब दो महीने पहले ही दुनिया के शीर्ष 100 खिलाड़ियों में शामिल हुए थे। 21 वर्षीय बेल्जियम के इस खिलाड़ी ने मैड्रिड में चार वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को टूर्नामेंट से बाहर किया है, जिसमें तीसरी वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-अलियासिम भी शामिल हैं। जीत के बाद बात करते हुए, ब्लॉक्स ने माना कि उन्हें कभी उम्मीद नहीं थी कि वे अपने पहले एटीपी 1000 सेमीफाइनल तक पहुंच पाएंगे। उन्होंने कहा, यहां खड़ा होना अविश्वसनीय है; मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि ऐसा होगा। सेमीफाइनल तो ऐसी चीज़ है जिसका मैंने शुरुआत में सपना भी नहीं देखा था। मुझे गर्व है कि मैं पिछले कुछ मैचों में कैसा खेल रहा हूं। ब्लॉक्स का मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज़्वेरेव से होगा, जिन्होंने 10वीं वरीयता प्राप्त फ्लेवियो कोबोली को 6-1, 6-4 से हराकर बाहर किया था।

महिलाओं के सेमीफाइनल में, मिरा एंड्रीवा ने 30वीं वरीयता प्राप्त हेली बैपटिस्ट के दूसरे सेट में ज़ोरदार वापसी के बावजूद 6-4, 7-6 (8) से जीत हासिल की; यह बुधवार को 19 साल की होने के बाद उनके लिए जन्मदिन का एक देर से मिला तोहफ़ा था। एंड्रीवा ने दूसरे सेट के सातवें गेम में बैपटिस्ट की सर्विस तोड़कर 5-3 की बढ़त बना ली थी, लेकिन बैपटिस्ट ने अपनी सर्विस पर एक मैच पॉइंट बचाया और फिर अपने पहले ब्रेक पॉइंट पर एंड्रीवा की सर्विस तोड़कर वापसी की। टाई-ब्रेक में बैपटिस्ट 4-0 से आगे थीं, लेकिन एंड्रीवा ने तीन सेट पॉइंट बचाए और आखिरकार अपने चौथे मैच पॉइंट पर मैच अपने नाम कर लिया। दूसरे सेमीफाइनल में, मार्टा कोस्त्युक ने अनस्तासिया पोटापोवा को 6-2, 1-6, 6-1 से हराया, और शनिवार को एंड्रीवा के साथ फाइनल मुकाबले के लिए अपनी जगह पक्की कर ली।

17 विकेटों के साथ पर्पल कैप आई भुवनेश्वर के पास

अहमदाबाद (वार्ता)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ तीन विकेट लेते हुए पर्पल कैप पर कब्जा कर लिया है। इस सीजन में उन्होंने पांचवीं बार तीन विकेट लेने का कारनामा किया है। भुवनेश्वर कुमार ने गुरुवार रात गुजरात टाइटंस के खिलाफ 28 रन देकर तीन विकेट लेने के साथ ही इस सीज़न उनके कुल 17 विकेट हो गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के ईशान मलिंगा 15 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

कगिसो रबाडा के हाथ गुरुवार को एक ही विकेट लगा और तीसरे स्थान पर 14 विकेट के साथ वह राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के जोफ्रा आर्चर और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अंशुल कम्बोज

टेस्ट रैंकिंग में भारत तीसरे स्थान पर

दुबई (वार्ता)।

सालाना अपडेट का पुरुषों की टेस्ट रैंकिंग में टॉप दो टीमों पर कोई असर नहीं पड़ा; ऑस्ट्रेलिया नंबर 1 पर अपना दबदबा बनाए हुए है और तीन अंकों की बढ़त के साथ 131 अंकों पर पहुँचकर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका भी नंबर 2 पर मजबूती से कायम है, जिसे तीन अंकों की इसी तरह की बढ़त से फ़ायदा मिला है और वह 119 अंकों पर पहुँच गई है। भारत एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे (104) स्थान पर पहुँच गया है, और उसने इंग्लैंड (102) को पीछे छोड़ दिया है। इंग्लैंड एक स्थान नीचे खिसक गया है क्योंकि 23 अप्रैल, 2023 से पहले के नतीजों का वेटेज अब रैंकिंग में शामिल नहीं है। इन नतीजों में न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ़ घरेलू सीरीज़ में मिली जीत, और पाकिस्तान में 3-0 से मिली जीत शामिल थी। पाकिस्तान (89) को भी सालाना अपडेट से फ़ायदा मिला है। उसने श्रीलंका (86) को पीछे छोड़ दिया है, क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ़ घरेलू सीरीज़ में 3-0 से मिली हार का वेटेज अब रैंकिंग में शामिल नहीं है, और 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ़ 2-0 से मिली हार का वेटेज भी आधा हो गया है। वेस्ट इंडीज़, बांग्लादेश और ज़िम्बाब्वे टॉप 10 में शामिल हैं, जबकि आयरलैंड रैंकिंग से बाहर हो गया है क्योंकि उसने रेटिंग अवधि में ज़रूरी आठ मैच नहीं खेले हैं। रैंकिंग में वापस आने के लिए आयरलैंड और अफ़गानिस्तान, दोनों को अगले साल दो-दो टेस्ट मैच खेलने होंगे।

महिलाओं की वनडे टीम रैंकिंग में भी कुछ ऐसी ही कहानी है, जहाँ ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम है। रेटिंग अंकों में दो अंकों की मामूली गिरावट (163 तक) के बावजूद, उसका दबदबा बरकरार है; इंग्लैंड (128) दो अंकों की बढ़त के बावजूद ऑस्ट्रेलिया से काफ़ी पीछे है। टॉप छह टीमों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है; भारत (126), दक्षिण अफ्रीका (100), न्यूज़ीलैंड (93) और श्रीलंका (89) सभी अपनी-अपनी जगहों पर कायम हैं।

बांग्लादेश (73) पाकिस्तान (72) को पीछे छोड़कर सातवें स्थान पर पहुँच गया है। इस बीच, थाईलैंड और नीदरलैंड्स फ़िलहाल रैंकिंग से बाहर हो गए हैं, क्योंकि उन्होंने पिछले तीन सालों में आठ वनडे मैच खेलने की शर्त पूरी नहीं की है। थाईलैंड को रैंकिंग में वापस आने के लिए एक और वनडे मैच खेलना होगा, जबकि नीदरलैंड्स को दो और मैचों की ज़रूरत है। वार्षिक रैंकिंग अपडेट अगले सप्ताह भी जारी रहेंगे; इसके तहत 5 मई को पुरुषों और महिलाओं की टी20 रैंकिंग की घोषणा की जाएगी।

जीएसटी संग्रह अप्रैल में 2,42,702 करोड़ पर पहुंचा

नयी दिल्ली, (वार्ता)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत सकल राजस्व संग्रह अप्रैल 2026 में 8.7 प्रतिशत बढ़कर 2,42,702 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त मंत्रालय के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि अप्रैल में घरेलू जीएसटी संग्रह 1,85,122 करोड़ रुपये और आयातित वस्तुओं पर जीएसटी राजस्व 57,580 करोड़ रुपये रहा। इनमें क्रमश: 4.3 प्रतिशत और 25.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वित्त वर्ष के पहले महीने में जीएसटी के मद में सरकार ने 31,793 करोड़ रुपये का रिफंड भी दिया है जो सालाना आधार पर 19.3 प्रतिशत अधिक है। इस प्रकार रिफंड घटाने के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 7.3 प्रतिशत बढ़कर 2,10,909 करोड़ रुपये पर रहा। इसमें घरेलू संग्रह 0.3 फीसदी की मामूली वृद्धि के साथ 1,65,126 करोड़ रुपये और आयातित वस्तुओं पर 42.9 प्रतिशत बढ़कर 45,784 करोड़ रुपये हो गयी।

चावल, गेहूं, चीन, दालों के भाव टूटे

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल का औसत भाव गिर गया। चावल के साथ गेहूं, चीनी और दालों में भी नरमी देखी गयी। खाद्य तेलों के दामों में घट-बढ़ रही। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 53 रुपये घटकर 3,804 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 23 रुपये सस्ता हुआ और 2,766 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 21 रुपये कम हुई। दाल-दलहनों में भी नरमी रही। तुअर दाल की औसत कीमत 55 रुपये घट गयी। मूंग दाल और मसूर दाल में 39-39 रुपये की गिरावट रही। चना दाल 35 रुपये और उड़द दाल 34 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में आज अवकाश रहा। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.90 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल औसतन 20 रुपये और सोया तेल नौ रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मूंगफली तेल में 181 रुपये और वनस्पति में 187 रुपये की गिरावट रही। सरसों तेल 46 रुपये और सूरजमुखी तेल 31 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 26 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। चीनी भी 13 रुपये सस्ती हुई।दाल चना 7630.77 रुपये, मसूर काली 8066.14 रुपये, मूंग दाल 10129.90 रुपये, उड़द दाल 10776.83 रुपये, तुअर दाल 11185.98 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2765.52 रुपये और चावल 3804.46 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3246.45 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4293.97 रुपये और गुड़ 4996.04 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17841.72 रुपये, मूंगफली तेल 18710.12 रुपये, सूरजमुखी तेल 17443.62 रुपये, सोया तेल 14915.26 रुपये, पाम ऑयल 13454.84 रुपये और वनस्पति 14742.20 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.82 अरब डॉलर घटा

मुंबई (वार्ता)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 4.82 अरब डॉलर घटकर 698.487 अरब डॉलर रह गया। लगातार तीन सप्ताह बढ़ने के बाद विदेशी मुद्रा का देश का भंडार कम हुआ है। गत 17 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में यह 2.362 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 703.308 अरब डॉलर पर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार में मुख्य घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण भंडार हैं। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि 24 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.841 अरब डॉलर घटकर 554.622 अरब डॉलर रह गया। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा ब्रितानी पाउंड, जापानी येन और यूरो को शामिल किया जाता है। इनके मूल्य का आंकलन डॉलर की तुलना में इनकी संदर्भ दर के आधार पर होता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार भी 1.897 अरब डॉलर कम होकर 120.236 अरब डॉलर रह गया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.5 करोड़ डॉलर घटकर 4.855 अरब डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 6.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.774 अरब डॉलर रह गया।

दुपहिया वाहनों की बिक्री में अप्रैल में मजबूत वृद्धि

नयी दिल्ली (वार्ता)।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित सुधारों, कम ब्याज दर और व्यय योग्य आय बढ़ने से अप्रैल में दुपहिया वाहनों की बिक्री मजबूत रही। देश की सबसे बड़ी दुपहिया वाहन निर्माता बजाज मोटोकॉर्प ने शुक्रवार को बताया कि अप्रैल में उसकी कुल बिक्री 85 प्रतिशत बढ़कर 5,66,086 इकाई पर पहुंच गयी। घरेलू बिक्री में 85 फीसदी और निर्यात में 99 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी। ये क्रमश: 5,32,433 इकाई और 33,653 इकाई पर रहे। कुल बिक्री में मोटरसाइकिल का योगदान 5,01,791 इकाई और स्कूटर का 64,295 इकाई रहा। इनमें क्रमश: 75 प्रतिशत और 233 प्रतिशत की वृद्धि रही है। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री अप्रैल में 17 फीसदी बढ़कर 5.63 लाख इकाई पर पहुंच गयी। इसमें घरेलू बिक्री 4.84 लाख इकाई और निर्यात 79.6 हजार इकाई रहा। इनमें क्रमश: 14.7 प्रतिशत और 37.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। आयशर मोटर के रॉयल इनफिल्ड की बिक्री अप्रैल में 31 प्रतिशत बढ़कर 1,13,164 इकाई पर पहुंच गयी। इसमें घरेलू बिक्री का योगदान 1,04,129 इकाई और निर्यात का 9,035 इकाई रहा। अप्रैल 2025 की तुलना में घरेलू बिक्री जहां 37 प्रतिशत बढ़ी है, वहीं निर्यात 14 फीसदी घटा है।

शेयर और मुद्रा बाजार बंद रहे

मुंबई, (वार्ता)।

शेयर और मुद्रा बाजारों में शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस के मौके पर अवकाश रहा। कारोबारियों ने बताया कि छुट्टी का दिन होने कारण आज शेयर और मुद्रा बाजारों में कोई भी कारोबार नहीं हुआ। उनका कहना है कि बाजार में सोमवार को बाजार में सामान्य कारोबार होगा। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में भी आज कोई कारोबार नहीं हुआ।

एप्पल ने भारत में दर्ज की दहाई वृद्धि दर

बढ़ते मध्यम वर्ग में बड़ी संभावना देख रहे कुक

नयी दिल्ली (वार्ता)। अमेरिकी टेक कंपनी एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक भारत को लेकर काफी उत्साहित हैं और यहां बढ़ते मध्यम वर्ग में कंपनी के लिए बड़ी संभावनाएं देख रहे हैं। श्री कुक ने अमेरिकी प्रांत कैलिफोर्निया के क्यूपर्टिनो में 28 मार्च को समाप्त दूसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा के बाद गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारत हमारे लिए एक बहुत बड़ा अवसर है। कंपनी वहां अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार और तीसरे सबसे बड़े पीसी (पर्सनल कंप्यूटर) बाजार में उसकी हिस्सेदारी अभी भी अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने कहा कि भारत में बड़ी संख्या में लोग मध्यम वर्ग में प्रवेश कर रहे हैं, और आईफोन, मैक, आईपैड तथा वॉच जैसी सभी श्रेणियों में अधिकांश ग्राहक नये हैं। इससे देश में इंस्टॉल्ड बेस बढ़ाने की बहुत संभावना है। उन्होंने कहा, मैं भारत को लेकर बेहद उत्साहित हूं। कंपनी ने मार्च में राजस्व के नये रिकॉर्ड बनाये हैं जिसमें भारत समेत कई बड़े बाजारों में दहाई अंक की वृद्धि दर दर्ज की गयी है। श्री कुक ने कहा, च्पिछले कुछ वर्षों में भारत में हमारी लगातार बढ़त देखना शानदार रहा है। यह दुनिया भर में अधिक ग्राहकों और उभरते बाजारों से जुड़ने के हमारे बड़े प्रयासों का हिस्सा है। दूसरी तिमाही में एप्पल का कुल राजस्व 111.2 अरब डॉलर रहा जो सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। यह किसी भी साल दूसरी तिमाही का कंपनी का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। आईफोन की बिक्री से प्राप्त राजस्व ने भी इस तिमाही का नया रिकॉर्ड बनाया है जिसमें आईफोन 17 लाइनअप का बड़ा योगदान रहा। बिक्री बाद सेवाओं का राजस्व सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। एप्पल के निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 0.27 डॉलर का नकद लाभांश घोषित किया है जो 14 मई को दिया जायेगा और इसके लिए 11 मई की शेयरधारिता को आधार बनाया जायेगा। निदेशक मंडल ने कंपनी के 100 अरब डॉलर तक के शेयर वापस खरीदने के नये कार्यक्रम को भी मंजूरी दी है। एप्पल के मुख्य वित्तीय अधिकारी केवन पारेख ने मीडिया को बताया कि आईफोन का तिमाही राजस्व 57 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले के मुकाबले 22 प्रतिशत अधिक है। आईफोन ने अमेरिका, लातिन अमेरिका, चीन, पश्चिमी यूरोप, भारत, जापान और दक्षिण-पूर्व एशिया सहित अधिकांश बाजारों में दहाई अंकों की वृद्धि दर्ज की। उन्होंने बताया कि मैक की बिक्री से प्राप्त राजस्व भी छह प्रतिशत बढ़कर 8.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

विकास की अद्भुत यात्राओं का अभिनंदन पर्व है, राज्य स्थापना दिवस : राज्यपाल

राज्यपाल और मुख्यमंत्री शामिल हुए गुजरात एवं महाराष्ट्र राज्य के स्थापना दिवस के संयुक्त समारोह में

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि 1 मई, देश के दो अत्यंत समृद्ध-सशक्त राज्य गुजरात और महाराष्ट्र के प्रशासनिक गठन के स्मरण का दिवस है। उनकी विकास की अद्भुत यात्राओं का अभिनंदन पर्व है। उन्होंने कहा कि भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधताएँ ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं, जिनके बीच की एकता ही सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत का आधार है। महाराष्ट्र की औद्योगिक क्षमता और वित्तीय नेतृत्व के साथ गुजरात की उद्यमशीलता, व्यापारिक दक्षता, समुद्री विकास और नवकरणीय ऊर्जा विकसित भारत की मजबूत आधारशिला है। राज्यपाल श्री पटेल शुक्रवार को गुजरात और महाराष्ट्र राज्य के स्थापना दिवस के संयुक्त समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने दोनों राज्यों के निवासियों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। लोकभवन के सांदीपनि सभागार में एक भारत-श्रेष्ठ भारतसंकल्पना के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

विकसित भारत 2047 के लिए कार्य करें

राज्यपाल श्री पटेल ने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से आहवान किया कि वे हमारी विविधता की अतुलनीय ताकत को पहचानें। एकमत और एकजुट होकर विकसित भारत 2047 के लिए कार्य करें। उन्होंने इस अवसर पर एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करने में सक्रिय सहभागिता और राष्ट्र के नव निर्माण में सर्वोत्तम योगदान का संकल्प भी दिलाया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि गुजरात में भगवान श्रीकृष्ण की द्वारका नगरी, विश्व प्रसिद्ध सोमनाथ मन्दिर, जैसे पवित्र तीर्थ स्थल है। गुजरात की सांस्कृतिक पहचान उसके उत्सवों, विशेषकर नवरात्रि में माँ आदि शक्ति की आराधना, गरबा और डांडिया में झलकती है, जो पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। कच्छ का रण, गिर के वन, साबरमती का तट, माँ नर्मदा का आशीर्वाद और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी राज्य की विविधता को अद्वितीय छंटा प्रदान करते है। साबरमती के संत महात्मा गांधी एवं लौह पुरूष सरदार पटेल जैसे धरती पुत्रों ने दुनियाँ में भारत की विशिष्ट पहचान बनाई है।

उद्यमिता और नवाचार में देश के नेतृत्वकर्ता है गुजराती

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि गुजरात के लोग अपनी जीवटता, नवाचार, व्यापारिक कौशल, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रखते है। परिश्रम और उद्यमशीलता से देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में योगदान देते हैं। आर्थिक रूप से सम्पन्न गुजरात उद्योग, व्यापार, बंदरगाह विकास और उद्यमिता में नवाचारों के बल पर देश का नेतृत्व करता है। आज गुजरात राज्य ' मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

महाराष्ट्र के तीर्थ स्थल समृद्ध पौराणिक

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मेहनत, अनुशासन, समरसता, सांस्कृतिक गौरव, उद्यमशीलता और राष्ट्रनिष्ठा महाराष्ट्रवासियों की पहचान है।

ये परंपरा और आधुनिकता के संतुलन के साथ देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। महाराष्ट्र की पावन धरती पर माँ गोदावरी की अविरल धारा, सह्याद्री की भव्यता, अजंता-एलोरा की गुफाएँ, त्रयम्ब-केशवर ज्योतिर्लिंग तथा शिरडी-पंढरपुर जैसे तीर्थ, हमारी समृद्ध पौराणिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर के प्रतीक हैं।

लोक संस्कृति और परंपराओं पर हुई प्रस्तुतियां

राज्यपाल श्री पटेल के समक्ष गुजरात और महाराष्ट्र राज्य की गौरवशाली लोक संस्कृति और ऐतिहासिक परंपराओं पर आधारित प्रस्तुतियां दी गई। उन्होंने सभी आर्कषक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की। समारोह में गुजराती समाज की ओर से वायब्रेंट स्पिरिट ऑफ गुजरात की थीम पर आकर्षक प्रस्तुति दी गई। गुजरात के राज्यपाल आर्चाय देववृत्त का संदेश का प्रसारण किया गया। गुजरात के इतिहास और कला संस्कृति पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई।

राज्यपाल का पारंपरिक स्वागत किया गया

राज्यपाल मंगुभाई पटेल का गुजरात और महाराष्ट्र के मध्यप्रदेश में निवासरत प्रतिनिधियों ने अपने-अपने राज्यों की संस्कृति के अनुरूप पारंपरिक स्वागत किया। राज्यपाल श्री पटेल को मराठी साठा, और स्मृति चिन्ह भेंट की गई।

संयुक्त समारोह में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, उप सचिव सुनील दुबे, गुजराती समाज के अध्यक्ष संजय पटेल, मराठी समाज के प्रतिनिधि अभिजीत देशमुख, शैला प्रधान, दोनों राज्यों के मध्यप्रदेश में निवासरत नागरिक, लोकभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

चुनाव के बाद राहत नहीं, महंगाई की मार मिली है लोगों को: जीतू पटवारी

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने देश में लगातार बढ़ती महंगाई, गैस सिलेंडर की कीमतों तथा आम जनता पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय जनता से बड़े-बड़े वादे किए गए थे और नारा दिया गया था - बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार, लेकिन आज वही सरकार महंगाई को चरम पर पहुंचाने का काम कर रही है। श्री पटवारी ने कहा कि फरवरी माह से अब तक व्यावसायिक गैस सिलेंडर के दामों में 1,380 तक की बढ़ोतरी हुई है, जो केवल तीन महीनों में लगभग 81 प्रतिशत की वृद्धि है। इतनी कम अवधि में इतनी बड़ी वृद्धि यह दर्शाती है कि केंद्र सरकार महंगाई नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है। श्री पटवारी ने कहा कि जिन गैस सिलेंडरों की कीमतें पहले 400, 450, 700 और 800 के आसपास थीं, आज आम जनता रसोई गैस और व्यावसायिक गैस दोनों की महंगाई से त्रस्त है। उज्ज्वला योजना के नाम पर घर-घर उजाला देने की बात कही गई थी, लेकिन अब गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों ने गरीब और मध्यम वर्ग के घरों का बजट बिगाड़ दिया है। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक गैस सिलेंडर 3071 होने से सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। होटल, ढाबों और छोटे व्यापारियों पर लागत बढ़ गई है, जिसका बोझ अब जनता को महंगे खाने-पीने के सामान के रूप में उठाना पड़ रहा है। जो समोसा पहले 10 में मिलता था, आज 20 में मिल रहा है। यही हाल चाय, नाश्ते और रोजमर्रा के अन्य सामानों का है। श्री पटवारी ने कहा कि देश में बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक संकट ने भयावह स्थिति पैदा कर दी है। युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, व्यापार कमजोर हो रहा है और आम जनता महंगाई की मार से परेशान है।

मजदूरों का सम्मान समाज का अभिमान

मजदूर दिवस पर लीनेस मैत्री क्लब की सराहनीय पहल

दमोह (स्वतंत्र मत)। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के पावन अवसर पर लीनेस मैत्री क्लब दमोह द्वारा शहर के श्रमिकों के सम्मान में गमछा एवं टोपी का वितरण कर एक प्रेरणादायक सेवा कार्य संपन्न किया गया। इस आयोजन के माध्यम से क्लब ने समाज के मेहनतकश वर्ग के प्रति अपनी संवेदनशीलता, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। संचालन प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रिंसी के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष रजनी खरे ने कहा कि मजदूर हमारे समाज की वास्तविक शक्ति हैं और उनके अथक परिश्रम से ही हमारे जीवन की नींव मजबूत होती है। मजदूर दिवस हमें उनके योगदानए अधिकारों और सम्मान को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। प्रदेश डायरेक्टर रोजी बग्गा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मजदूरों की मेहनत देश की प्रगति का आधार है और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए हमें निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए।

उन्होंने इसे मजदूरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक छोटा लेकिन सार्थक प्रयास बताया। वहीं ज्योति सचदेवा ने कहा कि मजदूर दिवस केवल एक दिवस नहीं बल्कि उन अनगिनत मेहनती हाथों को सलाम करने का अवसर है जो समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने मजदूरों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस अवसर पर स्मृति खरे, रिम्मी जुनेजा, तनु सुरेखा, सारिका टंडन, राखी चौपड़ा, अंशुल शर्मा, डिंपल शर्मा और माया यादव सहित अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई और श्रमिकों के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास किया।

भगवतपाद शंकराचार्य द्वारा दिखाए गए मार्ग पर हम सभी चलें तो सभी भेद समाप्त होंगे : नीलमणि दीक्षित

दमोह (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषदए जिला दमोह के तत्वावधान में श्आदि गुरु शंकराचार्य जन्म जयंती के अवसर पर आचार्य शंकर जीवन एवं दर्शन विषय पर जिला स्तरीय व्याख्यान माला कार्यक्रम का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के सभागार में किया गया। व्याख्यान माला कार्यक्रम का शुभारंभ शंकराचार्य के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्यवक्ता के रूप में नीलमणि दीक्षित मानस प्रवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक एवं वरिष्ठ एडवोकेट पंकज हर्ष श्रीवास्तव द्वारा की गई। अमर सिंह राजपूत, वरिष्ठ साहित्यकार एवं प्रान्त अध्यक्ष हिंदी लेखक संघ एवं दिनेश उमरैया संभाग समन्वयक मध्यप्रदेश अभियान परिषद सागर उपस्थित रहे। व्याख्यानमाला कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित जनसमुदाय को आदि गुरु शंकराचार्य जी के जीवन एवं दर्शनए उनकी भारत को एकता के सूत्र में बांधने हेतु की गई आध्यात्मिक यात्रा द्वारा किए गए शास्त्रार्थों के संबंध में और उनके अलग-अलग जीवन प्रसंगों के संबंध में वक्ताओं के द्वारा अपने विचार व्यक्त किए गए।

वैशाख बुद्ध पूर्णिमा पर साधकों ने किया घर-घर गायत्री महायज्ञ

हटा (स्वतंत्र मत)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के आवाहन पर गृहे गृहे गायत्री महायज्ञ अभियान के अंतर्गत विश्व शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा के संचार के लिए आज प्रात:काल 8 से दोपहर 12 बजे तक गायत्री साधकों ने अपने अपने घरों में एक कुंडीय गायत्री हवन संपन्न किया। गायत्री शक्तिपीठ हटा, प्रज्ञापीठ तेवरईया एवं मड़ियादो सहित तहसील के सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं ने उत्साह पूर्वक भागीदारी निभाते हुए स्वयं अपने घर में तो यज्ञ किया ही साथ में अन्य श्रद्धालुओं के घर में भी हवन करवाया। तहसील के 825 घरों में गायत्री हवन सम्पन्न हुआ। गायत्री परिवार के कर्मकाण्ड प्रशिक्षक पंडित दिनेश दुबे ने बताया ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष उत्साह देखा गया । जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने श्रद्धा और भक्तिभाव पूर्वक यज्ञ सम्पन्न किया। युवाओं ने इस इस आयोजन को डिजिटल माध्यम से भी जोड़कर एक ही समय पर यज्ञ में सहभागिता की। यह आयोजन केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि समाज को एक सूत्र में पिरोने, मानवता के उत्थान और विश्व शांति का एक प्रेरणादायक प्रयास है। यज्ञ में प्रयुक्त जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री एवं गाय का घी जब यज्ञाग्नि में आहुति के रूप में समर्पित होता हैए तो वातावरण में परिवर्तन होता है इससे वायु शुद्ध होती है ए हानिकारक जीवाणुओं का नाश होता है, वातावरण को प्रदूषण मुक्त करने में सहायक बनता है, सकारात्मक ऊर्जा का निर्माण करता है। मानसिक तनाव को कम करने ए एकाग्रता बढ़ाने आत्मिक शांति प्रदान करने में सहायक होती है।

बटियागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाजू से पड़ी वृद्ध महिला

पथरिया (स्वतंत्र मत)। इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला एक दृश्य दमोह जिले के बटियागढ़ में देखने को मिल रहा है। एक लावारिस वृद्ध महिला जो न बोल सकती है और न खुद का बचाव कर सकती हैए पिछले सात दिनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास बने एक चबूतरे को अपना घर बनाए हुए है। गंदगी, बदबू और पैरों के जख्मों से जूझ रही इस महिला की सुध लेने वाला कोई नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को इसकी जानकारी है लेकिन श्सरकारी संवेदनहीनता के कारण अब तक कोई मदद नहीं पहुंची। सरकारी योजनाओं के बड़े बड़े वादे यहां दम तोड़ते नजर आ रहे हैं। क्या एक बेसहारा और विक्षिप्त महिला का इस समाज और प्रशासन पर कोई अधिकार नहीं सवाल खड़ा होता है कि आखिर कब जागेगा प्रशासन।

आरटीई के अंतर्गत निजी स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश के लिए द्वितीय चरण की प्रक्रिया 4 मई से

भोपाल (स्वतंत्र मत)। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रदेश में आरटीई के अंतर्गत निजी स्कूलों में निश्शुल्क प्रवेश के लिए द्वितीय चरण की प्रक्रिया 4 मई से शुरू होगी। स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला परियोजना समन्यवय को निर्देश जारी कर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अंतर्गत पात्र बच्चों को अशासकीय, गैर-अनुदान प्राप्त निजी विद्यालयों में नि:शुल्क प्रवेश प्रदान किया जाता है। प्रदेश में आरटीई के तहत प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। प्रथम चरण की प्रक्रिया के बाद जिन विद्यालयों में सीटें रिक्त रह गई हैं, उन सभी विद्यालयों को उनकी रिक्त सीटों सहित द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया के लिए पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया है। राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया कि द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया में कोई नया पंजीयन नहीं किया जाएगा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए केवल उन्हीं आवेदकों को शामिल किया जाएगा, जिन्होंने पहले चरण में आवेदन किया था। उन्होंने बताया कि 31 मार्च 2026 को अवकाश निर्धारित होने तथा संशोधन उपरांत 30 मार्च 2026 को अवकाश घोषित किए जाने के कारण कुछ अभिभावक अपने बच्चों का दस्तावेज़ सत्यापन निर्धारित समय पर नहीं करा सके।

अपर्णा एरियल ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की

दमोह (स्वतंत्र मत)। श्रीमति अपर्णा एरियल क्रिश्चियन कॉलोनी दमोह ने सैम ग्लोबल युनिवर्सिटी भोपाल से लायब्रेरी एण्ड इन्फॉर्मेशन साइंस में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। इन्होंने अपना शोध कार्य सूचना प्रोद्योगिकी की भूमिका का तुलनात्मक अध्ययन विषय पर किया है।

नाम परिवर्तन

मैं **Abdul Khairati Usmani** पिता श्री **Abdul Rasheed** निवासी- 560, **Kharmai Ward, Bhantaliya, Jabalpur (M.P.)** 482002 कथन करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट नं. **A0042799** में मेरा नाम **Abdul Kherati** पिता **Abdul Raseed** लिखा है जिसे मैंने बदलकर **Abdul Khairati Usmani** पिता **Abdul Rasheed** कर लिया है।
अत: मुझे **Abdul Khairati Usmani** पिता **Abdul Rasheed** नाम से जाना व लिखा जावे।

जबलपुर
दिनांक:

पूर्व नाम: **Abdul Kherati**
पिता : **Abdul Raseed**
परिवर्तित नाम :
Abdul Khairati Usmani
पिता : **Abdul Rasheed**

ओबीसी छात्रों की दिल्ली में पढ़ाई हुई आसान

दिल्ली छात्रगृह योजना का बढ़ा दायरा, सहायता राशि में 6.5 गुना की हुई बढ़ोत्तरी

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में ओबीसी वर्ग के कल्याण और उनके शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार निरंतर ऐतिहासिक कदम उठा रही है। इसी कड़ी में, कैबिनेट ने 2005 से संचालित दिल्ली छात्रगृह योजना में महत्वपूर्ण बदलावों को मंजूरी दी है। इसके तहत छात्रों को मिलने वाली सरकारी सहायता राशि को 1,550 रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर 10,000 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है। अब इन विद्यार्थियों को आवासीय और भोजन व्यवस्था के लिए सालाना 1 लाख 20 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। सहायता राशि के साथ-साथ योजना का दायरा बढ़ाते हुए लाभार्थियों की संख्या में भी वृद्धि की गई है। पहले जहां इस योजना के तहत प्रतिवर्ष अधिकतम 50 छात्रों को ही लाभ मिलता था, वहीं अब हर साल 100 नए विद्यार्थियों (50 स्नातक और 50 स्नातकोत्तर) को इस योजना में शामिल किया जाएगा। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार मुख्यमंत्री डॉ. यादव के यशस्वी नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है। सबसे अच्छी बात यह है कि जो विद्यार्थी पहले से वहां पढ़ रहे हैं, उन्हें भी उनके कोर्स की बची हुई अवधि तक इस बढ़ी हुई राशि का लाभ मिलता रहेगा। यह ऐतिहासिक निर्णय हमारे ओबीसी छात्र-छात्राओं के सपनों को नई उड़ान देगा और उन्हें बिना किसी आर्थिक चिंता के अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में मदद करेगा।

किसे और कैसे मिलेगा योजना का लाभ?

विद्यार्थियों को पिछड़ा वर्ग मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति प्राप्त करने की पात्रता होनी चाहिए। उनके माता-पिता या अभिभावक की वार्षिक आय पिछड़ा वर्ग मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति विनियम, 2013 (यथा संशोधित-2018) के प्रावधानों के अनुरूप होनी चाहिए। इस संशोधित योजना में नए विद्यार्थियों के प्रवेश के अलावा, पूर्व से अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी उनके शेष पाठ्यक्रम की अवधि तक नवीनीकरण का लाभ दिया जाएगा। योजना पर प्रथम वर्ष यानी 2026-27 में नए और पुराने 150 विद्यार्थियों के लिए 1.80 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। वहीं, चौथे वर्ष (2029-30) तक जब यह योजना पूरी तरह लागू हो जाएगी, तब कुल 300 विद्यार्थियों के लिए सरकार सालाना 3.60 करोड़ रुपए खर्च करेगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि 'दिल्ली छात्रगृह योजना में किया गया यह अभूतपूर्व बदलाव इसी ठोस संकल्प का प्रमाण है कि सरकार ओबीसी वर्ग के छात्र-छात्राओं के भविष्य को लेकर सजग है।

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर

लोक सुनवाई की आम सूचना

सर्वसम्बंधित्तों को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14.9.2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के अन्तर्गत मेसर्स श्री व्ही.जी. एक्सप्लोरेशन एण्ड माईनिंग, छत्तरपुर लेटेराईट डिपोजिट माईनिंग ऑफ मिनरल्स, क्षमता 190001 टन प्रतिवर्ष, स्कवा 11.0 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक 541, 542, 644, 545, 548, 550, 546, 547, 556/1, ग्राम छतरपुर, तहसील पनागर जिला जबलपुर हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सस्कार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समित्ति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुकम मे लोक सुनवाई कराने हेतु म. प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अंग्रेजी में सॉफ्ट कॉपी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर जबलपुर (2) कार्यालय जिला पंचायत, जबलपुर, (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जबलपुर, (4) कार्यालय ग्राम पंचायत ग्राम छतरपुर, तहसील पनागर, जिला जबलपुर (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड क्रमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5 अरेरा कॉलोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लॉट नं 455/456 विजयनगर जबलपुर मे कार्यालयीन समय मे किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की बेवसाइड **www.mppcb.nic.in** पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर जबलपुर (म.प्र.) के कार्यालय मे मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। इस परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 10/06/2026 दिन बुधवार को प्रात: 11:00 बजे मेसर्स श्री व्ही.जी. एक्सप्लोरेशन एण्ड माईनिंग, ग्राम छत्तरपुर, तहसील पनागर जिला जबलपुर के खदान परिसर के समीप आयोजित की जायेगी जिसमे भी सुझाव, विचार, टीका/टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।

क्षेत्रीय अधिकारी

➤ बैग से नगदी-जेवर हुए चोरी

महिला को ऑटो की सवारी पड़ी भारी

जबलपुर। बरेला थाने में उर्मिला पटेल उम्र 45 वर्ष निवासी चौथा पुल नेपियर टाउन ओमती ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया वह देवरी जाने के लिए एक ऑटो में बैठी थी। उन्होंने अपना बैग ऑटो मे पीछे रख दिया था। ऑटो से उतरने के बाद अपना बैग घर में रख दिया। कुछ देर बाद बैग खोलकर देखी तो बैग के अंदर पर्स में रखे 15 हजार रूपये एवं एक जोडी सोने के झाले गायब थे। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

➤ भेड़ाघाट क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा

बाइक की टक्कर से युवक की मौत

जबलपुर। भेडाघाट थाने में बृजेश यादव उम्र 35 वर्ष निरवासी दलसा पिपरिया ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह एवं उसका चचेरा भाई विनोद यादव उम्र 35 वर्ष मोटर साइकिल से काम पर जबलपुर जा रहे थे। जैसे ही त्रिपुर सुंदरी मंदिर गेट के आगे पहुंचे तभी मोटर एक साइकिल के चालक ने तेज गति से चचेरे भाई विनोद यादव को टक्कर मार दी। जिसे उपचार हेतु मेडिकल कालेज लेकर पहुंचे, जहां डाक्टर ने चैक कर विनोद यादव को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

प्रतिभा में निखार लाता है समर कैम्पः श्रीमती पटेरिया

हितकारिणी सभा के समर कैम्प का समारोहपूर्वक शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी सभा के समर कैम्प का शुक्रवार को हितकारिणी महिला महाविद्यालय के प्रांगण में समारोहपूर्वक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर हितकारिणी सभा की सभापति श्रीमती सुनयना पटेरिया, विशिष्ट अतिथि विद्या परिषद के अध्यक्ष समर सिंह गायकवाड़, मेडिटेशन स्पेशलिस्ट संगीता डोडानी एवं विवेचना रंगमंच के विवेक पांडे उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि की आसंदी से कार्यक्रम को संबोधित करते हुये हितकारिणी सभा की सभापति श्रीमती सुनयना पटेरिया ने कहा कि लंबी छुट्टियों के दौरान समर कैम्प का आयोजन बेहद सकारात्मक पहल है, उन्होंने कहा कि आज हम मोबाइल टीवी सोशल मीडिया से बंध गए हैं, इससे बाहर निकलना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। श्रीमती पटेरिया ने कहा कि आने वाला समय और अधिक प्रतिस्पर्धी होगा, ऐसे में समर कैम्प के माध्यम से आप अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं। उन्होंने कहा कि समर कैंप कमजोरी दूर करने का भी अच्छा माध्यम होता है। कार्यक्रम का संचालन संयोजक विद्या परिषद राजीव श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर संतोष राजपूत (थिएटर), गजेंद्र वैद्य (वॉलीबॉल), शानू यादव (कबड्डी), नामदेव जी(रग्बी), दिनेश सिंह (योग), नागेश राव (मार्शल आर्ट), नरेश तिवारी, राजेंद्र तिवारी, शेखर खंपरिया, हितकारिणी विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

फिटनेस के लिए खेल जरूरी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्या परिषद के मंत्री जयेश सिंह राठौर बताया कि इस बार समर कैम्प में वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो के अलावा बास्केटबाल, रकबी और पिकलबाल, जुम्बा जैसे खेलों को भी जोड़ा गया है। इसके अलावा थियेटर आर्ट, मार्शल आर्ट तथा मेडिटेशन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। श्री राठौर ने कहा कि फिटनेस के लिए खेल जरूरी हैं, इससे शारीरिक और मानसिक शक्ति मिलती है। उन्होंने बताया कि हितकारिणी सभा के समर कैम्प अभी तक बहुत ही सफल साबित हुये हैं। इसके माध्यम से प्रशिक्षित कई बच्चे राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं।

प्रशिक्षकों ने कहा

योग प्रशिक्षक दिनेश सिंह ठाकुर ने कहा कि सर्वांगीण विकास के लिये योग बहुत जरूरी है। मेडिटेशन स्पेशलिस्ट संगीता डोडानी ने कहा कि मन और विचार को कंट्रोल करना ही ध्यान है। विवेचना रंगमंच के विवेक पांडे ने कहा कि थियेटर सभी कलाओं का मिश्रण होता है। मार्शल आर्ट प्रशिक्षक नागेश राव ने कहा कि यह कला आत्मविश्वास के साथ आत्मरक्षा का सशक्त माध्यम है।

काल बनकर दौड़ी तेज रफ्तार कार, कई वाहनों को रौंदा

कहीं कार ने पीछे से मारी टक्कर, तो कहीं अज्ञात वाहन ने युवक को कुचला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सिहोरा थाना क्षेत्रातंर्गत पंचवटी ढाबा के समीप बीती रात एक तेज रफ्तार कार चालक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दूसरा घायल हो गया। इसी प्रकार पाटन में एफआरव्ही वाहन चालक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारकर मौत के घाट उतार दिया। दोनों मामलों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए प्रकरण दर्ज कर मामलों को विवेचना में लिया है।

सिहोरा पुलिस ने बताया कि गोसलपुर शर्मा कालोनी निवासी 32 वर्षीय जितेन्द्र तंतुवाय अपने चचेरे भाई अमन कोरी के साथ उसकी मोटर साइकिल से उसकी पत्नी को लेने कटनी जा रहे थे। जैसे ही रात्रि करीब दस बजे वे पंचवटी ढाबा के पास पहुंचे, उसी समय जबलपुर से कटनी की ओर आ रहीं कार क्रमांक एमपी 22 सीए 0355 के चालक ने तेज रफतार एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुये अमन कोरी की मोटर सायकिल में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे अमन कोरी मोटर सायकिल सहित रोड पर गिर गया । जिससे अमन कोरी के सिर एवं हाथ पेरो व सिर मे गंभीर चोट आ गई, वहीं जितेन्द्र भी घायल हो गया। जिन्हें उपचार के लिये सिहोरा अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने 25 वर्षीय अमन कोरी को मृत घोषित कर दिया।

आरोपी चालक की तलाश जारी

इसी प्रकार पाटन पुलिस ने बताया कि बनवार तिराहे पर एक्सीडेंट होने की सूचना मिली थी। जहां देखा तो एक व्यक्ति रोड पर घायल अवस्था में पड़ा था, समीप ही मोटर साइकिल क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी थी। पास जाकर देखा तो उक्त व्यक्ति एफआरव्ही वाहन चलाने वाला राजेश उर्फ राजा बर्मन निवासी सिविल लाईन पाटन था। जिसे तत्काल उपचार हेतु पाटन अस्पताल लेकर गये। जिसे डाक्टर ने चैक कर राजेश उर्फ राजा बर्मन उम्र 38 वर्ष निवासी सिविल लाईन पाटन को मृत घोषित कर दिया। दोनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर उन्हें विवेचना में लिया है।

इंवेस्टमेंट के नाम पर युवक को लगाई चपत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

अधारताल क्षेत्र निवासी एक युवक को टेलीग्राम चैनल में मैसेज भेजकर इंवेस्टमेंट करने के बहाने राशि लेकर आरोपियों ने अपनी डिमांड बढ़ा दी, जिसे भांपकर युवक ने राशि देने से इंकार कर दिया तो आरोपी उससे राशि जमा करने के लिये दवाब बनाने लगे और लगातार उसे वाट्सअप काल कर राशि जमा करने के लिये फोन कर रहे है। जिसकी शिकायत पीड़ित नीरज सिंह ने पुलिस में दर्ज करायी है। पुलिस ने बताया कि न्यू कंचनपुर निवासी नीरज सिंह भदौरिया ने लिखित शिकायत दी।

शराब दुकान के विरोध में सड़कों पर उतरे ग्रामीण

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। ग्राम पंचायत हरसिंघी में प्रस्तावित नई शराब दुकान को लेकर पहले ही ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। गांव के लोगों ने एकजुट होकर आबकारी विभाग सिहोरा को ज्ञापन सौंपते हुए दुकान न खोले जाने की मांग कर चेतावनी दी कि ग्रामीण भविष्य में आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरसिंघी ग्राम पंचायत में नई शराब दुकान खोलने की तैयारी चल रही है, जबकि गांव से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर पहले से ही एक शराब दुकान संचालित है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे क्षेत्र का सामाजिक माहौल प्रभावित होगा। प्रस्तावित दुकान का स्थान स्कूल जाने वाले बच्चों के मुख्य मार्ग पर स्थित है। ऐसे में यहां शराब दुकान खुलने से बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने के साथ उनकी सुरक्षा पर भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। गांव के अधिकांश लोग इस निर्णय के विरोध में हैं और वे अपने क्षेत्र में एक और शराब दुकान नहीं चाहते। उन्होंने प्रशासन से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए प्रस्तावित दुकान को तत्काल निरस्त करने की मांग की और ऐसा नहीं करने की दशा में सामूहिक आंदोलन करने की चेतावनी भी दी इस दौरान सरपंच रश्मि अरविंद पटेल के नेतृत्व में अरुण पटेल, राम सिंह ठाकुर, लल्लू बर्मन, करिया यादव, कमला पटेल, उषा सेन सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

एमपी ट्रांसको में आराताई ऐप का उपयोग हुआ अनिवार्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी(एमपी ट्रांसको) में 1 अप्रैल से मध्य प्रदेश में परीक्षण एवं संचार (टेस्टिंग)विंग के अंतर्गत सभी आधिकारिक संदेशो के संचार के लिए व्हाट्सएप का उपयोग पूर्णत: बंद कर दिया गया है। मुख्य अभियंता राजीव अग्रवाल की पहल एवं निर्देश पर मध्यप्रदेश के सभी 417 सबस्टेशनों सहित संभागीय एवं वृत स्तर के साथ-साथ मुख्य अभियंता कार्यालय के व्हाट्सएप ग्रुपों को स्वदेशी 'आराताई' एप पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस व्यवस्था के तहत अब व्हाट्सएप ग्रुप अथवा व्यक्तिगत व्हाट्सएप संदेशों के माध्यम से की गई किसी भी प्रकार की सूचना या संवाद को मान्य नहीं माना जाएगा। यहां तक कि व्हाट्सएप के माध्यम से की जाने वाली रिपोर्टिंग को भी रिपोर्ट न करने की श्रेणी में रखा जाएगा।

समूह लोन की किश्त वसूलकर हड़प ली राशि

बैंक कर्मियों के खिलाफ माढ़ोताल थाने में प्रकरण दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

इंडसइंड बैंक लिमिटेड में कार्यरत् दो कर्मियों ने समूल लोन की किश्त वसूल की और उसे बैंक में जमा न करके हड़प ली। दोनों आरोपियों ने करीब पौने पांच लाख रुपये का चूना बैंक को लगाया। जिसके बाद मैनेजर ने मामले की शिकायत माढ़ोताल थाने में दर्ज करायी है।

पुलिस ने बताया कि संदीप पटेल ने लिखित शिकायत की कि वह वर्तमान में भारत फाइनेंशियल इनक्लूजन लिमिटेड की ब्रांच कटंगी बाईपास रोड नक्षत्र नगर स्टार सिटी वैरियल के पास मकान न. 412 अधारताल बी, में ब्रांच मैनेजर के पद पर कार्यरत है। भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड, इंडसइंड बैंक लिमिटेड की एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। कंपनी के संगम मैनेजर (ऋण वसूली) शहरी व ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को समूह लोन देने व उनकी किश्तों के कलेक्शन का कार्य करते हैं। उसकी ब्रांच में संगम मैनेजर के पद पर कार्यरत अरविन्द धनगर, निवासी ग्राम मुड़ेरी पोस्ट जबेरा दमोह जिला दमोह एवं पंकज कुमार निवासी वार्ड नंबर-10, मंझोली ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए महिलाओं से उनके लोन की किश्तों को बैंक की अधारताल-बी ब्रान्च में जमा करने का विश्वास देकर महिलाओ से लोन की किश्तों एवं प्री-पेमेन्ट रूप में एकत्रित किये और उसे ब्रांच में जमा नहीं की। आरोपी अरविन्द धनगर ने दो लाख एकतालिश हजार छै सौ तिरेपन रुपये व पंकज कुमार ने दो लाख सत्ताईस हजार एक सौ चालीस रुपये की क्षति पहुंचाई है। शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

टास्क पूरा करने के बहाने हड़पे चार लाख

जालसाज गिरोह ने महिला को झांसे में लेकर लगाई चपत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ऑनलाईन ठगी करने वाले गिराहे ने रांझी निवासी एक महिला को टास्क पूरा करने पर अधिक राशि मिलने का लालच देकर उससे अलग-अलग तरीके से तीन लाख 88 हजार रुपये ऐंठ लिये। पीड़िता ने मामले की शिकायत रांझी थाने में दर्ज करायी है।

पुलिस ने बताया कि रावण पार्क संजय नगर निवासी 38 वर्षीय किरण कुमारी के मोबाईल पर विगत 19 अप्रैल को अनजान व्यक्ति ने वाट्सअप काल किया और उनका नाम ग्रुप में एड कर टास्क कंपलीट करने पर लगाये गये रुपयों के साथ अच्छा कमीशन मिलने का लालच दिया। जिनके बहकावे में आकर पीड़िता उनके द्वारा दिये गये झांसे में आ गई। इसके बाद अलग-अलग महिलाओं के नंबर पर बात कराते हुए शुरुआती राशि उन्हें कमीशन सहित वापस की गई, इसके बाद राशि की डिमांड बढ़ती गई और महिला से तीन लाख 88 हजार रुपये ऐंठ लिये, इसके बाद न तो उनकी राशि लौटाई गई और न ही किसी प्रकार का कमीशन दिया। इतना ही नहीं राशि वापस मांगने पर पीड़िता से पांच लाख 37 हजार रुपये की और डिमांड की जा रहीं है। पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज करायी है। शिकायत पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

भीषण गर्मी के बीच मौसम ने बदली करवट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मध्य प्रदेश के कई जिलों में आज रात मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, जबलपुर, भेड़ाघाट और कटनी में मध्यम गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जो काफी तेज है। मौसम में हुए बदलाव के बाद तापमान में भी गिरावट देखने को मिली है। शुक्रवार को जबलपुर का न्यूनतम तापमान 22.8 और अधिकतम तापमान 38 डिग्री रिकार्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि इसके अलावा दमोह, रायसेन (सांची/भीमबेटका), उमरिया (बांधवगढ़), डिंडोरी, मंडला (कान्हा), नीमच, नरसिंहपुर और सीहोर में भी मौसम बदलेगा। यहाँ 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं और बिजली की कड़क के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटे के दौरान जबलपुर और सीधी में हवा की रफ्तार सबसे ज्यादा 74 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रही।

जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए किया रंग रोगन फिर खूब कराया फोटोशूट, अब लगा कचरे का अंबार

कागजों तक सीमित हुए जल संरक्षण अभियान, परंपरागत जल स्त्रोतों की उपेक्षा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। नगर में परंपरागत जल स्त्रोतों की खासी उपेक्षा हो रही है। पूर्व में कुएं, तालाब और बावड़ी जैसे जल स्त्रोत न केवल वर्ष भर पानी उपलब्ध कराते थे, बल्कि बारिश का पानी जमीन के भीतर पहुंचा कर जल संरक्षण व संवर्धन में भी मुख्य भूमिका का निर्वहन करते थे। लेकिन समय के साथ आए बदलाव ने इन जल स्त्रोतों को कूड़ेदान बना दिया। परिणाम स्वरूप नतीजा यह है कि जल स्तर लगातार पाताल की ओर जा रहा है और शहर हो या गांव हर तरफ जल संकट से लोग जूझ रहे हैं। दो दशक पहले तक कुएं, तालाब और बावड़ियां ही मुख्य जल स्त्रोत हुआ करती थीं। तालाब और कुएं लोगों को पीने और अन्य उपयोग के लिए पानी मुहैया कराते थे वहीं कुछ स्थानों पर बावड़ियां भी थी। नये बस स्टैंड के पास कई साल पहले तक एक बावड़ी का अस्तित्व था। यह बावड़ी तो सालों पहले ही लापता हो गई हैं वहीं अन्य स्थानों की बावड़ियां भी उपयोगविहीन होकर कूड़ेदान की शक्ल ले चुकी है। इसी तरह के हाल कुओं के भी हो चुके हैं।

अस्तित्व में थे 2 दर्जन से अधिक कुएं

जानकारों के मुताबिक शहर में दो दर्जन से अधिक कुएं अस्तित्व में थे, लेकिन अब शायद ही कोई कुआं ऐसा होगा जिसका कि उपयोग हो रहा हो। अधिकांश कुओं को तो खुद लोगों ने ही कूड़ेदान बना डाला है। लोग इनमें कूड़ा-कचरा फेंकने लगे हैं। इससे कई कुओं का तो लगभग अस्तित्व ही समाप्त हो चुका है।

कुओं और बावड़ियों की उपेक्षा होने की मुख्य वजह यह है कि लोगों को नल-जल योजनाओं से जहां सीधे घर के भीतर पानी मिल रहा है वहीं घर-घर में नलकूप भी खनन हो गए हैं।

यही कारण है कि व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक कुओं की सुध किसी के भी द्वारा नहीं ली जा रही है। कुछ साल पहले तक स्थानीय निकायों द्वारा भी प्राथमिकता के साथ कुओं का गहरीकरण और साफ-सफाई करवाई जाती थी, लेकिन अब तो स्थानीय निकायों की भी यह प्राथमिकता नहीं रह गए हैं।

तालाबों के भी यही हाल

केवल कुएं ही नहीं बल्कि तालाबों के भी यही हाल है। एक जमाने में दो दर्जन से अधिक तालाब थे और इन तालाबों के भी बेहाल हैं। अधिकांश तालाब तो भू माफियाओं की गिद्ध दृष्टि की भेंट चढ़ गए। उंगलियों पर गिने जा सकने वाले शेष बचे तालाबों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। गंदगी से पटे इन तलाबो का न तो गहरीकरण हुआ है और न ही साफ-सफाई की गई है। इससे यह तालाब भी कचरा घर बनने के साथ साथ उथले होते जा रहे हैं और बहुत कम ही पानी का संग्रहण इनमें हो पाता है। जमीन के भीतर पानी भेजने की इनकी क्षमता भी साफ-सफाई के अभाव में कम होती जा रही है।

नहीं हो पा रही वाटर रिचार्जिंग

कुएं और तालाबों द्वारा केवल पानी ही उपलब्ध नहीं कराया जाता है बल्कि बारिश के दिनों में वर्षा जल को जमीन के भीतर पहुंचाने में भी यह मुख्य भूमिका का निर्वहन करते थे। इनकी उपेक्षा और इनके लगातार बंद होने के कारण ही अब जमीन का पानी भीतर पहुंचने के लिए कोई जरिया ही नहीं बचा है। यही कारण है कि अब जल स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। लोग भी केवल पानी उलीचने का ध्यान रखते हैं, जमीन में पानी पहुंचाने की किसी को भी जरा भी फिक्र नहीं रह पाती है।

कचरे से पटी पड़ी बावली

नगर की पालक संस्था ने विगत दिनों जल संवर्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत बावली की दिवालों का रंग रोगन कर फोटो शूट कराके वाहवाही तो लूट ली। जब की वावली की सतह आज भी कचरे से पटी पड़ीं है। नये बस स्टैंड के समीप पड़ाव की बावली नगर का प्रमुख पारंपरिक जल स्त्रोत रहा है स्थानीय लोगों के अलावा पुराने जमाने में बैलगाड़ियों से यात्रा करने वाले भी यहां रुककर बावली के जल का प्रयोग करते थे लेकिन समय में आए बदलाव में परंपरागत जल स्त्रोत को कचरा घर में तब्दील कर दिया । इसी प्रकार नगर के प्राचीन चोपड़ा तालाश के पानी का रंग एंव उसमें पड़ीं पालीथीन ,वोतल अपने संवर्धन एवं संरक्षण की कहानी स्वंय वया कर रही है।ि वगत दिनों उक्त तालाब का को भी जल संवर्धन एवं संरक्षण के तहत स्वच्छ किया गया था।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**